हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

2 दिसम्बर, 2004

खण्ड–4, अंक– 2

अधिकृत विवरण

Haryana Vidhan Sabha Secretariat
LIBRARY
Chandigarh

विषय सूची

वीरवार, 2 दिसम्बर, 2004

	पृष्ठ संख्या
तारांकित प्रश्न एवं उत्तर	(2)1
हरियाणा मंत्रिमण्डल के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव की सूचना	(2)9
आई०जी० महाविद्यालय, टोहाना (फतेहाबाद) के विद्यार्थियों का अभिनन्दन	(2)12
नियम 121 के अधीन प्रस्ताव	(2)12
नियम 15 के अधीन प्रस्ताव	(2)13
नियम 16 के अधीन प्रस्ताव	(2)14
विधान कार्य—	(2)14
दि हरियाणा एप्रोप्रिएशन (नं० 4) बिल, 2004	(2)14
हरियाणा मंत्रिमण्डल के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा	(2)16
सदस्य का नाम लेना	(2)51
वाक आउट	(2)51
हरियाणा मंत्रिमण्डल के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(2)52
अति विशिष्ट व्यक्तियों का स्वागत	(2)58
हरियाणा मंत्रिमण्डल के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(2)59
विधान कार्य (पुनरारम्भ)	(2)67
दि हरियाणा स्टाफ सिलैक्शन कमीशन, बिल, 2004	

मूल्य : 67

हरियाणा विधान सभा

वीरवार, 2 दिसम्बर, 2004

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर-1, चण्डीगढ़ में प्रात: 9.30 बजे हुई। अध्यक्ष (श्री सतबीर सिंह कादियान) ने अध्यक्षता की।

तारांकित प्रश्न एवं उत्तर

श्री अध्यक्ष : आनरेबल मैम्बर्ज, अब सवाल होंगे।

Construction of a Bus Stand at Kaithal

***1862. Shri Lila Ram :** Will the Minister for Transport be pleased to state—

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to construct a new Bus Stand at Kaithal; and

(b) if so, the time by which the aforesaid Bus Stand is likely to be constructed ?

परिवहन मंत्री (श्री अशोक कुमार)

(क) हां, श्रीमानजी।

(ख) निर्माण कार्य मई, 2006 तक पूरा होने की संभावना है।

श्री लीला राम : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि कैथल में बनने वाले बस स्टैंड पर कितनी लागत आएगी और यह कितने समय में बनकर तैयार हो जाएगा ?

श्री अशोक कुमार : अध्यक्ष महोदय, जहां तक इस बस स्टैंड के तैयार होने की बात है, जैसा मैंने बताया कि यह मई, 2006 तक पूरा कर लिया जाएगा। इस बस स्टैंड के निर्माण के लिए लगभग 4 करोड़ 28 लाख रुपये की राशि हुडडा के पास जमा करवा दी गयी है और उस पर काम शुरू हो गया है।

श्री लीला राम : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से इसके लिए आदरणीय मंत्री महोदय एवं हरियाणा सरकार का धन्यवाद करना चाहूंगा और साथ ही मैं मंत्री जी से एक अनुरोध और करना चाहूंगा। गांव उझाना और कुलतारण जोकि कैथल और अम्बाला रोड पर पड़ते हैं, में बस क्यू शैल्टर नहीं हैं। इसी तरह से कैथल पटियाला रोड पर एक खानपुर गांव है वहां पर भी बस क्यू शैल्टर नहीं है। मेरा मंत्री जी से अनुरोध है कि इन गांवों में लोगों की सुविधा के लिए बस क्यू शैल्टर्ज बनवाये जाएं। इसी तरह से गांव क्योड़क जोकि कई गांवों का चक माना जाता है, सैंटर माना जाता है, में भी लोगों की सुविधा के लिए बस स्टैंड बनाया जाए।

श्री अशोक कुमार : अध्यक्ष महोदय, जहां जहां पर लोगों की इस बारे में मांग आती है वहां वहां पर लोगों की मांग को ध्यान में रखते हुए उनकी मांग पूरी कर दी जाती है। क्योड़क गांव में बस स्टैंड बनवाने के बारे में पहले भी विधायक जी ने कहा था। इन्होंने हमसे कहा था कि वे इसके लिए वहां पर जगह उपलब्ध करवा देंगे। जैसा उन्होंने कहा कि क्योड़क गांव एक बहुत बड़ा गांव है और वह कई गांवों का सैंटर भी है तो अगर ये हमें वहां पर जगह उपलब्ध करवा देंगे तो वहां पर एक छोटा बस स्टैंड बनवा देंगे। इसके अलावा बाकी जिन और ग्राम पंचायतों से इस बारे में रैजोल्यूशन आएंगे वहां पर बस क्यू शैल्टर बनवा दिये जाएंगे।

Sarkar Apke Dwar Programme

***1879. Shri Ramesh Kumar Khatak:** Will the Chief Minister be pleased to state the detail of the development works done in Baroda Constituency under "Sarkar Aapke Dwar" programme during the period from 1-4-2000 to till date ?

मुख्य संसदीय सचिव (श्री राम पाल माजरा) : दिनांक 1-4-2000 से आज तक बड़ौदा निर्वाचन क्षेत्र में 174 विकास कार्य पूर्ण हो चुके हैं तथा 160 विकास कार्य प्रगति पर हैं।

श्री रमेश कुमार खटक : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री जी का धन्यवाद करना चाहूंगा और अपनी सरकार को बधाई भी देना चाहूंगा कि उन्होंने हरियाणा प्रदेश में विकास कार्यों की झड़ी लगा रखी है। मैं माननीय मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि मेरे हल्के में "सरकार आपके द्वार कार्यक्रम" के तहत फेजवाइज कितनी एनाउंसमैन्ट की गयी हैं और प्रदेश में टोटल कितने कार्य अब तक किए गए हैं ? कृपा करके मंत्री जी यह बता दें।

श्री राम पाल माजरा : स्पीकर सर, कोई वक्त था जब गांव के और शहरों के लोग गांव की गलियां, नालियां और स्कूल के कमरों के लिए सरकार के मुखिया से मिलते थे तो उस वक्त के मुख्यमंत्री यह कहा करते थे कि सरकार के पास पैसा नहीं है। वक्त बदल गया । सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के नाम से खुद इस बात का बोध हो रहा है कि हरियाणा प्रदेश का मुख्यमंत्री गांव गांव में शहर शहर में जा जा कर के वहां के लोगों को इक्टठा करके कहता है कि तुम जो चाहो विकास के काम मांगो, हरियाणा प्रदेश का खजाना लबालब भरा हुआ है, खचाखच भरा है, जितना चाहे मांग लो, मांगने वाले थक जाते हैं, देने वाला नहीं थकता है, जिससे हरियाणा प्रदेश के मुख्यमंत्री ने चार चरण पूरे करके 5 वें चरण में 85 क्षेत्रों का दौरा करके गांव के लोगों की समस्याओं का समाधान किया । मेरे माननीय साथी ने यह पूछना चाहा है कि हरियाणा प्रदेश में कुल कितने काम फेजवाइज किए गए उसका ब्यौरा मैं रख रहा हूं। प्रथम चरण में 15354 कामों की घोषणा हुई, 14127 काम हुए। 289 पर काम चल रहा है और 922 फिजिबल नहीं हैं इनमें या तो जमीन नहीं है या कानूनी अड़चनें हैं और 16 कोर्ट में पेंडिंग हैं दूसरे फेज में 17979 कामों की घोषणा हुई 14382 पूरे कर लिए गए 1665 प्रोग्रेस में हैं 1721 फिजिबल नहीं हैं इसी प्रकार थर्ड फेज में 19540 कामों की घोषणा हुई, 6746 पूरे कर लिए गए हैं, 9147 पर काम चल रहा है, 1454 फिजिबल नहीं हैं। फेज चार में 25758 कामों की घोषणा की गई। 1195 पूरे हुए, 6208 पर काम जारी है, 421 फिजिबल नहीं हैं। पांचवें चरण में 85 क्षेत्रों का दौरा हो चुका है और 5 बाकी हैं मेरे साथी ने पूछा है कि उनके क्षेत्र में फेजवाइज कितने कामों की घोषणा हुई, मैं इनको बताना चाहूंगा कि 630 कामों की घोषणा की गई, 174 पूरे हो गए, 160 प्रोग्रेस में हैं, 40 फिजिबल नहीं है। फर्स्ट

फेज में बड़ौदा क्षेत्र में 72 कामों की घोषणा हुई, 69 पूरे हुए, 2 पर काम चल रहा है, एक फिजिबल नहीं है। इसी प्रकार दूसरे चरण में 87 की घोषणा हुई, 70 पूरे हुए। चार पर काम चल रहा है, 13 फिजिबल नहीं है। इसी प्रकार थर्ड फेज में 129 कार्यों की घोषणा हुई, 79 पूरे हुए, 41 पर काम जारी है, 7 फिजिबल नहीं है। चौथे चरण में 249 कार्यों की घोणा हुई, 25 पूरे हुए, 110 पर काम जारी है, 20 फिजिबल नहीं हैं, 94 पैंडिंग हैं। पांचवें चरण में 165 कार्यों की घोषणा हुई, 5 पर काम शुरु कर दिया गया, 160 अभी पेंडिंग हैं क्योंकि लास्ट राउंड है। इसी प्रकार से मार्केटिंग का इनके क्षेत्र में और भी बढ़िया काम हुआ है। मेरे साथी ने जानना चाहा था कि अब तक कितना पैसा खर्च किया गया है अभी तक 3 करोड़ 58 लाख 59 हजार रुपये खर्च किए गए।

M.B.B.S. Classes

***1874. Shri Sher Singh :** Will the Minister of State for Health be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to start M.B.B.S. Classes in Ch. Devi Lal University, Sirsa in near future ?

स्वास्थ्य राज्य मन्त्री (डा०एम०एल० रंगा) : नहीं, श्री मान जी।

आई०जी० (रिटायर्ड) श्री शेर सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री महोदय से पूछना चाहता हूं कि हमारे हरियाणा प्रदेश के बच्चे 30-40 लाख रुपये देकर के बाहर के प्रदेशों में मैडीकल की शिक्षा प्राप्त करने जाते हैं। क्यों न हरियाणा में अग्रोहा मैडीकल कालेज की सीटें और बढ़ाई जाएं जिससे बच्चों को कम दाम पर अपने ही प्रदेश में मैडीकल की शिक्षा ग्रहण हो सके और दूसरी सुविधा प्राप्त हो सके।

डा० एम०एल० रंगा : अध्यक्ष महोदय, आदरणीय मुख्यमंत्री जी का मैं आभारी हूं जिन्होंने अग्रोहा मैडीकल कालेज जोकि बन्द हो चुका था उसकी ग्रांट को दोबारा से चालू करके मैडीकल की शिक्षा के लिए 50 सीटों पर दाखिले करवाये। इसके इलावा रोहतक मैडीकल कालेज में पहले 125 सीटें थीं उनको बढ़ाकर 150 सीटों पर दाखिले करवाये। इसके अलावा मुलाना में मैडिकल कालेज को मन्जूर करवाया और आज वहां पर दाखिला हो चुका है। पांच साल पहले हरियाणा में केवल मात्र एक मैडीकल कालेज था लेकिन आज तीन मैडीकल कालेज हैं। इसके अलावा गुड़गांव में मैडीसिटी मन्जूर करवाया गया है जो अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर आपको कहीं नहीं मिलेगा। स्वास्थ्य सेवाओं को बढ़ावा देने के लिए तथा मैडीकल शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने काफी अच्छे प्रयास किये हैं।

श्री बलवन्त सिंह मायणा : स्पीकर सर, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि जहां सरकार ने इतने काम किए हैं क्या रोहतक मैडीकल कॉलेज में नई मशीनरी और नये उपकरण लगाकर वहां की जनता को लाभान्वित करने का काम किया है ?

डा० एम०एल० रंगा : अध्यक्ष महोदय, एक मात्र रोहतक में ही नहीं पूरे हरियाणा में जो इक्विपमेंट आउट डेटिड हो चुके थे उनको नये से परिवर्तन करने के लिए पहले फेस में चार करोड़ रुपये इस ईयर में मार्क किए गये हैं। इसके इलावा खाली मैडीकल कालेज में ही नहीं बल्कि जिला स्तर पर सी०टी० स्कैन मशीन जोकि हिन्दुस्तान के किसी भी राज्य में नहीं है, हमने प्रदेश के तीन जिलों में सी०टी० स्कैन मशीन दी हुई हैं । इसके इलावा मैडीकल कालेज में नये उपकरण देने के लिए 7-8 करोड़ रुपये मन्जूर करने का काम किया है।

श्री अभय सिंह चौटाला : स्पीकर महोदय, मैं आपके माध्यम से मन्त्री जी से जानना चाहूंगा कि अग्रोहा मैडीकल कालेज को खोलने की शुरूआत किसने की, उस मैडीकल कालेज को ग्रान्ट किसने और कितनी दी, और किसने उस कालेज की ग्रान्ट को बन्द करने का काम किया और किस ने उस कालेज को नये सिरे से ग्रान्ट देकर दोबारा से चालू करने का काम किया और क्या मैडीकल कालेज, अग्रोहा में पी०जी० कालेज बनाने का प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है ?

डा० एम०एल० रंगा : अध्यक्ष महोदय, सम्मानित साथी को मैं बताना चाहूंगा कि आदरणीय स्वर्गीय चौधरी देवीलाल जी ने हरियाणा में चिकित्सा शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए अपने निजि प्रयास से 200 एकड़ भूमि अग्रोहा धाम को देने का काम किया और वहां पर मैडीकल कालेज मन्जूर करवा कर उसें पूरी ग्रान्ट देने का काम किया था और वहां पर एम०बी०बी०एस० की क्लास शुरू की गई। लेकिन चौधरी बंसीलाल जी की सरकार ने ग्रान्ट बन्द कर दी और ग्रान्ट बन्द करने के बाद उस कालेज को ही बन्द कर दिया। चार साल तक सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट में केस चलता रहा और वहां के विद्यार्थियों को रोहतक मैडीकल कालेज में भेज दिया गया और परेशान किया गया। लेकिन आदरणीय चौधरी ओमप्रकाश चौटाला जी की सरकार ने पांच साल पहले सबसे पहला कार्य अग्रोहा मैडीकल कालेज की ग्रान्ट को बहाल करके उसे दोबारा से चालू करने का काम किया और एम०बी०बी०एस० क्लास की 50 सीटों पर दाखिला करने का काम किया और सरकार के प्रयास हैं कि ये सीटें बढ़ाकर 100 हो जायें। हमारी कोशिश है कि वहां पी०जी० क्लासिज शुरू की जाएं। उसके लिए सरकार प्रस्ताव बना रही है, हम एम०सी०आई० को रिक्वैस्ट भी करेंगें कि जितना पैसा लगेगा सरकार उसमें अनुदान के रूप में देगी और हम चाहेंगें कि अग्रोहा मैडीकल कालेज भी बहुत अच्छा पी०जी० संस्थान बने।

वित्त मन्त्री (प्रो० सम्पत सिंह) : अध्यक्ष महोदय, मैं इस बारे में और इन्फर्मेशन देना चाहूंगा। अध्यक्ष महोदय, अग्रोहा मैडीकल कालेज की जहां तक बात है, चौ० देवीलाल जी ने बहुत लम्बी सोच के आधार पर इस कालेज का शिलान्यास किया था क्योंकि उस एरिए में कोई भी मैडीकल सर्विसज नहीं थी, न साथ लगते पंजाब और न हरियाणा और न ही राजस्थान में थी। इसलिए अग्रवाल समाज के भाईयों ने बहुत बड़ा काम वहां किया, हिस्टोरिकल काम वहां किया। चौ० देवीलाल जी ने उससे भी आगे बढ़कर उनको सम्मान दिया। जिन्होंने मैडीकल कालेज की मांग रखी उसी वक्त चौ० साहब ने उनसे कहा कि आप तो भामाशाह है आप लोग तो देने वाले हैं इसमें वाकेय में कोई दो राय नहीं, उन लोगों ने कहा कि ठीक है जी हम देंगें, चौ० साहब ने कहा जितनी ग्रांट आप खर्च करोगे उतनी मैचिंग ग्रांट सरकार कंस्ट्रक्शन के लिए खर्च करेगी। जहां तक रैकरिंग खर्चे की बात है, क्योंकि चौ० साहब की लम्बी सोच थी, कि पता नहीं कल को कैसी सोसायटी आ जाए। आज तो जिंदल साहब जैसे बहुत बढ़िया आदमी उस सोसायटी के प्रैजीडैंट हैं। कल को हो सकता है कि ये सोसायटी कैसे हाथों में आ जाए और यह कालेज बन्द न हो जाए। हिन्दुस्तान में यह पहला संस्थान है जिसका 99 प्रतिशत रैकरिंग खर्चा सरकार वहन कर रही है। टोटल ग्रांट का कंस्ट्रक्शन के खर्चे का जो पहले एग्रीमैंट का फस्ट फेज हुआ था, वह एग्रीमैंट 25 करोड़ का था, जिंदल साहब और मैं इससे शुरू से जुड़े रहे हैं, साढ़े 12 करोड़ रुपये गवर्नमैंट की तरफ से उसमें ग्रांट दी जा चुकी थी। सोसायटी ने उससे फालतू कुछ और खर्च कर रखा था। उसके बाद मुख्यमंत्री महोदय से दोबारा सोसायटी के लोग मिले और कहा कि अभी काम अधूरा रह गया है, बिल्डिंग पूरी नहीं हुई है, काम पैण्डिंग हो गया, इन लोगों की वजह से काम पैण्डिंग रह गया। महंगाई बढ़ गई और महंगाई बढ़ने

से बिल्डिंग उतने खर्च में पूरी नहीं हो सकती थी तथा और पैसे की जरूरत थी इसके लिए जब मुख्यमंत्री महोदय के सामने मीटिंग हुई तो मुख्यमंत्री जी ने उनसे कहा कि जितने पैसे की और जरूरत है आप खर्च करते जाइए और बराबर की मैचिंग ग्रांट लेते जाइए। लगभग 38 करोड़ रुपये अगले फेस के लिए और मंजूर कर दिए। जहां तक टाईम की बात है, तो उसके लिए मुख्यमंत्री महोदय जी ने कह दिया कि फेस की कोई जरूरत नहीं है, आप एक साल में जितना पैसा इकट्ठा करके खर्च करोगे सरकार भी उतना पैसा देगी। मेरे कहने का मतलब है कि सरकार ने अग्रोहा मैडीकल कालेज की ओर पूरा ध्यान दिया। जब चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी ने 24 जुलाई, 1999 को ओथ ली थी तो उन्होंने सबसे पहला काम 25 जुलाई को सुबह सुबह अग्रोहा मैडीकल कालेज को दोबारा चालू करने का काम किया था। जो लोग इस कालेज को बन्द करने वाले हैं, मुझे बड़ा अफसोस होता है कि उन्हीं के एक मुख्यमंत्री के पास अग्रवाल समाज के लोग गए, आज ये उनकी ठेकेदारी लेते हैं। उन्हीं मुख्यमंत्री ने अग्रवाल समाज के लोगों से उस वक्त कहा कि आप लोग पहले देते थे, समाज में समाजवाद की प्रथा थी, इसमें कोई दो राय नहीं है, समाजवाद की प्रथा महाराजा अग्रसेन जी ने चलाई थी एक रूपया और एक ईंट देकर लोगों को वहां बसाने के लिए ताकि लोग वहां बस जाएं और बराबर हो जाएं। लेकिन क्या आज के जमाने में मुख्यमंत्री एक व्यक्ति से कोई पैसा मांगता है और वह व्यक्ति ठीक है एक रुपया या एक ईंट दे भी दे, दैट इज इनफ क्योंकि उसमें उसकी इन्वाल्वमैंट होती है। लेकिन कोई मुख्यमंत्री से मांगे और मुख्यमंत्री महोदय कह दें कि चलो एक रुपया और एक ईंट की बात थी अब 1100 रुपये और 1100 ईंट ले जाओं मेरे से, जिंदल साहब खुद गवाह हैं कह सकते हैं कि उस समय के मुख्यमंत्री महोदय ने ऐसा न कहा हो तो, ये हां में हां भर रहे हैं मेरी। 1100 रुपये और 1100 ईंट ले जाओ, मुख्यमंत्री ने ऐसा कहा था। जिन्होंने इस ग्रांट को बन्द कर दिया था अभी इन्होंने नाम लिया था, ऐसी हालत हो जाए तो कैसे कह सकते हैं कौन शुभचिंतक है। (विघ्न) मुख्यमंत्री जी बैठे हैं वह, पहले उस टाईम के मुख्यमंत्री आपकी बगल में बैठें हैं, यह बैक ग्राउंड है।

श्री ओम प्रकाश जिंदल : अध्यक्ष महोदय, यह सच्चाई है कि चौधरी देवीलाल जी ने इस कालेज का शिलान्यास किया, रुपया भी दिया, जमीन भी दी, हमने करीब करीब इसको चालू भी किया। बंसीलाल जी के टाइम में तो कम्पलीटली बन्द हो गया था क्योंकि इन्होंने ये कहा कि 1100 रुपये और 1100 ईंटे नहीं एक रुपया और एक ईंट दे सकता हूं अगर लेनी हो तो ले लो और उस टाइम में वह कालेज बन्द कर दिया गया था। चौटाला साहब ने जिस समय मुख्यमंत्री की ओथ ली उस समय अग्रोहा जाकर ग्रांट मंजूर की और उस कालेज को दोबारा चालू कराया।

मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रकाश चौटाला) : अध्यक्ष महोदय, मैं जिंदल साहब से थोड़ी कन्फर्मेशन और चाहूंगा कि जिस समय 25 जुलाई को मैंने अग्रोहा जाकर नये सिरे से ग्रान्ट बहाल करने का निर्णय किया उस समय जिंदल साहब आपने यह नहीं कहा था कि सरकार इस कालेज को टेक ओवर कर ले और मैंने कहा हम जमीन बेच देंगे लेकिन इस कालेज को चलायेंगे।

श्री ओम प्रकाश जिन्दल : कहा था जी।

प्रो० सम्पत सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं यह भी बताना चाहूंगा कि वह 200 एकड़ जमीन नहीं है बल्कि 275 एकड़ जमीन है। अग्रोहा कालेज को चालू करने से अग्रवाल समाज को सम्मान मिला है और इलाके के गरीब लोगों को फायदा मिलेगा।

श्री अभय सिंह चौटाला : अध्यक्ष महोदय, प्रो० सम्पत सिंह जी ने मेरे सवाल का विस्तार से जवाब दिया इसके लिए मैं उनका आभारी हूं। मैं एक बात और जानना चाहूंगा। जब कल चौधरी बंसी लाल जी के बारे में कोई भी चर्चा हो रही थी तो चौधरी बंसी लाल टाईम बे टाईम प्वायंट आफ आर्डर पर खड़े हो जाते थे और अपना जवाब देने की कोशिश करते थे। आज भी उनके बारे में बात हुई है और उनसे जुड़ी हुई बात है इसलिए मैं चाहूंगा वे इस पर कोई प्रतिक्रिया करें।

चौ० बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, मैं कल किसी भी प्वायंट ऑफ आर्डर पर नहीं बोला। *

* * * * *

श्री अध्यक्ष : चौधरी देवी लाल जी के बारे में बंसी लाल जी जो कुछ कह रहे हैं वह रिकार्ड न किया जाये।

प्रो० सम्पत सिंह : अध्यक्ष महोदय, जहां तक चौधरी साहब की बात कर रहे हैं, कल भी दो-तीन दफा चौधरी देवी लाल जी का इन्होंने जिक्र किया और आज फिर कर रहे हैं। चौधरी देवी लाल जी एक ऐसी शख्सियत थे जिन्होंने हरियाणा ही नहीं बल्कि सारे देश की सर्व जातियों को एक लड़ी में बांधकर रखा था । वे ऐसे व्यक्तित्व थे जब स्वर्गीय श्रीमती इंदिरा गांधी की हत्या के बाद नरसंहार हो रहा था उस समय राष्ट्रपति ज्ञानी जैल सिंह से बात करके मिल्ट्री बुलाने का काम किया था और नरसंहार को रुकवाया था। अध्यक्ष महोदय, चौधरी शेर सिंह ने सवाल पूछा उसके बारे में मैं बताना चाहूंगा कि जो भी प्राईवेट कालेजिज हैं चाहे डैंटल कालेज हैं, मैडीकल कालेज हैं उनको हम बढ़ावा दे रहे हैं ताकि बच्चे उनमें जाकर शिक्षा ले सकें। शेर सिंह जी कह रहे थे कि हमारे बच्चे साउथ में जाकर लाखों रुपये खर्च करते हैं। वहां फीस तो अलग से देनी ही पड़ती है और रहने का खर्चा अलग से करना पड़ता है। यदि अपने इलाके में मैडीकल, डैंटल और इन्जीनियरिंग कालेज हों तो हमारे यहां के बच्चे अपने घर में रहकर पढ़ाई कर सकते हैं और घर की दाल रोटी खा सकते हैं। इस बारे में मैं बताना चाहूंगा कि हमारी सरकार प्राईवेट संस्थाओं को प्रोत्साहन दे रही है। गुलाना डैंटल कालेज को प्रोत्साहन दिया गया है इसके अतिरिक्त और भी कई डैंटल कालेजिज को मान्यता दी गई है। पहले एक डैंटल कालेज हमारे प्रदेश में था और आज 6 डैंटल कालेज हमारे प्रदेश में हैं। इसी तरह से पहले 5 इन्जीनियरिंग कालेज थे और आज हमारे प्रदेश में 35 इंजीनियरिंग कालेज हैं। इनके अतिरिक्त एक डैंटल कालेज चौधरी देवीलाल विद्यापीठ के नाम से और खोलना चाहते हैं और उसकी फाईल सैंटर की सरकार को भेजी हुई है लेकिन सैंटर की सरकार उस फाईल को रोके हुए है। उसके लिए सैंटर की सरकार जिम्मेवार है। यदि इन भाईयों को इतना जिक्र है तो ये सैंटर की सरकार से वह फाईल निकलवायें ताकि हमारे यहां एक और डैंटल कालेज खुल सके। हमने तो फाईल सैंटर के पास भेजी हुई है। एम०बी०बी०एस० के साथ-साथ डैंटल कालेजिज भी बहुत महत्वपूर्ण हैं। एजूकेशन को बढ़ावा देने में हमारी सरकार की तरफ से कोई दिक्कत नहीं आ रही सैंटर की तरफ से आ रही है।

चौधरी भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, यह डिबेट नहीं है, ये तो डिबेट की तरह बोल रहे हैं। यह प्रश्नकाल है। अगर ये इस तरह बोलेंगे तो हम भी जवाब देंगे।

Vacant Posts of Doctors.

***1867. Shri Malik Chand Gambhir :** Will the Minister of State for Health be pleases to state —

(a) the number of posts of Doctors (M.Os) are lying vacant in the Governments Hospitals at Yamuna Nagar and Jagadhri; and

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

(b) the time by which the aforesaid vacant posts are likely to be filled up ?

स्वास्थ्य राज्य मन्त्री (डा० एम०एल० रंगा) : श्रीमान जी,

(क) इस समय सामान्य अस्पताल यमुनानगर, जगाधरी व ई०एस०आई० अस्पताल जगाधरी में चिकित्सा अधिकारी का कोई भी पद रिक्त नहीं है।

(ख) उपरोक्त (क) के दृष्टिगत (ख) भाग प्रासंगिक नहीं है।

डा० मलिक चन्द गंभीर : मैं आपके द्वारा मंत्री महोदय को बताना चाहता हूं कि वहां पर जितनी पोस्टें सैंक्शन्ड हैं वे सारी की सारी भर दी गई हैं। इसके लिए मैं मुख्यमंत्री महोदय का आभार प्रकट करता हूं। मैं मंत्री महोदय की जानकारी के लिए बताना चाहता हूं कि यमुनानगर एक इण्डस्ट्रियल टाऊन है और वहां पर काफी आबादी है। मैं मंत्री महोदय से जानना चाहूंगा कि क्या वहां पर स्पेशलिस्ट डाक्टर लगाने का इन्तजाम किया जायेगा ताकि उन लोगों को सारी फैसेलिटीज मिल सके।

डा० एम०एल० रंगा : अध्यक्ष महोदय, यमुनानगर एक औद्योगिक नगरी है इसी बात को देखते हुए वहां के ई०एस०आई० हस्पताल को बढ़ावा दिया है। जहां सभी हस्पतालों में 10-10 पोस्टें हैं वहां पर हमने 24 पद स्वीकृत किए हैं और वे 24 के 24 पद इस वक्त भरे हुए हैं और कोई भी पद इस वक्त वहां पर खाली नहीं है। इसके अलावा वहां पर जो स्पेशलिस्ट डा० लगाने की बात है तो जिस समय और डाक्टर्ज की नियुक्ति की जाएगी उस समय वहां के लिए पी०जी० डाक्टर्ज लगाने का विशेष ध्यान रखा जायेगा कि ऐसी जगह उनको नियुक्त किया जाए।

श्री राम कुमार कटवाल : स्पीकर साहब, मैं मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि हमारी स्टेट में ऐडज के कितने डाक्टर्ज हैं और हमारे राज्य में ऐडज के कितने मरीज हैं ?

डा० एम०एल० रंगा : स्पीकर साहब, हमारे जितने भी डाक्टर्ज लगे हुए हैं वे सारे के सारे ऐडज की जानकारी रखते हैं। कोई भी एम०बी०बी०एस० डाक्टर हो वह ऐडज के बारे में जानकारी रखता है और ऐडज की दवाई दे सकता है। अब तक हमने 5 सालों में जो 721 पद खाली पड़े हुए थे वे नई भर्ती करके भरे हैं। अब केवलमात्र 70 पद खाली हैं और उनका भी विज्ञापन दिया हुआ है। इसके अलावा जो ऐडज के सुपर स्पेशलिस्ट डाक्टर्ज लगाने की बात आती है, तो ऐसे एस०एम०ओ० लैवल के 328 पद स्वीकृत हैं जिसमें केवल मात्र 26 पद खाली हैं जो प्रमोशन से भरने के लिए पाईप लाईन में हैं। दूसरे हमारे माननीय सदस्य ने ऐडज के विषय में पूछा है कि कितने मरीज हैं । संयोग की बात है कि कल ही पूरे विश्व में ऐडज दिवस था और पूरे विश्व में ऐडज दिवस के बारे जानकारी दी जा रही थी। यह हमारे जैसे देश हिन्दुस्तान का दुर्भाग्य है कि जहां की संस्कृति इतनी अच्छी हो वहां पाश्चात्य देशों से यानि अमेरीका जैसे देशों से ऐडज की बिमारी आ जाए और ऐड्ज के विषय पर चर्चा करें। इससे बड़ा दुर्भाग्य क्या होगा। लेकिन अगर कोई बिमारी आ सकती है तो उसकी रोकथाम करना, उसका बचाव करने के लिए हम तत्पर हैं। पूरे हिन्दुस्तान में 51लाख के करीब ऐडज के पोजेटिव मरीज हैं। हरियाणा में 40 हजार पोजेटीव ऐडज के केस हैं और 347 लोग ऐडज से पीड़ित हैं। अब तक 24 मृत्यु ऐडज की बिमारी से हो चुकी हैं। इसके बचाव के लिए जहां पर केवलमात्र एक जगह पर टेलीकोम सैन्टर था अब हरियाणा के 19 के 19 जिले में ऐडज

[डा० एम०एल० रंगा]

के टेलीकोम सेन्टर खोले हुए हैं और ऐडज की नोडल ऐजेंसीज भी खोली हुई हैं। हमने ऐडज की जागृति के लिए नुक्कड़ सभाएं रखी। हमनें ट्रक यूनियनों के साथ बैठकर और ढाबे वालों के साथ बैठ करके विचार विमर्श किया है कि कैसे ऐडज से बचा जा सके। यह बिमारी क्यों आती है इस विषय में हम प्रयासरत हैं कि यह हमारे प्रान्त में और देश में न आए। इसके साथ-साथ आज के समय में जो हमारे प्रतिनिधि हैं चाहें वे विधायक हैं, चाहे एम०पी० हैं, ब्लाक समिति के चेयरमैन हैं या जिला परिषद के लोग हैं उन सभी के साथ हमने विचार विमर्श किया है। हमने पिछले दिनों पंचायत समिति के सदस्यों से भी इस बारे में मीटिंग की और पूरे हरियाणा के लोगों को बैठाया था और उनके माध्यम से हमने पंचायतों को जानकारी दी है कि इस बिमारी से कैसे बचाव किया जा सकता है। इस विषय के प्रति सरकार काफी प्रयासरत है और इसकी रोकथाम के लिए काफी कार्य सरकार कर रही है ताकि यह बिमारी हमारे हरियाणा प्रदेश में न आ सके।

श्रीमती अनीता यादव : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय रंगा साहब से एक बात 10.00 बजे की जानकारी चाहती हूं और इनके नोटिस में यह बात लाना चाहती हूं कि आजकल शहरों में लगभग हर घर में शूगर के पेशैन्टस मिलते हैं। शूगर की टैस्टिंग के लिए एक डिब्बी जैसी मशीन आती है जिसमें नीडल लगाकर शूगर टैस्ट होती है। यह मशीन एम०एल०ए० होस्टल में भी है और इस मशीन से शूगर टैस्ट करने के लिए नीडल से प्रिक करते हैं। जब इस डिब्बी जैसी मशीन से शूगर टैस्ट करते हैं तो इसकी नीडल को बार-बार यूज करते हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से रंगा साहब से यह जानना चाहती हूं कि जो बार-बार नीडल यूज़ करते हैं ? क्या उससे भी ऐडज होने की सम्भावना रहती है और यदि हां, तो क्या इस बारे में उन्होंने कोई स्टैप्स लिए हैं ताकि इस बीमारी को फैलने से रोका जा सके।

डा० एम०एल० रंगा : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्या को यह बताना चाहता हूं कि शूगर टैस्ट करने के लिए जो नीडल यूज़ की जाती है वह नीडल चेंज करके यूज करते हैं और यह सत्य है कि अगर नीडल चेंज न करें तो उससे ऐडज के फैलने का खतरा होता है। ऐडज केवल सैक्स से ही नहीं फैलता है बल्कि मरीज को खून देने से, ऐडज पोजीटिव गर्भवती महिला के गर्भ में बच्चे को और नीडल के बार-बार इस्तेमाल आदि से ऐडज के फैलने का खतरा हो सकता है। जहां तक शूगर टैस्ट करने के लिए नीडल चेंज करने का सम्बन्ध है, वैसे तो नीडल हर बार चेंज करते ही हैं फिर भी हम हिदायतें जारी कर देंगे कि शूगर चैक करते समय वे हर बार नीडल चेंज अवश्य करें।

Providing of Seeds on Subsidized Rates

***1875. Sh. Sher Singh :** Will the Minister for Agriculture be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to provide superior seeds of wheat, gram and cotton at subsidized rates to the small farmers in the state ?

कृषि मंत्री (सरदार जसविन्द्र सिंह सन्धू) : श्री मान् जी, इन फसलों के प्रमाणित बीजों पर राज्य के किसानों को पहले ही अनुदान दिया जा रहा है।

आई०जी० (रिटायर्ड) श्री शेर सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से कृषि मन्त्री महोदय के नोटिस में यह लाना चाहता हूं कि सरसों के बीज पर किसानों को सबसिडी दी जाती

है। किसानों को जो बीज दिया जाता है वह पूरी क्वांटिटी में नहीं मिल रहा है। मैं माननीय कृषि मन्त्री जी से यह जानना चाहता हूं कि डिस्ट्रिक्ट वाईज तथा ब्लॉकवाईज़ कितना बीज किसानों को दिया गया है ?

सरदार जसविन्द्र सिंह सन्धू : अध्यक्ष महोदय, सरसों के बीज के बारे में आज तक किसी किसान से या किसी गांव से कोई शिकायत हमारे पास नहीं आई है और न ही माननीय साथी ने कभी इस बारे में मुझ से कोई बात की है या कभी टेलीफोन पर इस बारे में मुझे बताया है कि फलां जगह पर या फलां ब्लॉक में किसी जगह पर कोई प्रॉब्लम है। अगर कहीं पर कोई ऐसी समस्या है तो ये मुझे बताएं हम इस बारे में देख लेंगे और यदि आवश्यक हुआ तो इस बारे में कार्यवाही करेंगे।

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से कृषि मन्त्री महोदय से यह जानना चाहूंगा कि यह जो सरसों के बीज पर सबसिडी दी जाती है क्या वह किसानों को उपलब्ध करवा रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, इसके साथ ही मैं एक और बात जानना चाहता हूं कि फसल चक्र बदलाव के बारे में सरकार बहुत जोर देती है और इस फसल चक्र बदलाव की जरूरत भी है। फसल चक्र बदलाव के लिए कम से कम किसानों को बीज तो मिलना चाहिए। क्या हरियाणा के किसानों को नई किस्म के बीज उपलब्ध हो रहे हैं। गेहूं और धान दोनों फसलों को छोड़ कर और नई तरह की फसलों के बीज किसानों को उपलब्ध करवाने के बारे में क्या सरकार ने कोई विचार किया है ?

मुख्यमन्त्री (श्री ओम प्रकाश चौटाला) : अध्यक्ष महोदय, मौजूदा सरकार की एक सोच रही है कि इस कृषि प्रधान प्रदेश के कृषक के खेत में उपज बढ़ाने के लिए प्रर्याप्त मात्रा में बिजली और पानी, अच्छे बीज, अच्छी खाद मिले। मुझे इस बात को कहने की आवश्यकता नहीं है रिकार्ड इस बारे को साबित करता है कि मौजूदा सरकार के कार्यकाल में कृषि की उपज बढ़ी है। अतीत की सरकार के कृषि मन्त्री थे जो सरकार की तरफ से दी जाने वाली जैविक खाद को बेच कर खा गए थे। आज भी उनके खिलाफ अदालत में मुकद्दमा दर्ज है इसलिए शायद उन्हें इस बात की चिन्ता खाए जा रही है।

श्री अध्यक्ष : ऑनरेबल मैम्बर्ज, अब क्वैश्चन आवर समाप्त होता है।

हरियाणा मंत्रिमण्डल के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव की सूचना

Mr. Speaker : Hon'ble Members, I have received a notice of No-confidence motion from Capt. Ajay Singh Yadav and 24 other M.L.As against the Council of Ministers of Haryana, which reads as under :—

> "We move a motion expressing want of Confidence in the Haryana Ministry headed by Shri Om Parkash Chautala, Chief Minister."

I hold the notice of motion of no-confidence in order. Now, I request those members who are in favour of leave being granted, rise on their seats.

(इस समय 18 सदस्यों से अधिक सदस्य अपने-अपने स्थानों पर खड़े हो गए।)

[Mr. Speaker]

ठीक है, बैठ जाइए। 18 से अधिक सदस्य खड़े हुए हैं इसलिए अविश्वास प्रस्ताव चर्चा करने की अनुमति दी जाती है। अत : आज के आर्डर पेपर पर निश्चित कार्य के खत्म होने उपरान्त अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा की जाएगी और मैं इसके लिए 2 घण्टे का समय अलाट करता हूं।

वित्त मंत्री (प्रो० सम्पत सिंह) : अध्यक्ष महोदय, जिनकी राईट आफ वोट नहीं है क्या वे खड़े हो सकते हैं। I want your ruling about this. आप यह बताएं कि क्या वे वोट के पक्ष में खड़े हो सकते हैं या नहीं। (शोर एवं व्यवधान)

Mr. Speaker : I agree with you. कर्ण सिंह जी, आप बैठ जाएं आपको वोट का अधिकार नहीं है। जगजीत सिंह सांगवान आप भी बैठ जाएं आपको भी वोट का अधिकार नहीं है। Karan Singh, please sit down. You have no right to give the vote. ऑनरेबल मैम्बर्ज, नो कान्फिडैंस मोशन पर बहस के लिए 2 घंटे का समय निर्धारित कर दिया गया है। जिन मैम्बर्ज के नाम मेरे पास आए हैं उसके हिसाब से दो घंटे के समय को बांटा जाएगा। मेरे पास कांग्रेस पार्टी के सात नाम आए हैं। (शोर एवं व्यवधान) नामों की सूची के हिसाब से हर मैम्बर को दो मिनट का समय बोलने के लिए दिया जाएगा। कांग्रेस पार्टी के जो नाम आएं हैं उनमें चौधरी भजन लाल, कैप्टन अजय सिंह यादव, श्री बंसी लाल, श्री धर्मवीर, श्रीमति अनिता यादव, राव दान सिंह और राम किशन फौजी हैं। श्री कर्ण सिंह दलाल का नाम अलग है। (शोर एवं व्यवधान) जगजीत सिंह सांगवान जी आप बैठ जाएं। (शोर एवं व्यवधान)

चौधरी भजन लाल : स्पीकर सर, मैं आपसे यह कहना चाहता हूं कि यह जो आपने दो घंटे का समय निर्धारित किया है यह बहुत ही कम समय है।

श्री अध्यक्ष : चौधरी साहब, आप बैठ जाएं।

चौधरी भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, मैं यह कहना चाहता हूं कि दो घण्टे बहुत ही कम है। यह सरकार जाती हुई है। आप कृपया करके दो घण्टे की बजाए छः घण्टे का समय निर्धारित करें।

श्री अध्यक्ष : जाती है कि रहती है, इसका फैसला तो अभी हो जाएगा।

प्रो० सम्पत सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं चौधरी भजन लाल जी की बात से सहमत हूं कि आपको दो घण्टे का समय निर्धारित नहीं करना चाहिए क्योंकि इनकी बात तो आधे मिनट में ही खत्म हो जाएगी। मैं इनकी बात की ताईद करता हूं। (शोर एवं व्यवधान)

कैप्टन अजय सिंह यादव : स्पीकर सर, मैं आपसे कहना चाहता हूं कि आप इस समय को बढ़ाएं ताकि सभी मैम्बर्ज खुल कर अपनी बात कह सकें। इसके अलावा स्पीकर सर, मैं आपसे और ट्रेजरी बैंचिज से विनती करना चाहता हूं कि इस सरकार का यह आखिरी सैशन है और हमारे डा० रघुबीर सिंह कादियान ऑनरेबल मैम्बर हैं, ये उनको सदन में वापिस बुलाने का कष्ट करें। अगर आपके साथ-साथ रूलिंग पार्टी के हमारे साथी उनको हाउस में बुलवा लेंगे तो आपकी बड़ी मेहरबानी होगी। स्पीकर सर, यह आखिरी सैशन है इसलिए कृपा करके कादियान साहब को हाउस में बुलवा लें।

मुख्यमंत्री (श्री ओम प्रकाश चौटाला) : कैप्टन साहब, आपने यह कैसे कह दिया कि यह आखिरी सैशन है।

कैप्टन अजय सिंह यादव : मेरी तो यही समझ है कि यह आखिरी सैशन है।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : नहीं नहीं, सैशन तो फिर भी बुलाया जा सकता है इसलिए आप यह कैसे कह सकते हैं कि यह आखिरी सैशन है ?

कैप्टन अजय सिंह यादव : मेरी तो संभावना यही है कि यह आखिरी सैशन है।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : संभावनाओं को नकारा भी जा सकता है।

कैप्टन अजय सिंह यादव : स्पीकर सर, मेरी आपसे भी और रूलिंग पार्टी के साथियों से भी रिक्वैस्ट है कि कृपया आप कादियान साहब को हाउस में बुलवा लें क्योंकि आज सरकार के खिलाफ़ अविश्वास का प्रस्ताव आया हुआ है अगर आप उनको हाउस में बुलवा लेंगें तो वे भी इसके माध्यम से अपनी बात हाउस में कह लेंगे। (विघ्न)

प्रो० सम्पत सिंह : स्पीकर साहब, उन्होंने चेयर का अपमान किया है, अपमान स्पीकर का किया है, अपमान हाउस का किया है इसलिए उनको दोबारा हाउस में बुलवाना या बुलवाना स्पीकर साहब के ऊपर है। इस बारे में स्पीकर साहब को ही फैसला करना है।

कैप्टन अजय सिंह यादव : ठीक है। अध्यक्ष महोदय, मेरा आपसे यह भी कहना है कि अविश्वास प्रस्ताव पर डिसकशन के लिए जो आपने दो घंटे का समय निश्चित किया है वह बहुत कम है क्योंकि दो घंटे में पूरी बात नहीं हो पाएगी। आप इसको कम से कम चार घंटे करिए।

श्री अध्यक्ष : कैप्टन साहब, आप अपनी लेखनी को देखो उसमें क्या लिखा है इसमें लिखा है कि --

> "We the following members of Haryana Vidhan Sabha express lack of confidence against the Council of Ministers led by Shri Om Parkash Chautala."

इसमें तो आपने disapproving the policy के बारे में कुछ भी नहीं लिखा है।

कैप्टन अजय सिंह यादव : स्पीकर साहब, इसमें कभी भी स्पष्ट तरीके से एलीगेशन नहीं लगाए जाते । इसमें सिर्फ चार लाइनें ही लिखी जाती हैं।

श्री अध्यक्ष : कैप्टन साहब, आप हरियाणा विधान सभा की रूल्ज ऑफ प्रोसिजर एंड कंडक्ट ऑफ बिजनैस की किताब का रूल 65-1 पढ़कर देखें। आप ऐसे ही लिख देते हैं और मेरे लिए भी परेशानी खड़ी कर देते हैं।

कैप्टन अजय सिंह यादव : स्पीकर साहब,कभी भी ऐसा नहीं हुआ है। केवल चार लाईनें ही लिखी जाती हैं।

श्री अध्यक्ष : लेकिन चार लाइनों में भी तो कुछ लिखा जाता है कि you are disapproving the policy of the present Government.

Capt. Ajay Singh Yadav : Yes, we are disapproving the policy of the Government इसलिए इसने यह नो कांफीडैन्स मोशन दिया है। सर, चार घंटे हमें इसके लिए दीजिए।

श्री अध्यक्ष : मैंने आपकी बुद्धिमत्ता को देखकर ही दो घंटे दिए हैं। आपकी बुद्धिमत्ता के लिए इतना समय काफी है । समय का तो इसमें सवाल ही नहीं है लेकिन मैंने फिर भी दो घंटे दे दिए हैं। हालांकि मुझे पता है कि आप दो घंटे भी नहीं रहेंगे क्योंकि आपने भागना ही भागना है।

चौधरी भजन लाल : स्पीकर साहब, दो घंटे का समय तो अपोजीशन को ही चाहिए।

कैप्टन अजय सिंह यादव : स्पीकर साहब, रूल्ज ऑफ प्रोसिजर एंड कंडक्ट ऑफ बिजनैस इन हरियाणा लैजिसलेटिव असैम्बली की बुक में कहां लिखा हुआ है कि disapproving the policy of the Government होना चाहिए।

श्री अध्यक्ष : कैप्टन साहब, आप इस बुक का रूल 65-1 पढ़ लें।

आई०जी० महाविद्यालय टोहाना (फतेहाबाद) के विद्यार्थियों का अभिनन्दन

मुख्यमंत्री (श्री ओम प्रकाश चौटाला) : अध्यक्ष महोदय, मैं सदन को एक सूचना देना चाहता हूं। दर्शक दीर्घा में इंदिरा गांधी राजकीय कालेज, टोहाना के छात्र आये हुए हैं। मैं उनका हाउस की कार्यवाही देखने आने के लिए अभिनन्दन करता हूं। नयी पीढ़ी देश का उज्जवल भविष्य होती है और नयी पीढ़ी के बच्चों ने आपके किरदार से प्रेरणा लेनी है। आप सभी देश के प्रेरणास्त्रोत हैं इसलिए आप कानून कायदे को ध्यान में रखकर ही यहां पर चर्चा करें ताकि ये बच्चे आपके प्रति कोई गलत निर्णय लेकर न चले जाएं।

चौधरी भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, सबसे बड़ा गलत निर्णय अगर लेते हैं तो ये लेते हैं। मेरा आपसे कहना है कि आप अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा के लिए चार घंटे का समय निश्चित कर दीजिए।

नियम 121 के अधीन प्रस्ताव

Mr. Speaker : Hon'ble Members, now the Parliamentary Affairs Minister will move the motion under Rule 121 for suspension of Rule 30.

Finance Minister (Prof. Sampat Singh) : Sir, I beg to move—

> That Rule 30 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly be suspended in its application to the motion regarding transaction of Government Business on Thursday the 2nd December, 2004.

Sir, I also beg to move—

> That Rule 30 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly be suspended and Government Business be transacted on Thursday, the 2nd December, 2004.

Mr. Speaker : Motion moved—

> That Rule 30 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly be suspended in its application to the motion regarding transaction of Government Business on Thursday the 2nd December, 2004.

And

That Rule 30 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly be suspended and Government Business be transacted on Thursday, the 2nd December, 2004.

Mr. Speaker : Question is—

That Rule 30 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly be suspended in its application to the motion regarding transaction of Government Business on Thursday the 2nd December, 2004.

And

That Rule 30 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly be suspended and Government Business be transacted on Thursday, the 2nd December, 2004.

The motion was carried.

नियम 15 के अधीन प्रस्ताव

Mr. Speaker : Now, the Parliamentary Affairs Minister will move the motion under Rule 15. (शोर एवम् व्यवधान) नो कांफीडैंस मोशन आ जाने के बाद कालिंग अटैंशन मोशन का कोई महत्व नहीं रहता। कर्ण सिंह दलाल को भी 2 मिनट का समय मिलेगा। आप सभी को बोलने का मौका मिलेगा।

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, मुझे अपनी बात कहनी है। * * * * * *

श्री अध्यक्ष : कर्ण सिंह दलाल की कोई बात रिकार्ड न की जाए।

Finance Minister (Prof. Sampat Singh) : Sir, I beg to move—

That the proceedings on the items of business fixed for today be exempted at this day's sitting from the provisions of the Rule 'Sittings of the Assembly', indefinitely.

Mr. Speaker : Motion moved—

That the proceedings on the items of business fixed for today be exempted at this day's sitting from the provisions of the Rule 'Sittings of the Assembly', indefinitely.

कैप्टन अजय सिंह यादव : स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। यह कोई अच्छी बात नहीं है। ऐसा पहले कभी नहीं हुआ कि नो कांफीडैंस मोशन आ जाने के बाद कोई और बिजनेस टेकअप किया गया हो। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : आप सबको बोलने का मौका दिया जाएगा।

Mr. Speaker : Question is—

That the proceedings on the items of business fixed for today be exempted at this day's sitting from the provisions of the Rule 'Sittings of the Assembly', indefinitely.

The motion was carried.

* Not recorded as ordered by the Chair.

नियम 16 के अधीन प्रस्ताव

Mr. Speaker : Now, the Parliamentary Affairs Minister will move the motion under Rule 16.

Finance Minister (Prof. Sampat Singh) : Sir, I beg to move—

That the Assembly at its rising this day shall stand adjourned *sine die.*

Mr. Speaker : Motion moved—

That the Assembly at its rising this day shall stand adjourned *sine die.*

Mr. Speaker : Question is—

That the Assembly at its rising this day shall stand adjourned *sine die.*

The motion was carried.

विधान कार्य

दि हरियाणा एप्रोप्रिएशन (नं० 4) बिल, 2004

Mr. Speaker : Now, the Finance Minister will introduce the Haryana Appropriation (No. 4) Bill, 2004 and will also move the motion for its consideration.

Finance Minister (Prof. Sampat Singh) : Sir, I beg to introduce the Haryana Appropriation (No.4) Bill, 2004.

Sir, I also beg to move—

That the Haryana Appropriation (No.4) Bill be taken into consideration at once.

Mr. Speaker : Motion moved—

That the Haryana Appropriation (No.4) Bill be taken into consideration at once.

Mr. Speaker : Question is—

That the Haryana Appropriation (No.4) Bill be taken into consideration at once.

The motion was carried.

Mr. Speaker : Now, the House will consider the Bill clause by clause.

Clause-2

Mr. Speaker : Question is—

That Clause 2 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause-3

Mr. Speaker : Question is—

That Clause 3 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Schedule

Mr. Speaker : Question is—

That Schedule be the Schedule of the Bill.

The motion was carried.

Clause-1

Mr. Speaker : Question is—

That Clause 1 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Enacting Formula

Mr. Speaker : Question is—

That Enacting Formula be the Enacting formula of the Bill.

The motion was carried.

Title

Mr. Speaker : Question is—

That Title be the Title of the Bill.

The motion was carried.

Mr. Speaker : Now, a Minister will move that the Bill be passed.

Finance Minister (Prof. Sampat Singh) : Sir, I beg to move—

That the Bill be passed.

Mr. Speaker : Motion moved—

That the Bill be passed.

Mr. Speaker : Question is—

That the Bill be passed.

The motion was carried.

हरियाणा मंत्रिमण्डल के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा

Mr. Speaker : Now, Capt. Ajay Singh Yadav will move the motion of No-confidence.

Capt. Ajay Singh Yadav: Speaker Sir, I beg to move—

> "That this House expresses its want of Confidence in the Haryana Ministry headed by Shri Om Parkash Chautala, Chief Minister."

Mr. Speaker : Motion moved—

> "That this House expresses its want of Confidence in the Haryana Ministry headed by Shri Om Parkash Chautala, Chief Minister."

कैप्टन अजय सिंह यादव : स्पीकर सर, हमने एक काल अटैंशन मोशन फंग्ज के बारे में दिया था। यह इतना बड़ा बर्निंग इश्यू है लेकिन उसके बारे में हमें अभी तक कोई जवाब नहीं मिला है।

श्री अध्यक्ष : जब आपने नो कान्फिडैंस मोशन ला दिया तो उस पर आप बोल लेना नो कान्फिडैंस मोशन आने के बाद छोटे मोटे मोशन को लाने की क्या आवश्यकता है।

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, * * * * * *

श्री अध्यक्ष : जो कर्ण सिंह दलाल बोल रहे हैं वह रिकार्ड नहीं किया जाये।

Capt Ajay Singh Yadav : Speaker Sir, we had given a calling attention motion regarding fungus infected food. (Interruptions).

श्री अध्यक्ष : अब नो कान्फिडैंश मोशन पर चौधरी भजन लाल जी बोलेंगे आपकी पार्टी को 35 मिन्ट का समय दिया जाता है।

चौधरी भजन लाल (आदमपुर) : अध्यक्ष महोदय, इस सरकार के खिलाफ अविश्वास का प्रस्ताव हम लाये हैं। इस सरकार को बने हुए पौने पांच साल हो गये हैं और दो-अढाई महीने का समय और बाकी है और दो महीने के बाद यह सरकार जाने वाली है। जब यह सरकार जाने वाली है तो इसको दिक्कत क्या है। क्यों लाना पड़ा हमें अविश्वास प्रस्ताव। अविश्वास प्रस्ताव हमें इसलिए लाना पड़ा जैसे फौजें लड़ती हैं तो जो फौज हार जाती है वह पीछे को भागती है और पीछे को भागती हुई वह सब कुछ खत्म (* * * * *) करती हुई भागती है। यह सरकार हारी हुई है इनको पता है कि ये दोबारा आने वाले नहीं हैं इसलिए जाते जाते सब कुछ * * * * * * करने में लगे हुये हैं। जब मर्जी आये अनाउंसमैंट करते हैं इनको यह अन्दाजा नहीं होता कि क्या कहते हैं अनाउंसमैंट तो करते हैं कि आनेवाली सरकार को ज्यादा मुश्किल होगी क्या करें इनके द्वारा सब कुछ * * * करने से इससे ज्यादा गैर जिम्मेदारी की बात और क्या होगी।

---

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

श्री अध्यक्ष : ये अपशब्द कार्यवाही से निकाल दिये जाये।

चौधरी भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, एक सीट भी नहीं आ पायेगी इस सरकार की ।

श्री अध्यक्ष : आपकी भी 1987 में एक भी सीट नहीं आई थी। यह सब तो जनता के हाथ में है आप ऐसे कैसे कह सकते हैं।

चौधरी भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, जैसे हमारी नहीं आई थी इस सरकार की भी एक सीट नहीं आ पायेगी।

श्री अध्यक्ष : यह सब तो जनता के हाथ में है, इलैक्शन आ रहा है सब पता चल जायेगा।

चौधरी भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, आप इनकी वकालत न करें।

श्री अध्यक्ष : आप ऐसे शब्द मत बोलें।

चौधरी भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, इनकी वकालत करने वाले को गांव में कोई घुसने नहीं देगा। यह प्रजातंत्र है, प्रजातंत्र में जनता के हिसाब से काम करना पड़ता है, जनता के हिसाब से काम न किया जाए तो जनता उसको माफ नहीं करती । चाहे कोई भी हो जनता माफ नहीं करती, हमें भी नहीं किया और आपको भी नहीं करने वाली। मैं अखबार में पढ़ रहा था कि एच०पी०एस०सी० के इतने मैम्बरों के इस्तीफे। क्योंकि इनको पता है कि दोबारा तो ये आएंगें नहीं इसलिए ये एच०पी०एस०सी० के नए मैम्बर बना रहे हैं, नया चेयरमैन बना रहे हैं ताकि एच०पी०एस०सी० के चेयरमैन और मैम्बर इनके हाथों में रहें और ये लोगों से पैसा लेकर सिलैक्शन करवा सकें। यह बात मैं नहीं बल्कि आम जनता कहती है। इससे बुरी बात और क्या होगी। जिनका टाइम पूरा नहीं हुआ उनके इस्तीफे ले लेना और फिर नए मैम्बर बना देना इससे घिनौनी बात और क्या होगी। इससे ज्यादा जनता के साथ धोखा और क्या हो सकता है। थोड़ा सा जमीर तो रखें। लोगों के सामने क्या बोलोगे। आप जनता से डरें नहीं । जनता तो भगवान का रूप है और जो भगवान से डरता नहीं उस आदमी का आने वाले समय में हश्र बुरा होता है। चौटाला साहब, कृपा करके इन्सान बनो और आप में थोड़ी इन्सानियत आनी चाहिए। जिस तरह से आप अनाउंसमैंट करने में लगे हुए हैं जो मर्जी आई उसकी अनाउंसमैंट कर दी। आपने सैंकड़ों अनाउंसमैंट कर दीं। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, अनाउसमैंट तो होनी चाहिए जो इन्सान पूरी कर सके। कांग्रेस कभी गलत अनाउंसमैंट नहीं करती। लोगों के साथ आपने धोखा किया कि कर्ज माफ कर देंगें, लोगों ने बिना जरूरत के लोन ले लिए, माफ होने का तो सवाल ही नहीं है और न इन्होंने माफ किए। इन्होंने कहा कि पानी और बिजली फ्री देंगे और बेरोजगार युवकों को लगा देंगे। बेरोजगारी भत्ता अब दिया जबकि इनको बने हुए साढ़े चार साल हो गए हैं और बेरोजगारी भत्ता की अनाउंसमैंट अब कर रहे हैं ताकि इनको वोट मिल जाएं। अगर ये लोगों से कह दें कि मैं आपको सोने का बना दूंगा तब भी लोग अब ओम प्रकाश चौटाला को वोट देने वाले नहीं हैं। आपके कोई मैम्बर बन कर आ जाएं तो हमें बता देना कि हमारे इतने मैम्बर बन गए। ये * * * * * * के सहारे काम करने वाले हैं और लोगों के साथ धोखा करने वाले हैं। इसका हिसाब किताब तो आने वाले समय में जनता लेगी। इस तरह से इन्होंने जितने भी वायदे किए हैं उनमें से कोई वायदा इन्होंने पूरा नहीं किया। इन्होंने लोगों के साथ धोखा करने का

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

[चौधरी भजन लाल]

काम किया। ये कहते हैं कि घासीराम नैन पर देशद्रोह का मुकदमा होना चाहिए। ये लोगों को बहका रहे हैं। इस सरकार ने लोगों के साथ विश्वासघात करने का काम किया। ये * * * * बोलकर वोट लेने का काम करते हैं और इसका नतीजा इनको इलैक्शन के समय मिलता है सब लोग हिसाब किताब करते हैं और जनता ने लोकसभा चुनावों में करके भी दिखाया है।

श्री अध्यक्ष : इन्होंने एक-दो अनपार्लियामैंटरी शब्द बोले हैं वे शब्द कार्यवाही से निकाल दिये जाएं।

चौधरी भजन लाल : दोनों राजकुमारों की जमानत बड़ी मुश्किल से बची है। आप अंदाजा लगा सकते हैं इससे बुरी बात और क्या हो सकती है। इससे इनको शिक्षा लेनी चाहिए और ठीक तरह से काम करने चाहिएं। अध्यक्ष महोदय, कांग्रेस की सरकार जनता से जो वायदे करती है उनको वह पूरा करती है। कांग्रेस कभी झूठ नहीं बोलती । कांग्रेसी जो बात कह जाते हैं उसमें जरा भी गड़बड़ी की बात नहीं हो सकती यानि हम जो कहते हैं वह करते हैं।

श्री अध्यक्ष : चौधरी साहब, आप वाईंड अप करें।

चौधरी भजन लाल: अध्यक्ष महोदय, अभी तो शुरू ही नहीं किया और आप कह रहे हैं कि वाईंड अप करें।

श्री अध्यक्ष : आपकी पार्टी को बोलने के लिए 35 मिनट का समय दिया गया है। इन 35 मिनट में चाहे आप सारा बोलें या कैप्टन साहब बोलें या पार्टी का कोई दूसरा सदस्य बोले। इस बात का आप ध्यान रखें।

चौधरी भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, अभी तो मेरा गला भी गर्म नहीं हुआ है और आप कहते हैं वाईंड अप करो। आपको पता है इन लोगों के खिलाफ कितना बड़ा चिट्ठा मेरे पास है। अध्यक्ष महोदय, हम विधान सभा में आपसे थोड़ा डरकर बोलते हैं क्योंकि हम कुछ कह देंगे तो आप नेम कर देंगे। कल हमारे माननीय सदस्य डा० रघुबीर सिंह कादियान ने किसी को गाली नहीं दी थी लेकिन उसको नेम कर दिया और हाउस से निकाल दिया।

श्री अध्यक्ष : चौधरी साहब, उसको मैंने नहीं निकाला ।

चौधरी भजन लाल : उस समय चेयर ने निकाला था।

श्री अध्यक्ष : उस समय डिप्टी स्पीकर साहब, चेयर पर थे उन्होंने निकाला है। डाक्टर साहब, जिस तरह का व्यवहार करते हैं उस बारे में सबको जानकारी है। हमने उनके साथ बहुत निभाई है। (शोर एवं व्यवधान) चौधरी साहब, आप नो कांफिडैंस मोशन पर बोलें।

चौधरी भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, यह हाउस है और हाउस में हर मैंबर को अपनी बात कहने का हक है। चाहे सरकार की खिंचाई की बात हो, मैंबर की अपने इलाके और जिले की बात हो, चाहे विकास की बात हो, हर तरह की बात मैंबर सदन में कह सकता है। अध्यक्ष महोदय, 123 पेज की चार्जशीट सरकार के खिलाफ हमारे पास है।

---

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

वित्त मंत्री (प्रो० सम्पत सिंह) : इस चार्जशीट में क्या है ? (शोर एवं व्यवधान)

चौधरी भजन लाल : क्या आपने पढ़ा नहीं इसमें क्या है ?

प्रो० सम्पत सिंह : क्या आपके इस पर दस्तखत हैं ? (शोर एवं व्यवधान)

चौधरी भजन लाल : इस पर मेरे दस्तखत हैं। (शोर एवं व्यवधान)

प्रो० सम्पत सिंह : स्पीकर सर, इस पर इनके दस्तखत नहीं हैं और ये कह रहे हैं कि हैं। (शोर एवं व्यवधान) सदन में इसको वैरीफाई कर लिया जाये।

श्री अध्यक्ष : चौधरी भजन लाल जी, यह डाक्यूमैंट आप मेरे पास भिजवा दें। मैं देख लेता हूं कि इस पर आपके हस्ताक्षर हैं या नहीं हैं। (शोर एवं व्यवधान)

प्रो० सम्पत सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैंने एक बात पूछी। चौधरी भजन लाल जी बहुत सीनियर लीडर हैं। मैंने इनको कहा कि चार्जशीट पर इनके दस्तखत हैं, इन्होंने कहा है। कैप्टन साहब, डिप्टी लीडर हैं, ये ही बता देंगे कि चार्जशीट पर चौधरी भजन लाल जी के साईन हैं या नहीं हैं।

श्री अध्यक्ष : प्रोफैसर साहब, भजन लाल जी बड़े तेज हैं, ये यहीं पर बैठे-बैठे साईन कर देंगे।

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, यह हमारे अंदर का मामला है इस बारे में इनको क्या लेना है। (शोर एवं व्यवधान)

नगर विकास राज्य मंत्री (श्री सुभाष गोयल) : अध्यक्ष महोदय, चौधरी भजन लाल जी हाउस में गलत बोल रहे हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : चौधरी भजन लाल जी, यह डाक्यूमैंट आप मेरे पास भिजवा दें। मैं देख लेता हूं कि इस पर आपके हस्ताक्षर हैं या नहीं है। (शोर एवं व्यवधान)

चौधरी भजन लाल : स्पीकर साहब, मेरे पास कागज है। मैं हाउस में दिखाउंगा। (शोर एवं व्यवधान)

प्रो० सम्पत सिंह : स्पीकर सर, इस बारे में हम आपकी रूलिंग चाहते हैं। आप यह क्लियर करें। (शोर एवं व्यवधान)

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, इसमें इनका नाम है। (शोर एवं व्यवधान) He is not lying.

Prof. Sampat Singh : Whether he has signed in the memorandum ?

चौधरी भजन लाल : प्रोफैसर साहब, आप मेरी बात सुनने की कोशिश करें। (शोर एवं व्यवधान) यह रिकार्ड की बात है।

श्री अध्यक्ष : चौधरी साहब, यहां भी रिकार्ड की ही बात चल रही है। (शोर एवं व्यवधान)

प्रो० सम्पत सिंह : अध्यक्ष महोदय, यह हर मैंबर का अधिकार है कि वह आपके मार्फत जानकारी हासिल कर सके। हम चाहते हैं कि यह डाक्यूमैंट आप चौधरी साहब से लें और हाउस को जानकारी दें कि इस पर इनके हस्ताक्षर हैं या नहीं हैं। (शोर एवं व्यवधान)

चौधरी भजन लाल : स्पीकर साहब, मेरी बात तो सुनें। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : कैप्टन साहब, आप रिकार्ड मेरे पास भिजवाओ। (शोर एवं व्यवधान) मैं देख लेता हूं कि इस पर चौधरी भजन लाल जी के साईन हैं या नहीं हैं। (शोर एवं व्यवधान)

चौधरी भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, हमने गवर्नर साहब को जो ज्ञापन दिया उसकी कापी पर बाकायदा मेरे साईन हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, * * *

श्री अध्यक्ष : दलाल साहब, मेरी इजाजत बगैर बोल रहे हैं इसलिए इनकी कोई बात रिकार्ड न की जाये। दलाल साहब, प्लीज आप बैठें। (शोर एवं व्यवधान)

चौधरी भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, गवर्नर साहब को जो कागज दिया उस पर मेरे साईन हैं। (शोर एवं व्यवधान)

मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रकाश चौटाला) : स्पीकर साहब, यह कोई ऐसा लम्बा चौड़ा इशू नहीं है जिस पर बिना वजह सदन का समय खराब किया जाये। मैं चौधरी भजन लाल जी को गलत नहीं मानता । इनको इसलिए ज्ञान नहीं कि यह जो मैमोरेण्डम था वह अंग्रेजी में लिखा हुआ था इसलिए इनको ठीक ज्ञान नहीं है इसलिए इनके कोई दस्तखत नहीं हैं इसलिए इसमें कोई खास बात नहीं हैं।

चौधरी भजन लाल : जहां ये कहते हैं कि मैं अंग्रेजी पढ़ा हुआ नहीं हूं -----

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, नो कांफीडेंश मोशन पर बोलने के लिए आपकी पार्टी को 35 मिनट का समय दिया गया है। इन 35 मिनट में चाहे चौधरी भजन लाल जी बोल लें या चाहें तो दूसरे सदस्य समय ले लें। आप घड़ी माप लें। जो टाईम दिया गया है उसी के अन्दर ये अपनी बात कहें। यह स्पीकर साहब का फैसला है इसलिए स्पीकर साहब अपना फैसला इम्पलीमैंट करेंगे।

श्री अध्यक्ष : नो कांफीडेंस मोशन के लिए 2 घण्टे का समय फिक्स किया गया है। इस तरह प्रति मैम्बर पौने दो मिनट आते हैं। आपकी पार्टी केवल 35 मिनट बोल सकती है। (शोर एवं विघ्न)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : मैं इस बारे में स्पीकर साहब को भी आगाह कर सकता हूं और आपको भी आगाह कर सकता हूं। हम 35 मिनट से एक सैकेण्ड भी ज्यादा नहीं देंगे। (शोर एवं विघ्न) यह कोई तमाशा है कि आप ज्यादा समय लेंगे। आप लोगों को लोग जूते मारेंगे और आप यहां से वाक आऊट करेंगे।

चौधरी भजन लाल : क्या हमने जूते नहीं देख रखे। आपको ऐसा कहना शोभा नहीं देता। आप मर्यादा में रहकर अपनी बात करें।

श्री अध्यक्ष : भजन लाल जी, आप बैठें, आपका समय समाप्त हो गया है।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : स्पीकर साहब मैं आपको फिर अनुरोध करना चाहूंगा कि आपके दिए हुए फैसले के मुताबिक विपक्ष के पास केवल 35 मिनट का समय है। हम एक सैकेण्ड भी फालतू आज इनको नहीं बोलने देंगे।

---

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

श्री अध्यक्ष : आप का समय 35 मिनट ही है। प्रत्येक मैम्बर के हिस्से पौने दो मिनट का समय आता है। आपकी पार्टी की तरफ से बोलने के लिए 7 मैम्बरों के नाम दिए हैं और इन 7 मैम्बरों को 35 मिनट में ही बोलना है। चाहे सातों मैम्बरों की जगह आप बोल लें, चाहे कैप्टन साहब बोल लें और चाहें बंसी लाल जी बोल लें। आप लोगों ने इस मोशन पर बोलने के लिए मुझे 7 मैम्बरों के नाम दिए हैं।

चौधरी भजन लाल : स्पीकर साहब, अगर ऐसे ही करना है तो फिर हम नहीं बोलते। क्या यह कोई ऐसे बुलवाने का तरीका है। स्पीकर साहब, हम आपसे यह कहना चाहते हैं कि 123 पेज का जो यह मैमोरेंडम गवर्नर साहब को दिया है उस विषय में आप कहते हैं कि इसमें कुछ नहीं है। यदि कुछ नहीं है तो आप कोई कमिशन बैठाएं। इस मैमोरेण्डम पर किसी कमीशन से जांच करवा लें। (विघ्न) आपको आने वाला समय माफ करने वाला नहीं है। आपको इस हालत में जेल में जाना पड़ेगा और फिर आपको कोई बचा नहीं सकता क्योंकि आपने इतने गलत कारनामे कर रखे हैं। अभी यह मैमोरेण्डम आधा बना है और अभी इतना और बनना है। अभी तो यह मैमोरेण्डम राष्ट्रपति जी को जाएगा, प्रधानमंत्री जी को जाएगा। बाद में हम आपको बताएंगे कि आपका हश्र क्या होता है। अध्यक्ष महोदय, स्टेट में एक भी विकास का काम नहीं हुआ है और न ही कोई नया प्रोजैक्ट आया है। यदि कोई नया प्रोजैक्ट आया हो तो ये भाई बता दें। ये विदेश जाते हैं और कहते हैं कि हम वहां से उद्योग लाएंगे। एक भी उद्योग बहार से आया हो तो कोई भी भाई खड़ा हो करके बता दे। ये किसानों के ठेकेदार बनते हैं। किसानों की जितनी बुरी हालत आज के दिन है वह आज तक कभी नहीं हुई। अध्यक्ष महोदय, ये लोगों की जमीन कौड़ियों के भाव पर ऐक्वायर करते हैं और * * * । (विघ्न) किसान की जमीन मार्कीट रेट पर ऐक्वायर करने का फैसला हमने किया था और यह कहा था कि बाजार भाव पर लोगों की जमीन सरकार ऐक्वायर करेगी लेकिन आज सस्ते भाव पर जमीन ऐक्वायर करते हैं और लोगों की जमीन कौड़ियों के भाव लेते हैं और * * * * स्टेट के अन्दर इतना गदर मचा हुआ है जिसका कोई अन्त नहीं है (विघ्न)।

श्री अध्यक्ष : पैसा खाते हैं, ये शब्द कार्यवाही से निकाल दें। भजन लाल जी, don't repeat. आप एक-एक शब्द को तीन-तीन बार कहते हैं और फिर कहते हैं कि समय कम मिला। (विघ्न)

चौधरी भजन लाल : स्पीकर साहब, मैं और क्या कहूं। ये क्या बोलेंगे। कृपा करके आप इनसे कहें कि ये संयम से काम करें। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : भजन लाल जी, संयम का तो आपको बेरा ही है। (विघ्न)

चौ० भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, एस०वाई०एल० का मामला है। हमने पहले भी असैम्बली में कहा था कि नहर तब बनेगी जब आप इसको डेट बांउड करेंगे। समय बद्ध होने के बाद ही इस का काम शुरू होगा लेकिन तब तो सरदार प्रकाश सिंह बादल की दोस्ती में कुछ नहीं किया। एस०वाई०एल० के बारे में कहते हैं कि इसका काम हमनें किया, क्या इन्होंने कोई काम किया। इस नहर का जो कुछ काम किया वह कांग्रेस पार्टी की सरकार के समय में हुआ। 05% नहर का काम हमने किया और इन्होंने नहर का काम बन्द किया था जबकि 95% काम हम करवा कर गए थे।

---

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

प्रो० सम्पत सिंह : अध्यक्ष महोदय, इससे ज्यादा बढ़िया अवसर और कोई नहीं हो सकता है। चौधरी भजन लाल जी ने बार-बार हाउस में कहा है कि 95% काम मेरे टाईम में हुआ और बाहर स्टेजों पर चौधरी बंसी लाल जी भी कहते हैं कि 95% काम मेरे टाईम में हुआ है। अध्यक्ष महोदय, अब ये दोनों खुद ही बता दें कि 95 और 95 परसैंट मिला कर कुल 190 परसैंट हो जाता है। भजन लाल जी, अब आप स्वयं ही बता दें कि किसके वक्त में कितना काम हुआ है ?

चौधरी भजन लाल : मैंने कहा है कि कांग्रेस पार्टी की सरकार के टाईम में यह हुआ है। (विघ्न)

प्रो० सम्पत सिंह : अब कांग्रेस पार्टी को क्यों जोड़ते हो वरना तो आप कहते थे कि मेरे टाईम में हुआ है और चौधरी बंसी लाल जी कहते थे कि मेरे टाईम में हुआ है (विघ्न)।

चौधरी भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, एस०वाई०एल० का मामला बड़ा गम्भीर है। यह हरियाणा की जीवन रेखा का सवाल है और इस बारे में ये लोग बादल साहब और बादल साहब की दोस्ती की वजह से एक मिनट के लिए भी नहीं बोले थे। अध्यक्ष महोदय, इसी तरह से बिजली की बात है। बिजली की हालत प्रदेश में कितनी खराब है। हरियाणा के किसान के लिए पानी की हालत कितनी बुरी है। बिजली और पानी की हालत प्रदेश में बदतर है। अध्यक्ष महोदय, इसी तरह से कपास के भाव की बात आती है। इन्होंने कहा कि नर्मा कपास हम खरीदेंगे लेकिन प्रदेश में इसकी भी कितनी बुरी हालत है जिसके बारे में कुछ कहा नहीं जा सकता। अध्यक्ष महोदय, मैं आपसे यह कहना चाहूंगा कि मेरे और माननीय मैम्बर्ज ने भी बोलना है इसलिए मैं ज्यादा नहीं बोलूंगा लेकिन इतना जरूर कहना चाहूंगा कि यह सरकार बिल्कुल फेल हो गई है बिल्कुल नाकामयाब हो गई है इसलिए इस सरकार को चलता करना चाहिए वरना तो खैर नहीं है क्योंकि लोग गांवों में घुसने नहीं देंगे। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, मैं और ज्यादा नहीं बोलता क्योंकि गेरे और मैम्बर्ज ने भी बोलना है। (विघ्न) बोलने को तो हम बहुत कुछ बोल देंगे लेकिन अभी तो मुझे इतना ही कहना है कि इस सरकार को चलता करें और इलैक्शन आने ही वाले हैं, जनता इनको खुद ही चलता कर देगी। इस सरकार के खिलाफ अविश्वास का जो प्रस्ताव आया है वह पास होना चाहिए। इन शब्दों के साथ मैं अपनी बात समाप्त करते हुए अपना स्थान ग्रहण करता हूं।

कैप्टन अजय सिंह यादव: (रेवाड़ी) : अध्यक्ष महोदय, यह जो नो-कॉंफिडैंस मोशन हम लेकर आए हैं, हम यह मोशन लाना नहीं चाहते थे लेकिन ब्रूट मैजोरिटी का फायदा उठाते हुए पिछले 4 साल में तकरीबन 70 कालिंग अटैंशन मोशन्ज और ऐडजॉर्नमैंट मोशन्ज हम ले कर आए और वे सारे रिजैक्ट कर दिए गए। हमें यह मालूम है कि हमारा यह नो-कांफिडैंस मोशन गिरेगा क्योंकि सरकार की ब्रूट मैजोरिटी है लेकिन फिर भी मैं समझता हूं कि हमारे विचार सुन कर कुछ साथियों का मन बदल जाए तो यह प्रस्ताव पास हो सकता है। अध्यक्ष महोदय, मैं खासतौर से यह कहना चाहता हूं कि पिछली लोक सभा का चुनाव हुआ था और 10 की 10 सीटें सरकार की हार गई थी और एक तरीके से 80% सीटों पर हमारी पार्टी के उम्मीदवार जीते हैं। मौजूदा सरकार ने हमेशा लोगों की भावनाओं से खिलवाड़ किया है। आप जानते हैं कि एस०वाई०एल० का 95% काम हमारी सरकार ने करवाया और उसके बाद यह काम वहीं का वहीं पड़ा हुआ है। अध्यक्ष महोदय, 1987 में जब हमारी सरकार गई थी उस वक्त 95 प्रतिशत नहर बन चुकी थी। लेकिन आज वह काम वहीं का वहीं अधूरा पड़ा हुआ है। (विघ्न) स्पीकर सर, मुझे बड़ा अफसोस हुआ कि मुख्यमंत्री जी

पाकिस्तान गए और साथ में किसको ले गए, ये अपने साथ में सुखबीर सिंह बादल को ले गए। जिस व्यक्ति का पिता यह कहता हो कि मैं एक बूंद पानी भी हरियाणा के क्षेत्र में नहीं जाने दूंगा, उनके बेटे को ये साथ लेकर गए थे। अब ये कहते हैं कि ये हरियाणा में एस०वाई०एल० का निर्माण करेंगे तो मेरी समझ में नहीं आता है कि ये कैसे निर्माण करेंगे। अध्यक्ष महोदय, इसके साथ-साथ मैं यह भी कहना चाहता हूं कि कई वर्षों तक इन्होंने चौधरी देवी लाल जी के नाम से वोट बटोरे और कई वुत लगा दिए। अब जब उनका आकर्षण खत्म हो गया तो इनको सर छोटू राम जी याद आ गए और इन्होंने उनके नाम से पाकिस्तान जाने की बात करी। वहां से ये एक आध समान लाकर हरियाणा में संग्रहालय बनाने की बात करते हैं। इससे पहले तो इन्होंने कभी भी संग्रहालय बनाने की बात नहीं कही थी। अध्यक्ष महोदय, कानून व्यवस्था का क्या हाल है वह भी मैं सदन में बताना चाहूंगा। सर छोटूराम के क्षेत्र में इनकी सरकार के समय में लांपला में एक महिला से अभद्र व्यवहार हुआ, महिला के साथ बलात्कार हुआ तब तो कुछ याद नहीं आया लेकिन जब एस०पी० वहां से निकल रहा था और लोगों ने उनकी कार्यवाई पर पत्थराव किया, फिर वहां पर ऐक्शन लिया गया। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, जहां तक कानून व्यवस्था का इनके हल्के का सवाल है तो इस बारे में भी मैं बताना चाहूंगा कि मुख्यमंत्री जी के खुद के क्षेत्र में कैनाल से 50 बॉडीज मिली हैं। यह तो आज कानून व्यवस्था की हालत है। अध्यक्ष महोदय, झज्जर के अन्दर एक ग्रामीण छात्रा का अपहरण हुआ और जब कोई कार्यवाही नहीं हुई तो लोगों ने पुलिस पर पत्थराव किया। इसी प्रकार से मिस्टर कंवर पर कोर्ट में गोली चली। भिवानी के प्रैजेन्ट डी.सी. का मर्डर हुआ है। कहने का मकसद है कि आज इस प्रदेश के अन्दर कानून व्यवस्था नाम की कोई चीज नहीं है। बच्चों को फंगस इन्फैक्टिड फूड सर्व शिक्षा अभियान के तहत कैथल में दिया गया है, आप सोच सकते हैं कि उससे बच्चे बीमार नहीं होंगे तो और क्या होंगे। अध्यक्ष महोदय, बिजली पानी का वायदा करने वाली सरकार घासी राम के नाम से किस तरह से लोगों को गुमराह कर रही है। कंडेला में किसानों पर गोलियां चलाई, इस्लोला से हमारे बहुत से हरिजन भाईयों ने पलायन किया है। उसी प्रकार से दुलिना में भी हरिजनों के उपर अत्याचार हुआ है। अध्यक्ष महोदय, आज की सरकार द्वारा कोई भी वर्क नहीं किया जा रहा है चाहे वह छात्रों के लिए ही क्यों न हो। आप जानते हैं कि किस प्रकार से सरकारी तन्त्र का दुरुपयोग किया गया है। इन्होंने कैथल में रैली करी, रोहतक में रैली करी और फतेहाबाद में भी रैली करी। उन रैलियों में इन्होंने बहुत सी घोषणाएं की हैं। यह सरकार साढ़े चार साल तक तो 500 रुपए प्रति छात्र से फार्म भरने के लेते रहे। अध्यक्ष महोदय, 500-500 रुपए फार्मों के नाम पर फीस ली गई है। अब जब इलैक्शन आ गए हैं तो ये कहते हैं कि यह फार्मों की फीस भी माफ। इसके अलावा मैं बेरोजगारी भत्ते के बारे में भी कहना चाहता हूं। अध्यक्ष महोदय, बेरोजगारी भत्ते को लेने के लिए साढ़े 12 लाख नौजवान फार्म भरने के लिए तत्पर हैं। अभी कल ही इन्होंने कह दिया कि जो छात्र मैट्रिक में पढ़ रहे हैं उनको भत्ता नहीं देंगे। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार को कहना चाहता हूं कि उन बच्चों को तो यह भत्ता देना चाहिए ताकि उनको आगे पढ़ने के लिए प्रोत्साहन मिल सके, ताकि वे 11वीं और 12वीं में भी पढ़ें। यह कह कर मना कर देना कि जो पढ़ रहे हैं हम उनको यह भत्ता नहीं देंगे यह ठीक बात नहीं है।

श्री अध्यक्ष : कैप्टन साहब, पढ़ने वाले बच्चों को स्कालरशिप दिया जाता है।

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, इसी प्रकार से हवाई जहाज का भी दुरुपयोग किया जा रहा है। आज मुख्यमंत्री जी के बेटे सरकारी हवाई जहाज का इस्तेमाल करते हैं और

[कैप्टन अजय सिंह यादव]

हालात यह है कि 20-20 सिपाही इनके आगे पीछे चलते हैं। 4-4 और 6-6 गाड़ियां इनके आगे पीछे चलती हैं। अध्यक्ष महोदय, जिस प्रकार से सरकारी तन्त्र का दुरूपयोग किया गया है उसकी बात यहां पर कही नहीं जा सकती है। अध्यक्ष महोदय, आज कई ऐसे आफिसर्ज हैं जिनको प्रताड़ित किया गया है। जैसे संजीव कुमार, आई०ए०एस० आफिसर हैं।

श्री अध्यक्ष : आप नाम न लें।

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, बहुत से आफिसर्ज हैं जिनको परेशान किया गया है। एक आफिसर ऐसे हैं जिनको तीन बार ट्रांसफर किया गया है।

श्री अध्यक्ष : ट्रांसफर करने का अधिकार सरकार का है और यह सरकार की मर्जी है।

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, गवर्नर साहब को हमने एक चार्जशीट पेश करी है। उसके बारे में भी मैं सदन में कहना चाहूंगा । उस चार्जशीट में हमने लिखा है कि मुख्यमंत्री जी चीफ सैक्रेटरी की मौजूदगी में सोने की ईंट ले रहे हैं। उसी प्रकार से न जाने कितने ही हुडा के कायदे कानून की वायलेशन इनके द्वारा की गई है। उसका भी जिक्र हमने इस किताब, में किया है। स्पीकर सर, अगर आप चाहेंगे तो मैं इस किताब को एज ए रिकार्ड सदन के पटल पर रख दूंगा। इसमें आप देख सकते हैं कि किस प्रकार से वायलेशंज हुई हैं। किस प्रकार से चेंज आफ लैंड हुई है। किस प्रकार से पैसों का घपला हुआ है। जितने भी क्रिमिनल ऑफैंसिज़ हुए हैं, उनके बारे में भी इस किताब में है। इसमें इनकी अनेक बे-नामी सम्पत्तियों का भी जिक्र किया गया है।

श्री अध्यक्ष : इस बारे में बोलने का यह कोई प्लेटफार्म नहीं है। आप नो-कान्फिडैंस मोशन पर बोलें।

कैप्टन अजय सिंह यादव : सर, मैं उसी पर बोल रहा हूं।

श्री अध्यक्ष : आप किताब को रख दें। इसको आप अपने पास चौकस रखें।

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, अभी चौधरी देवी लाल ट्रस्ट के नाम पर एक न्यूज आई है। मिस्ट्री ऑफ मिस्ट्री डॉनर्ज देवी लाल ट्रस्ट। इसमें लिखा हुआ है कि पी०एन०बी० के अंदर जब यह था तो उस वक्त 48 लाख रुपया अचानक आ गया। जबकि अगर बीस हजार रुपये से ज्यादा आता है तो उसको चैक से लेना चाहिए था कैश में नहीं । मैं जानना चाहूंगा कि सरकार यह बताए कि देवीलाल ट्रस्ट में जो पैसा आया है वह कहां से आया है। स्पीकर साहब, जनता जानना चाहती है कि जो इस ट्रस्ट में पैसा आया वह कहां से आया ? इसी तरह से विदेशी यात्राओं पर जितना पैसा खर्च किया गया है उसके मुकाबले इनको बताना चाहिए कि टोटल कितना इन्वैस्टमैंट हुआ है। सरकार बताए कि वह कितनी फैक्ट्रियां लेकर आयी है और उनसे कितने लोगों को रोजगार मिला है। आज हमारे लोकल नौजवान दर-दर की ठोकरें खा रहे हैं जबकि बिहार और यू०पी० के लोग इधर आकर कंट्रैक्ट बेसिज पर काम कर रहे हैं। यह सही है कि इन फॉरेन टूअर्ज पर हमारे कई साथी एम०एल०ए० भी गए हैं लेकिन फॉरेन टूअर्ज पर इनके जाने का मकसद अपना-अपना इन्वैस्टमैंट करना होता है इन्हें सरकारी इन्वैस्टमैंट से कोई मतलब नहीं है। हीरो होंडा जैसी फैक्ट्री का लोकल डिवैलमैंट टैक्स माफ कर दिया गया है जबकि वह कम्पनी करोड़ों रुपये कमा रही है। इसी तरह से नैरोलैक पेंट जैसी कम्पनी के साथ हुआ है। अध्यक्ष महोदय, पैट्रोल पम्पस

के मामले में आज मुख्यमंत्री जी के आदेश पर ही किसी को एन०ओ०सी० मिलती है। बहुत सारे साथियों के पैट्रोल पम्प लगने के लिए पड़े हैं लेकिन किसी भाई को एन०ओ०सी० नहीं मिलती है। जो अख्तियार डी०सी० के हैं वह आज सारे अधिकार मुख्यमंत्री जी ने स्वंय अपने पास ले रखे हैं। इसी तरह से एम०एल०ए० एरिया डिवैल्पमैंट प्रोजैक्ट जो था वह भी इन्होंने अपने हाथ में ले रखा है।

श्री अध्यक्ष : कैप्टन साहब, आपकी खान भी तो चल ही रही है।

श्री कैप्टन अजय सिंह यादव : ये कहते हैं कि 'सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम के तहत 60 हजार काम किए हैं लेकिन ये जिस हल्के में भी जाते हैं वहां ये शमशान घाट की ही बात करते हैं पता नहीं ये क्यों लोगों को फूंकना चाहते हैं। ये कहीं भी जाएं लेकिन ये शमशान घाट की बात जरूर करते हैं। अध्यक्ष महोदय, हम चाहते हैं कि गलियां बने, स्कूलों के कमरे बने लेकिन इसके बजाए ये केवल शमशान घाट की बात ही करते हैं। अध्यक्ष महोदय, इसी प्रकार से सरकारी भर्तियों में धांधली की जाती है। आज इंटरव्यू हुआ और एक हफ्ते में ही एच०सी०एस० ओफिसर्ज की अप्वायंटमैंटस हो जाती हैं इनके खुद के स्टाफ के लोग आज एच०सी०एस० ओफिसर्ज बने हुए हैं। अध्यक्ष महोदय, इसी प्रकार से एच०पी०एस०सी० और एच०सी०एस०सी० में हो रहा है। उन लोगों को बुलाकर इस्तीफे लिए जाते हैं।

श्री अध्यक्ष : कैप्टन साहब, आप ऐसी बातें मत कहिए क्योंकि इस्तीफा मर्जी से दिया जाता है जबरदस्ती नहीं दिया जाता। इस्तीफा देने की बात चौधरी भजन लाल जी ने मुझे टेलीफोन पर कही थी कि कांग्रेस के एम०एल०एज० इस्तीफा देंगे इसलिए आप चंडीगढ़ आईये। मैं चंडीगढ़ आया था लेकिन इन्होंने इस्तीफे नहीं दिए। मैंने कोई जबरदस्ती नहीं की थी। चौधरी भजन लाल जी आपने कहा था या नहीं ? लेकिन अगर आप इस्तीफा नहीं देते तो यह आपकी मर्जी है। भजन लाल जी ने भी इस्तीफा नहीं दिया तो यह इनकी मर्जी है। इस्तीफा देना चाहें तो दे दें और न देना चाहें तो न दें।

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, इसी तरह से इन्होंने कई ओफिसर्ज को आई०ए०एस० बना दिया। दूसरी बात मैं यह कहना चाहता हूं कि चौधरी बंसीलाल जी के समय में यह हुआ करता था कि फाईनेंस मिनिस्टर परचेज कमेटी का चेयरमैन हुआ करता था लेकिन आज मुख्यमंत्री महोदय स्वंय परचेज कमेटी के चेयरमैन बने हुए हैं। भाई, कुछ काम तो इन मंत्रियों को दे दें, आपने तो सारी पावर्ज सैंट्रलाइज कर दी हैं। एम०एल०एज० की पावर सैंट्रलाइज कर दी, मिनिस्टर की पावर सैंट्रलाइज कर दी और ट्रांसफर्ज तक भी मुख्यमंत्री जी ने अपने हाथ में ले लिए तो क्या यह सही है ? कुछ तो इस बारे में होना चाहिए।

श्री अध्यक्ष : कैप्टन साहब, आप बैठिए।

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, एस०वाई०एल० के मुद्दे पर मुख्यमंत्री जी कहते हैं कि एस०वाई०एल० के सारे कार्य इन्होंने ही करवाए हैं। अध्यक्ष महोदय, इस बारे में जितने भी समझौते हुए हैं वह कांग्रेस पार्टी की सरकारों के समय में हुए हैं। इंदिरा गांधी जी ने कपूरी गांव में इस नहर की नींव रखी थी और उसके बाद राजीव लौंगोवाल समझौते के तहत एस०वाई०एल० कैनाल बनी थी। अध्यक्ष महोदय, इनको सुप्रीम कोर्ट में रैफरैन्स करना चाहिए था लेकिन सरकार

[कैप्टन अजय सिंह यादव]

ऐसा करने से कतरा गयी । वह तो हम लोगों ने अपनी केन्द्र की सरकार से जाकर अनुरोध किया और उसके बाद ही यह काम हुआ। इसी प्रकार से पंचायत के इलैक्शन दोबारा करवाकर ये पूरे प्रदेश को आग में झोंकना चाहते हैं, भाईचारा खत्म करना चाहते हैं। गवर्नर महोदय ने पंचायती बिल को वापस भेजकर सही कार्य किया लेकिन ये फिर भी नहीं माने। पता नहीं कि ये क्यों नहीं माने।

श्री अध्यक्ष : कैप्टन साहब, यह मामला तो कल हो लिया। कल तो आप इस मामले पर बोल लिए थे।

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, मैं यह कहना चाहता हूं कि जितनी भी कालोनीज हैं उनको नियमित किया जाना चाहिए लेकिन आज तक भी इन्होंने नियमित नहीं किया है। इसी तरह से ट्यूबवैल्ज के कनैक्शन की बात है। लोगों के एक एक लाख रुपया जमा हैं लेकिन वे दो दो, तीन तीन साल से बैठे हैं लेकिन उनको कनैक्शन नहीं मिल रहा है। अध्यक्ष महोदय, मैं खास तौर से यह कहना चाहता हूं कि इस सरकार की कारगुजारी से लोग बहुत तंग आ चुके हैं इसलिए जब चुनाव होंगे तो इनको पता लग जाएगा क्योंकि इन सबकी जमानत जब्त हो जाएगी। अध्यक्ष महोदय, मैं कलिंग पार्टी के साथियों सहित सबसे अनुरोध करूंगा कि जो हम यह अविश्वास का प्रस्ताव सरकार के खिलाफ लेकर आए हैं उसका वे समर्थन करें। धन्यवाद।

श्री अनिल विज (अम्बाला छावनी): अध्यक्ष महोदय, विपक्ष ने जो सरकार के खिलाफ नो कांफीडैंस मोशन दिया है मैं उस पर चर्चा करने के लिए खड़ा हुआ हूं वैसे तो किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में हर विपक्ष का यह अधिकार होता है कि जब भी वह ऐसा महसूस करे कि कहीं कोई दिक्कत है तो वे नो कांफीडैंस मोशन ला सकते हैं लेकिन यह जो नो कांफीडैंस मोशन पेश किया गया जब कि 8 मार्च, 2005 को इस विधान सभा की टर्म समाप्त होने जा रही है। मुझे कुछ हैरानगी हो रही थी कि 2 महीने रह गए आज यह विपक्षी पार्टी नो कांफीडैंस मोशन किस लिए लेकर आ रही है ? इसको लेकर मेरी उत्सुकता बढ़ती जा रही थी मैं सुनना चाहता था कि क्या ऐसा मुद्दा है, क्या ऐसी बात है कि जिसको लेकर विपक्ष आज इतना परेशान हो रहा है कि उसको नो कांफीडैंस मोशन रखना पड़ रहा है और जब नो कांफीडैंस मोशन रखा गया तो मैं सोच रहा था कि कोई बहुत बड़ा मुद्दा उठाया जाएगा,सरकार पर कोई बहुत बड़ा आरोप लगाया जाएगा लेकिन इन साथियों ने बोलते हुए जो कुछ कहा उसमें ऐसी कोई बात ये नहीं कह पाए जिससे सरकार के ऊपर यह कोई अविश्वास या कोई आरोप सिद्ध कर सकते हों। केवल और केवल इन्होंने मुख्यमंत्री जी द्वारा जो जनहित में काम किए जा रहे हैं उनके बारे में चिंता प्रकट की है कि ये काम क्यों किए जा रहे हैं ? इनकी भावना क्या है मुझे समझ आ गई है कि ये नो कांफीडैंस मोशन किस लिए लेकर आए हैं । दरअसल ये सरकार की इन घोषणाओं और बढ़ती पापुलैरिटी से घबराकर लेकर आए हैं। इनको चिंता हो रही है कि क्यों मुख्यमंत्री ने युवाओं को 200 रुपये देने की बात कह दी। इनको तो ऐसा कहना चाहिए था कि सरकार ने जो नवयुवकों को 200 रुपये प्रति माह देने की बात कही है इसको रोकना चाहिए। इनको यह चिंता हो रही है कि बुढ़ापा पेंशन 200 रुपये से बढ़ाकर 300 रुपये क्यों कर दी ? मैं इनसे यह पूछना चाहता हूं कि यह जो यू०पी०ए० की सरकार, यह जो केन्द्र में उल्टी पुल्टी सरकार आई है उस दिन से इतनी मंहगाई क्यों बढ़ती जा रही है और उसके बारे में इनका क्या कहना है। गैस सिलैंडर का दाम हर महीने क्यों बढ़ता जा रहा है और क्यों डीजल पैट्रोल के दाम हर महीने बढ़ते जा रहे हैं उसके बारे में ये अपनी बात कहने के लिए तैयार नहीं हैं। इस बढ़

रही मंहगाई की मार से और यू०पी०ए० की सरकार के कहर से बचाने के लिए अगर मुख्यमंत्री जी हर वर्ग को कोई न कोई सुविधा यदि दे रहे हैं तो आज विपक्ष के पेट में दर्द हो रहा है और इसी दर्द और झेंप को छिपाने के लिए अपनी परेशानी, अपनी घबराहट को मिटाने के लिए विपक्ष यह नो कांफीडैंस मोशन लाया है अन्यथा दो महीने पूर्व नो कांफीडैंस मोशन लाने का कोई भी औचित्य मेरी समझ में नहीं आता है। कांग्रेस के साथी अभी बोलते हुए कह गए कि आपने जो घोषणाएं की वह पूरी नहीं की। मेरी समझ नहीं आता कि कौन सी घोषणा इन्होंने पूरी नहीं की। आज जनता के हित के लिए जितने काम हो सकते थे, जितने इस सरकार ने काम किए हैं, मैं तीसरी बार इस सदन 11.00 बजे में आया हूं। मैं इन्डिपैंडेंट विधायक हूं किसी पार्टी से जुड़ा हुआ नहीं हूं, न मैं आपके साथ जुड़ा हुआ हूं और न किसी दूसरी पार्टी के साथ जुड़ा हुआ हूं। मैंने अपनी आजाद उम्मीदवार की भूमिका को बनाकर रखा है। मैं निष्पक्ष तौर पर यह आकलन कर सकता हूं और देख सकता हूं कि जितने काम इस सरकार ने हरियाणा प्रदेश में किए हैं इतने काम किसी सरकार ने नहीं किए। चाहे वह ओल्ड ऐज पैंशन देने का काम हो, चाहे दूसरे काम हों। आप किसी गली मोहल्ले में जायें वहां पर आपको काम हुए मिलेंगे। मैं विपक्ष की पार्टी को बताना चाहता हूं कि वह लोकसभा के चुनाव के नतीजों के भुलेखे में न रहे। (शोर) आप किसी गांव की गली में जाकर देखें आज सरकार आपके द्वार कार्यक्रम माननीय मुख्यमंत्री जी ने ऐसा कार्यक्रम चलाया है जिसके माध्यम से हर व्यक्ति को अपनी समस्या सरकार के सामने लाने का अवसर प्राप्त हुआ है। लोग एड़ियां घिसते रह जाया करते थे लेकिन उनके काम नहीं होते थे विधायक भी एड़ियां घिसते रहते थे लेकिन सरकार तक नहीं पहुंच पाते थे आज हर आदमी माननीय मुख्यमंत्री जी की सराहना करता है।

श्री अध्यक्ष : विज साहब, वाईंड अप कीजिए।

श्री अनिल विज : अध्यक्ष महोदय, मैं फिर संक्षिप्त में ही बता देता हूं। सरकार ने हर वर्ग के लिए अच्छा काम किया है। अनएम्प्लायमेंट अलाउंस दिया, ओल्ड ऐज पैंशन को बढ़ाया और किसानों को बिजली देने का काम किया। शहरों में 100 वर्ग गज तक के मकानों का हाउस टैक्स माफ किया (शोर) अगर कोई अच्छा काम करे तो उसको अच्छा कहना चाहिए। देवी रक्षक योजना शुरू करने का काम किया। जो लड़कियां दूसरे गांव में पढ़ने के लिए जाती हैं उनको साईकल देने का काम किया, ऐसी सुविधा हिन्दुस्तान में किसी भी सरकार ने नहीं दी है। इसी प्रकार से काफी जन कल्याण की योजनाएं शुरू की जा रही हैं और हर वर्ग के लिए मुख्यमंत्री जी सुविधा देने का काम कर रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं आपसे अनुरोध करूंगा कि इस नो कांफीडैंस मोशन को जो बिल्कुल बेवजह लाया गया है इसे रद्द करके दूसरे अन्य मुद्दों पर विचार करना चाहिए। धन्यवाद।

चौधरी बंसी लाल (भिवानी) : अध्यक्ष महोदय, इस प्रदेश में जब इण्डियन नैशनल लोकदल पार्टी ने जो सबसे बड़ा वायदा पूरे देहात में किया था कि सभी ट्यूबवैलों की बिजली को फ्री कर देंगे वह आज तक तो नहीं की है। इसके खिलाफ किसानों ने ऐजिटेशन किया तो उन पर देशद्रोह का मुकद्दमा बन गया। कोई बिजली के बिल नहीं भरता है तो उन पर केस तो बनाया जा सकता है लेकिन देशद्रोह का तो नहीं बनता। यह कोई अच्छी बात नहीं है। अध्यक्ष महोदय, इस सरकार ने यह काम किया है। हर गांव में ग्राम पंचायत के साथ-साथ ग्रामीण विकास समिति को बना दिया और उसके मार्फत पैसा खर्च किया उसके मार्फत पैसा क्यों खर्च किया चुने हुए नुमायंदें की मार्फत पैसा खर्च क्यों नहीं किया क्योंकि चुने हुए नुमायंदें इनको हिस्सा नहीं देते। इसलिए ग्रामिण विकास समिति की मार्फत पैसा खर्च किया। दलितों पर अत्याचार किए, दुलीना काण्ड के दलितों को क्या

[चौधरी बंसी लाल]

इन्साफ मिला और हरसोला के दलितों को क्या इन्साफ मिला। अध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री जी कल फरमा रहे थे कि हमने किसी मुलाजम को छंटनी नहीं किया। एम०आई०टी०सी० को खत्म किया तो उसके 3914 इम्लाईज थे वे कहां पर एडजस्ट किए ? इसी प्रकार से हरियाणा हैंडलूम कारपोरेशन के इम्प्लाईज कहां पर एडजस्ट किए। हरियाणा मिनर्ल्ज लिमिटेड को बन्द किया तो उसके इम्पलाईज कहां पर एडजस्ट किए। आज सरकार क्या काम कर रही है, ग्रामीण सहायक, ग्रामीण रक्षक, वन रक्षक, ग्रामीण विकास पुरुष और तनख्वाह कौन देगा पंचायत और उनको एपायंट कौन करेगी सरकार, तनख्वाह कोई देगा, अप्वांयटमैंट कोई करेगा। यह गांव की पंचायत के ऊपर भार क्यों डाला जाए। यह सब पैसे बनाने की बीमारी है। अध्यक्ष महोदय, कोर्ट का फैसला है कि कोई कंट्रैक्ट पर आदमी न रखा जाए। इस सरकार ने कंडक्टर कंट्रैक्ट पर रखे हैं जो कि नहीं रख सकते। किस वजह से रिलीज किया। गुड़गांव की जमीन में कितने स्कैण्डल हैं पता लगेगा, सब आगे आएंगें। 2 महीने की बात है। सब चीजें ऊपर आएंगी, हम किसी चीज को दबने नहीं देंगें, उखाड़ फैंकेंगे। पूरा हिसाब लेंगें। ऐसी बात नहीं है कि खा गए और राजी खुशी घर चले जाएंगें। इसलिए मेरी केवल एक प्रार्थना है कि इन इलैक्शनों के बाद देश छोड़कर भाग न जाए और कोई बात नहीं है। क्या किसी भी प्रदेश में बिजली बोर्ड का या कारपोरेशन का परचेज कमेटी का चेयरमैन आज तक मुख्यमंत्री हुआ है ? लेकिन आज के मुख्यमंत्री हुए हैं। ऐसा क्यों है ? हरियाणा निवास में मीटिंग होती है, आगे कारों का जमघट होता है, सौदे होते रहते हैं। कायदे कानून में कोई चीज नहीं की जाती । अध्यक्ष महोदय, एच०पी०एस०सी० की बात आई, ये अपना वहम मिटा लें। हम इस पब्लिक सर्विस कमीशन को तोड़कर यूनियन पब्लिक सर्विस कमीशन का नाम देंगे ताकि इन्साफ हो सके। आज 75 लाख में एच०सी०एस० बन जाते हैं चाहे घर बैठे रहें। हम ऐसे कमीशन को नहीं रहने देंगे। कैसे रहेगा ऐसा कमीशन। चाहे म्यूनिसिपैलिटी की जमीन है या पंचायत की जमीन है, चाहे किसी की जमीन है कब्जे लेकर चौधरी देवीलाल ट्रस्ट में दे दो सब ठीक है। भिवानी में रोहतक गेट के पास 60-70 हजार रुपये प्रति गज की कीमत की जमीन पर कब्जा कर लिया और चौ० देवीलाल ट्रस्ट को दे दी और दुकानें बना दी।

श्री रणबीर सिंह मंदोला : अध्यक्ष महदोय, मेरा प्वांयट ऑफ आर्डर है। बंसीलाल जी ने भिवानी में रोहतक गेट के पास की जमीन पर कब्जा करने की बात जो की है यह सरासर गलत है ऐसा कहके उन्होंने सदन को गुमराह करने की बात की है। वहां पार्टी का ओफिस बनाया गया है और जमीन परचेज करके बनाया गया है, किसी प्रकार का कोई कब्जा नहीं हुआ।

चौधरी बंसीलाल : अध्यक्ष महोदय, 2 लाख पगड़ी का लिया जाता है और दुकान की कंस्ट्रक्शन पर 50 हजार रुपये खर्च नहीं होते । 60-70 हजार रुपये प्रति गज की कीमत की जमीन पर कैसे कब्जा हुआ, कमेटी की जमीन थी, कौन रहने देगा, यह इनका वहम है कि हजम हो जाएगा ये इस बात से निश्चिंत रहें कि हम हजम नहीं होने देंगें। सारे हरियाणा की जमीनों पर नाजायज कब्जे किए गए। अध्यक्ष महोदय, लॉ एण्ड आर्डर की स्टेट में बुरी हालत है। कोई सड़क सेफ नहीं है कोई घर सेफ नहीं है। मेवात में एक मियां बीबी का कत्ल हुआ, पुलिस ने दो दिन तक गुलजिम को थाने में बिठा कर रखा और तीसरे दिन उसको छोड़ दिया।

पशुपालन राज्य मंत्री (चौ० मोहम्मद इलियास) : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वांयट ऑफ आर्डर है, मेवात में वाकय में ही कत्ल हुआ और जितनी जल्दी से इस सरकार के पुलिस प्रशासन ने मुलजिम

को गिरफ्तार किया और कोई सरकार शायद उतनी जल्दी से नहीं कर सकती और जिन्होंने कत्ल किया वे मुलजिम आज जेल में हैं। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : बंसीलाल जी, आप वाइंड आप करें।

चौधरी बंसीलाल : अध्यक्ष महोदय, आज हर दिन कोई न कोई मर्डर होता है, लोग घर से निकलते हुए डरते हैं, रात 7 बजे के बाद शहर की सड़कें खाली होती हैं कोई सड़क पर नहीं मिलेगा। कई जगह कत्ल हुए हैं। अध्यक्ष महोदय, आपके शहर में कचहरी में एक कत्ल हुआ, गनमैन भी था, लेकिन कहां गया, गिरफ्तार कौन हुआ, किसकी सजा हुई, ये बातें दबती नहीं हैं, ये सब निकलेंगी। इस सब का हिसाब लिया जाएगा। कहीं मुलजिम गिरफ्तार नहीं हुए। कोई दुनिया की ताकत उनको गिरफ्तार होने से रोक नहीं सकती तथा इन शब्दों के साथ मैं इस अविश्वास प्रस्ताव का समर्थन करता हूं। धन्यवाद।

उपाध्यक्ष (श्री गोपी चन्द गहलोत) : माननीय अध्यक्ष महोदय, आज के इस अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान मेरे क्षेत्र से संबंधित दो तीन बातों पर चर्चा हुई। मैं भी इस बारे जरूर कुछ चर्चा करना चाहूंगा और हमारे बहुत ही सीनियर साथी यहां बैठे हुए हैं जो कई सालों तक मुख्यमंत्री भी रहे उनसे कुछ पूछना भी चाहूंगा। चौधरी बंसीलाल जी आपसे अनुरोध करता हूं कि आप मेरी बातें सुनकर जायें। अध्यक्ष महोदय, मैं सदन की जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि एफ०आई०आर० संख्या 1106, 2 अक्तूबर, 1996 को चौधरी बंसीलाल जी ने दर्ज कराई। दो अक्तूबर राष्ट्रीय दिवस के रूप में मनाया जाता है। यह एफ०आई०आर० अंडर सैक्शन 420, 120 बी० और बाद में 467, 468, 471 धाराएं लगाई गई। यह एफ०आई०आर० पुलिस स्टेशन सदर थाना में दर्ज कराई गई थी जिसके अंदर 57 मुलजिम हैं और ये मेरे गांव डूंडाहेड़ा के हैं। जो आज भी तारीख भुगत रहे हैं। जमीन जसमा एक्सपोर्टस के नाम थी जिसकी कुलदीप बिश्नोई के नाम रजिस्ट्री कराई गई। इसका मुकदमा चौधरी बंसीलाल जी ने दर्ज कराया। आप दोनों तो आज एक सीट पर बैठ गए लेकिन उन 57 लोगों ने क्या गुनाह किया है जो आज भी कोर्ट में चक्कर काट रहे हैं और तारीख भुगत रहे हैं।

चौधरी भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है। इन्होंने जसमा एक्सपोर्ट का जिक्र किया और कुलदीप बिश्नोई का जिक्र किया। उस जमीन से हमारा कोई ताल्लुक नहीं है। हमने न तो जिंदगी में गलत काम किया और न ही करेंगे। गलत काम करने वाले ये लोग हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री गोपीचन्द गहलोत : अध्यक्ष महोदय, मैं चौधरी भजन लाल जी को उन आदमियों का नाम दे रहा हूं, तारीख थाना का नाम और सैक्शन भी बता रहा हूं। वह पांच कनाल चार मरला जमीन थी उसका पूरा ब्यौरा दे रहा हूं और सदन के पटल पर रख रहा हूं। चौधरी बंसीलाल जी ने आप पर उसका मुकदमा दर्ज कराया था और आज आप दोनों एक हो गये। लेकिन उन 57 लोगों को आप भूल गये। आप दोनों ही बतायें उन 57 लोगों का क्या होगा। चौधरी भजन लाल जी एक बात आपको और याद दिला दूं क्योंकि कई बातें आप भूल जाते हैं। जहां तक आप भ्रष्टाचार की बात करते हैं, भ्रष्टाचार की बातें आपके मुंह से अच्छी नहीं लगती। मैं एक और एफ०आई०आर० के बारे में बताना चाहूंगा कि एफ०आई०आर० संख्या 453, दिनांक 27-6-1993 है जिसमें सैक्शन 418, 332 और 353 लगाये गये। यह एफ०आई०आर० चोमाखेड़ा गांव जो अंसल के अंदर है वहां की

[श्री गोपीचन्द गहलोत]

है जहां पर एक एकड़ की कीमत आज दो करोड़ रुपये की है। हमारे वकफ बोर्ड की 2.5 एकड़ जमीन थी जिस पर चौधरी साहब गोलियां चली और जबरदस्ती उस जमीन पर कब्जा हुआ। लोगों ने वहां पर एतराज किया लेकिन उन पर गोलियां चलाई गई। मेरे क्षेत्र के 15 आदमी अब भी उसके बारे मुकदमा भुगत रहे हैं। चौधरी साहब, आप अपने समय के इस तरह के केसिज के बारे में भी यहां थोड़ी बहुत चर्चा कर लिया करो। अध्यक्ष महोदय, जहां तक इस कब्जे की बात करते हैं इस बारे एक-दो बातें मैं और बताना चाहूंगा कि 40 दुकानें सुन्दर आटो मार्केट, बसई रोड़, गुड़गांव में इनसे संबंधित आदमी ने वहां जमीन पर कब्जा करके बना ली थी और उस आदमी का किसके साथ संबंध था इस बारे सारा गुड़गांव और हम जानते हैं। जिस आदमी ने कब्जा किया था उसका नाम यहां हाउस में लेकर मैं उसका कद नहीं बढ़ाना चाहता। लेकिन मैं बताना चाहूंगा कि पण्डित ईश्वर सिंह थे जिन्होंने जमीन पर कब्जा करके 40 दुकानें बनाई थी आज वहां पर आटो मार्केट बनाई गई है। अध्यक्ष महोदय, एक बात मैं और कहना चाहूंगा कि जिसकी चर्चा मैंने पहले भी की थी। उस समय तो भ्रष्टाचार की हद हो गई थी। जब से देश आजाद हुआ है तब से भ्रष्टाचार की ऐसी मिसाल और कहीं नहीं मिलेगी। डी०एल०एफ० के अंदर आज जमीन की कोई कीमत ही नहीं है। यहां का भी एक इंसटांस मैं राहन को बताना चाहूंगा। 26 जनवरी के बाद 27 जनवरी आती है और 1997 में एक विधवा शकुन्तला यादव की 104 कनाल 5 मरला जमीन थी जिसकी बैक डेट में रजिस्ट्री कराई गई। जिस पर उस समय की सरकार के जो चहेते थे उन्होंने जबदरस्ती कब्जा लिया और इतिहास में कोई ऐसा फैसला आपको नहीं मिलेगा। चौधरी बंसी लाल जी कह रहे थे हिसाब लेंगे, ये भी सरकार में रहे हैं लेकिन इन्होंने भी इस बात का हिसाब नहीं लिया, इन्होंने क्यों नहीं लिया। लेकिन माननीय श्री वी०के० बाली, और श्री एस०एस० सोढी जो हाई कोर्ट के जस्टिस हैं उन्होंने इस केस का फैसला 6-7-1998 को किया। इसमें इतना क्लियर भ्रष्टाचार था जिसकी मिसाल और कहीं नहीं मिलेगी जिसमें डी०सी० से लेकर पटवारी तक के लोगों को 6-6 महीने कैद की सजा सुनाई गई। इससे बड़ा भ्रष्टाचार का सबूत और कहीं नहीं हो सकता। मैं पैटीशन नं० भी बता देता हूं। वह पैटीशन 1993 की 838 नं० है। इस केस में 14 आफिसरों को सजा हुई है। रवैन्यू का सबसे बड़ा अफसर जिले का डिप्टी कलेक्टर होता है और सबसे छोटा पटवारी होता है। थाने का हैड थानेदार एस०एच०ओ० होता है। इसमें 14 अफसरों को सजा हुई थी और इस तरह का शायद ही कोई केस हो। जब आप चार्जशीट तैयार करें तो आप इनकी भी चर्चा जरूर कर लेना। यहां पर ये बड़ी चर्चा करते हैं कि यहां पर यह हो गया और वहां पर वह हो गया। मैं खासतौर पर कहना चाहता हूं कि प्रकाश सिंह बादल की जब भी बात आती है तो उसकी ये बड़ी चर्चा करते हैं इस बारे में मैं इनको एक चीज बता दूं कि ओर्बिट रिजोर्ट के नाम से सितम्बर 1989 के अन्दर 417.75 एकड़ लैण्ड है जिसकी 341 रुपये गज के हिसाब से अलाटमेंट हुई है जिसकी कीमत 80 लाख 94 हजार है। मैं उसी क्षेत्र की चर्चा करूंगा। यदि सारे गुड़गांव की चर्चा करूंगा तो बहुत समय लगेगा। मैं वहां के उद्योग विहार की चर्चा करूंगा जिन लोगों को जमीन अलाट हुई है। जिनकी इण्डस्ट्रीज वहां पर चल रही है उनकी चर्चा आप वहां पर करना। माननीय बंसी साठे जी केन्द्र के अन्दर मंत्री रहे हैं। उनका जिस पार्टी से सम्बन्ध रहा होगा वह उनको पता होगा। उनके बेटे श्री सुभाष साठे हैं। उनका प्लाट नं० आप नोट कर लें। उनका प्लाट नं० 35 सैक्टर 18 में है। यह प्लाट किस तरह से अलाट हुआ और क्यों हुआ वह सभी लोगों को पता है। क्या अब उसकी फैक्ट्री चल रही है या नहीं चल रही है वह भी आपको पता होगा। इसी तरह से मेरे बड़े अच्छे साथी दिल्ली में वित्त मंत्री जी रहे हैं।

दिल्ली के अन्दर माननीय महेन्द्र सिंह जी मंत्री अब भी हैं, उनके बेटे की जो फैक्ट्री है वह मेगा फिल्टर एण्ड इक्यूपमेंट के नाम से लगी हुई है। उनकी यह फैक्ट्री उद्योग विहार के अन्दर प्लाट नं० 88 में लगी हुई है। (विघ्न) चौधरी साहब, चिन्ता न करो, सुनने की क्षमता रखो। (विघ्न) गुस्सा न करो।

चौधरी भजन लाल : स्पीकर साहब, जो मैम्बर हाउस में मौजूद न हो उसका यहां पर नाम नहीं लेना चाहिए। (विघ्न)

श्री गोपीचन्द गहलोत : चौधरी साहब, मैं एफीडेविट देने के लिए तैयार हूं। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : चौधरी भजन लाल जी, इन्होंने आपका नाम नहीं लिया। इन्होंने तो रियल अलोटी का नाम लिया है, इसमें कोई बुराई नहीं है।

श्री गोपीचन्द गहलोत : स्पीकर साहब, मैं किसी भी नेता की शान में कोई गुस्ताखी नहीं कर रहा। मैं तो केवल हाउस को यह बता रहा हूं कि उनकी इण्डस्ट्रीज भी उसी क्षेत्र में लगी हुई है। माननीय प्रेम गुप्ता आज के दिन दिल्ली में मंत्री हैं। उनकी गुड़गावां में आई०एम०टी० के पास फैक्ट्री है। ये यहां पर बताएं कि उनकी वह फैक्ट्री कितने एकड़ में है। (विघ्न) स्पीकर साहब, यदि मैं इस तरह से और नाम बताऊं तो कम से कम इसी वक्त में 10 नाम और लिखा सकता हूं जिनकी उद्योग विहार में फैक्ट्री है और प्लाटस हैं। (विघ्न) जब आप ऐसी चर्चा करें तो इन नामों पर भी चर्चा कर लें। अब मैं चौधरी बंसी लाल जी की बात बताना चाहता हूं। बंसी लाल जी गुड़गांव की बात करते हैं। मैं उनसे पूछता हूं कि सैक्टर 14 और 17 की जगह बड़े मौके की जगह है। उसके बीच में 3 कोठियां एक साथ हैं। मैं बंसीलाल जी से जानना चाहता हूं कि वे 3 कोठियां किसकी हैं। क्या उस वक्त कोई बेकायदगी हुई थी या नहीं हुई थी यह भी बता दें। चौधरी बंसीलाल भी यह भी बता दें कि क्या उस वक्त कोई एफ०आई०आर० दर्ज हुई या नहीं यह भी बता दें। ऐसी न जाने कितनी चीजें हैं जो मैं गिना सकता हूं। चौधरी बंसी लाल जी डी०एल०एफ० की बात करते हैं। मैं तो एक बात कहता हूं कि डी०एल०एफ० की अगर सही मायनों में किसी ने मदद की है तो वह चौधरी बंसीलाल जी ने की है। उनकी नीयत तो यह थी कि डी०एल०एफ० को रगड़ा लगाया जाये। इनकी नीयत से उनको नुकसान नहीं हुआ उल्टा फायदा हुआ। उस वक्त जितनी प्रोपर्टी उनकी सैंकड़ों की बच गई थी। आज वह हजारों की बन कर उनको करोड़ों का फायदा पहुंचा है। इस प्रकार से मैं चौधरी बंसी लाल जी के ध्यान में लाना चाहता हूं कि सैक्टर 5 के सामने एक जमीन है। (विघ्न) आज की सरकार की एक भी बेकायदगी नहीं मिलेगी। इन्होंने किसानों की जमीन एक्वायर की और बिना डिवैल्पमैंट के एक पैसा हुड्डा ने भी नहीं लगाया और सीधे किसान की जमीन हुड्डा ने ऑक्शन की। यह जमीन इन्होंने अपने चहेतों को दी है। ऐसी मिसालें केवल उस सरकार में मिल सकती हैं वर्ना पूरे हिन्दुस्तान में नहीं मिलेगी। अध्यक्ष महोदय, चौधरी धीर पाल जी और सम्पत सिंह जी यहां पर बैठे हैं। मैं इनसे कहना चाहूंगा कि अगर हम किसान की सच्चे दिल से हमदर्दी चाहते हैं तो हम और आप एक चीज करें। चौधरी देवी लाल जी ने हमें बहुत राहत दी थी। जब आप कोई जमीन एक्वायर करो तो उसका भाव दिल्ली के बराबर रखो। इसी प्रकार से जब किसी जमीन का कम्पनसेशन तय करते हैं तो उस समय हुड्डा की तरह उसमें एक लोकल रिप्रेजन्टेटीव उस एरिया का शामिल करो। चौधरी धीरपाल जी, मैं आपसे यह उम्मीद करता हूं कि आप इस बारे में भविष्य में ध्यान रखेंगे। आज हरियाणा में किसी हिस्से में जो जमीन ऐक्वायर हो रही है उसमें बने हु

[श्री गोपीचन्द गहलोत]

मकानात हैं, घेर हैं, गिलवाड़ है, शमशान हैं, स्कूल हैं और गांवों में दूसरी चीजें हैं जो इन लोगों ने नहीं छोड़ी है। अगर कुछ चीजें छोड़ी हैं तो आपने ही छोड़ी हैं। मैं आपसे गुजारिश करूंगा कि आप उन लोगों की एक कमेटी बना दें और उन लोगों को कुछ राहत जरूर दें। मुआवजे का जो पैसा है वह दिल्ली के पैटर्न पर तय किया जाए। अध्यक्ष महोदय, इस बात को कहते हुए मैं नो-कान्फिडैंस मोशन के बारे में एक ही बात कहूंगा कि यह झूठ का पुलिन्दा है और अपनी झेंप मिटाने के लिए यह इसे लेकर आए हैं। मैं इसका पुरजोर विरोध करते हुए अपना स्थान ग्रहण करता हूं। धन्यवाद।

श्री कर्ण सिंह दलाल (पलवल) : अध्यक्ष महोदय, जो यह अविश्वास का प्रस्ताव कैप्टन अजय सिंह यादव जी ने सदन में रखा है मैं उसका समर्थन करता हूं। अध्यक्ष महोदय, पिछले साढ़े पांच साल में इस सरकार ने सारी मर्यादाओं को ध्वस्त किया है। चौधरी बंसीलाल जी चौटाला साहब की तरफ इशारा करते हुए कह रहे थे कि सरकार से हटने के बाद कहीं देश छोड़ कर भाग न जाएं। अध्यक्ष महोदय, आपको याद * * * * * * * * *

श्री अध्यक्ष : इनकी यह बात रिकार्ड न की जाए। दलाल साहब, आपके पास बोलने के लिए पौने दो मिनट का समय है इसलिए आप अपनी बात पौने दो मिनट में ही समाप्त कर लेना। (विघ्न)

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, मैं तो डेढ़ मिनट में ही अपनी बात कह लूंगा। इंदी अमीन भी यूं ही लोगों पर शासन किया करता था। (विघ्न)

चौधरी भजन लाल : अध्यक्ष महदोय, * * * * * * * * *

श्री अध्यक्ष : चौधरी भजन लाल जी की कोई बात रिकार्ड न करें। भजन लाल जी, मैं तो ऐसे मैम्बर को बोलने के लिए समय दे रहा हूं जिसे वोट का राईट नहीं है। (विघ्न) इनको वोट राईट नहीं है। वह मैम्बर कुछ नहीं है जिसको वोट का भी राईट न हो। (विघ्न) वोट का अधिकार होता है। मुझे तो वोट इस्तेमाल करने की जरूरत ही नहीं है। (विघ्न)

श्री कर्ण सिंह दलाल : स्पीकर सर, * * * * * * * * *

श्री अध्यक्ष : इनकी यह बात रिकार्ड न करें। (विघ्न)

श्री भागी राम : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वांयट ऑफ आर्डर है। अध्यक्ष महोदय, आपने कल हाउस में बताया था और आज भी जब कांउंटिंग हुई थी जब वोटिंग की गिनती की बात आई थी तो आपने यह कहा था कि इनकी वोट काउंट नहीं होगी क्योंकि इनको वोट का अधिकार नहीं है। आपके फैसले के मुताबिक जब इनको वोट का अधिकार ही नहीं है तो इनको इस बहस में भाग लेने का भी अधिकार नहीं है। जब आपने इनकी बोलती बन्द कर दी थी तो इनकी बोलती बन्द ही रखें। (विघ्न)

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार से निवेदन करना चाहता हूं कि सरकारें तो आती -जाती रहती हैं लेकिन ऐसी मर्यादाएं कायम करनी चाहिए जो आने वाली सरकारों के लिए और प्रदेश की जनता के लिए कोई अच्छा सबक साबित हों। आज हिन्दुस्तान

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

टाईम अखबार में हरियाणा पब्लिक सर्विस कमीशन के चेयरमैन की नियुक्ति की खबर है (विघ्न) * * * * * * * * *

श्री अध्यक्ष : इनकी कोई बात रिकार्ड न की जाए। (विघ्न)

कृषि मन्त्री (सरदार जसविन्द्र सिंह सन्धू) : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है। अध्यक्ष महोदय, यह बुजुर्गों का सम्मान करने की बात है। इनके नेता चौधरी बंसीलाल जी रहे हैं और वे भी चौधरी देवी लाल जी के पांव छूते थे। उनकी ऐसी कई तस्वीरें हैं, इसमें क्या बुरी बात है। (विघ्न)

पशु पालन राज्य मन्त्री (चौधरी मुहम्मद इलियास) : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वांयट ऑफ आर्डर है। जब दलाल साहब कांग्रेस पार्टी में शामिल हुए थे तो उस समय क्या इन्होंने चौधरी भजन लाल जी के पांव नहीं पकड़े थे। (विघ्न) अगर पांव पकड़े भी हैं तो इसमें कोई बुराई नहीं है यह तो सम्मान की बात है। हमारे हिन्दुस्तान में यह प्रथा है कि अगर कोई किसी के पांव छूता है तो यह तो सम्मान की बात है। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : भजन लाल जी, कर्ण सिंह जी आपके पैर भी पकड़ेगा और पैर खींचेगा भी ये दोनों ही काम करेंगे।

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, दूसरे मैं आपके माध्यम से सरकार को याद दिलाना चाहता हूं कि इन्होंने पिछले दिनों मेवात को जिला बनाने का काम किया। स्पीकर सर, लोगों को उस जिले की बात को सुन कर के बहुत अचम्भा हुआ कि सरकार के अन्दर इतनी भी हिम्मत नहीं थी कि उस जिले का नाम उस इलाके की मर्यादाओं के अनुसार रख सकें। इन्होंने उसका नाम सत्यमेवपुरम रखा है। स्पीकर सर, क्या इन्हें उस इलाके के मेवात के बहादुर लोगों का इलाका मानने में शर्म आती है। स्पीकर सर, हम इस बात का ऐलान करते हैं कि कांग्रेस का राज आएगा तो हम वहां पर जिला बनाएंगे और उसका नाम रखेंगे मेवात जिला। स्पीकर सर, इन्होंने होडल के गांवों के लोगों को उत्पीड़न करने के लिए उनको नूंह के साथ जोड़ा है। हम होडल के गांवों को उस जिले से अलग रखेंगे। इसके अलावा स्पीकर सर, रंगा जी ने बताया कि इन्होंने गुड़गांव के अन्दर मैडी सीटी बनाई है।

श्री अध्यक्ष : कर्ण सिंह जी, आप वाईंड अप करें।

श्री कर्ण सिंह दलाल : स्पीकर सर, मैडी सीटी को जो जमीन दी है उस बारे में ये सदन में बताएं कि जमीन इन्होंने किन नियमों के तहत दी है। ये जो मैडी सीटी गुड़गांव में बना रहे हैं, क्या उसकी जमीन की ऑक्शन हुई थी। स्पीकर सर, मैडी सीटी की जमीन का रेट 15 करोड़ रुपए प्रति एकड़ है। इन्होंने कौन से कानून के तहत और कौन से रूल के तहत वह जमीन अलाट की है। यह जमीन क्या इन्होंने किसी सोसाइटी को दी है या किसी पर्टिकुलर एक आदमी को दी है। स्पीकर सर, क्या किसी एक आदमी को ऐसी कीमती जमीन दी जा सकती है। दूसरे स्पीकर सर, जो कैप्टन साहब ने सदन में चार्जशीट का जिक्र किया है, जिसकी कापी आप भी मांग रहे थे उस चार्जशीट में मैंने भी हस्ताक्षर किए हैं। उस चार्जशीट को देने वाली कमेटी के सात सदस्य हैं जिन्होंने हस्ताक्षर किए हैं जिनमें से एक मैं भी हूं। स्पीकर सर, हमने उस चार्जशीट में चौटाला साहब पर और चौटाला परिवार पर इल्जाम लगाया है कि इन्होंने अपने शासन काल में मुख्यमंत्री बनने के बाद

---

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

[श्री कर्ण सिंह दलाल]

कम से कम जो ब्यौरा दिया है उसका हमने जोड़ नहीं किया है। हम सरेआम इन पर इल्जाम लगाते हैं कि 8 हजार करोड़ से 10 हजार करोड़ रुपए की हरियाणा की खुन पसीने की कमाई से इन्होंने अपनी जायदाद बनाई है। स्पीकर सर, आप देखना हम भी यहीं होंगे और आप भी यहीं होंगे। कांग्रेस का राज आएगा और हम इन जायदादों को छीन करके हरियाणा के खजाने में वापिस लाएंगे। इसके अलावा जो इन्होंने अनियमितताएं की हैं जो इन्होंने 8-10 हजार करोड़ रुपए लोगों के छीने हैं, वह भी इनसे लूट करके हरियाणा के खजाने में वापिस करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा है कि मैं मानहानि का दावा करूंगा। **(इस समय श्री उपाध्यक्ष पदासीन हुए।)** उपाध्यक्ष महोदय, मैं सदन में आपके माध्यम से इनको चुनौती देता हूं कि मैंने उस चार्जशीट पर हस्ताक्षर किए हैं और ओम प्रकाश चौटाला में हिम्मत है तो हमारे खिलाफ मानहानि का दावा करें।

श्री उपाध्यक्ष : अकेले आपके ही हस्ताक्षर हैं या किसी और के भी हस्ताक्षर हैं।

श्री कर्ण सिंह दलाल : उपाध्यक्ष महोदय, उस चार्जशीट पर 7 सदस्यों के हस्ताक्षर हैं। मुख्यमंत्री ने कहा है कि ये हमारे खिलाफ मानहानि का दावा करेंगे तो मैं आपके माध्यम से मुख्यमंत्री जी को और उनके परिवार को चुनौती देता हूं कि अगर इनमें हिम्मत है तो हमारे खिलाफ नोटिस दें। हमारे खिलाफ मानहानि का दावा करें। मुकदमा दाखिल करें। उपाध्यक्ष महोदय, अगर ये हमारे खिलाफ कार्यवाही कर देते हैं तो हमें अगली कार्यवाही करने में आसानी हो जाएगी क्योंकि हमने जो बात कही है वह तथ्यों के आधार पर ही कही है। जो कागजात हमने उस किताब में लगाए हैं, जो फोटोज हमने उसमें लगाए हैं वे यह दर्शाते हैं कि हिन्दुस्तान के इतिहास में जो भ्रष्टाचार ओम प्रकाश चौटाला ने और उनके परिवार ने किया है आज तक वह भ्रष्टाचार किसी मुख्यमंत्री ने या उसके परिवार ने नहीं किया है।

श्री उपाध्यक्ष : आप वाइंड-अप करें।

श्री कर्ण सिंह दलाल : उपाध्यक्ष महोदय, हमारे जिला फरीदाबाद के साथ इस सरकार ने बहुत अत्याचार किया है, वहां के बच्चों को रोजगार नहीं दिया है। इससे बड़ा अत्याचार वहां के लोगों के साथ और कोई नहीं हो सकता है। उपाध्यक्ष महोदय, इस सरकार ने सारे हरियाणा का आबियाना माफ किया है। मेवात एरिया के मंत्री जी यहां पर बैठे हुए हैं लेकिन हमारे फरीदाबाद में हमारा आबियाना माफ नहीं किया गया है। उपाध्यक्ष महोदय, यह हमारे इलाके के लोगों के साथ बहुत बड़ी ज्यादती है। मैं आपके माध्यम से इस सरकार से आज भी यह निवेदन करता हूं कि उस इलाके का आबियाना भी माफ किया जाए।

श्री उपाध्यक्ष : कर्ण सिंह जी, आप वाइण्ड-अप करें।

श्री कर्ण सिंह दलाल : ठीक है सर, मैं एक बात कह कर वाईड-अप करता हूं । उपाध्यक्ष महोदय, इन्होंने जितनी भी नौकरियां हरियाणा प्रदेश में दी हैं उसमें एस०सी० और बी०सी० के बच्चों के अधिकारों को और उनकी नौकरियों के हिस्सों को जानबुझकर इस सरकार ने अपने रिश्तेदारों को, अपने चहेतों को बांटा है। स्पीकर सर, अभी इन्होंने 3500 सिपाहियों की भर्ती की है, उसमें कोई रूल नहीं बनाया है। उसमें एस०सी० और बी०सी० बच्चों की कोई भर्ती नहीं की है ?

(शोर एवं विघ्न)

श्री उपाध्यक्ष : कर्ण सिंह जी, आपने दूसरों को भी बोलने का मौका देना है या नहीं देना है । आप वाईन्ड अप करें। (विघ्न) आप बैठें।

श्री कर्ण सिंह दलाल : सर, मुझे आप आखिरी बात कहने दें। मैं वाईन्ड-अप कर देता हूं इससे ज्यादा और क्या कह सकता हूं । (विघ्न)

श्री उपाध्यक्ष : भजन लाल जी, आजकल ये आपसे डायरेक्शन ले रहे हैं। (विघ्न) चौधरी साहब, आपको मेरी बातें बेतुकी लगती हैं। मैंने यहां पर एक-एक एफ०आई०आर० का नम्बर दिया है। (विघ्न) डेट दी है। कर्ण सिंह जी, आप अपनी आखिरी बात कहकर बैठ जाएं। दूसरों को भी बोलने का मौका देना है।

श्री कर्ण सिंह दलाल : महामहिम राज्यपाल को जब अपनी हवाई यात्रा करनी होती है तो वे हवाई जहाज के इंतजार में राजभवन में ही बैठे रहते हैं जबकि मुख्यमंत्री के बेटे गैर कानूनी तरीके से अपनी मौज मस्ती के लिए हवाई जहाज लेकर जाते रहते हैं। * * *

श्री उपाध्यक्ष : दलाल साहब, यह बातें आप क्यों रिपीट कर रहे हैं। अब आप बैठिए। अब इनकी कोई बात रिकार्ड न करें।

चौधरी मुहम्मद इलियास : आन ए प्वांयट आफ आर्डर सर। नायब सदर साहब, मैं आपके जरिए से सम्मानित साथी कर्ण सिंह दलाल को बताना चाहता हूं क्योंकि इन्होंने अपनी स्पीच के दौरान कई मर्तबा मेवात का नाम लिया। कर्ण सिंह दलाल जी जहां तक मेवात के जिले का ताल्लुक है तो पहले तो मैं यह कहना चाहता हूं कि आदरणीय श्री ओम प्रकाश चौटाला साहब ने अपने नेतृत्व में हरियाणा प्रदेश को जिस वक्त से वजीरे आला की हैसियत से संभाला है उस वक्त से खाली मेवात का ही नहीं बल्कि पूरे हरियाणा प्रदेश का नाम हिन्दुस्तान में ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया के नक्शे में अगर चर्चित है तो वह चौधरी साहब की वजह से ही है। चाहे वह विकास के एतबार की बात हो, चाहे वह रोजगार के एतबार से हो, चाहे वह बुजुर्गों के मान सम्मान के एतबार की बात हो या चाहे वह नीति या पोलिसी बनाने के एतबार की बात हो यानी हर मामले में उन्होंने हरियाणा का नाम ऊंचा किया है। जहां तक मेवात का संबंध और ताल्लुक है मैं दलाल साहब को बताना चाहता हूं कि इस वक्त जिस पार्टी के सदर के नेतृत्व में आप काम कर रहे हैं उन भजन लाल जी ने हरियाणा प्रदेश के रहते हुए वजीरे आला, मेवात के लिए क्या दिया है। जहां तक जिले बनाने का संबंध है जिला बनाने के लिए मेवात की हर बिरादरी के लोगों ने जो मेवाती के नाम से पुकारी जाती है, चालीस साल तक हरियाणा प्रदेश में शासन करती रही कांग्रेस पार्टी से मांग की लेकिन कांग्रेस पार्टी मेवात को जिला नहीं बना सकी। इसीलिए ही अब वहां के 36 बिरादरी के लोग जब तक जिन्दा हैं तब तक चौधरी साहब का अहसान नहीं भुला सकेंगे क्योंकि चालीस सालों तक आपकी पार्टी ने उन लोगों की मांग नहीं मानी लेकिन चौटाला साहब ने उनकी वह मांग मान ली। उपाध्यक्ष महोदय, दलाल साहब सत्यमेवपूरम नाम की भी बात कर रहे थे लेकिन इनको इसका मतलब पता नहीं है। ये वकील भी हैं इसलिए जरा मैं इसका मतलब बता दूं कि इसका क्या मतलब है। इनको शायद अभी भी यह मुगालता है कि यह जिला नहीं बना है लेकिन मैं इनको बताना चाहूंगा कि इंशाअल्लाह आदरणीय मुख्यमंत्री जी ने एनाउंस किया है कि 15 तारीख से पहले पहले यह जिला बन जाएगा इसलिए इनको अब कहने का मौका नहीं मिलेगा। जब इनकी सरकार थी तो कुछ किया नहीं और

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

[चौधरी मुहम्मद इलियास]

अब जब इनकी सरकार नहीं है तो ये 36 बिरादरी के लोगों को बेवकूफ बना रहे हैं। इसका मतलब तो यही है कि न नौ मन तेल होगा और न राधा नाचेगी। मैं दलाल साहब को बताना चाहूंगा कि जब चौधरी भजन लाल जी वजीरे आला थे तो इन्होंने क्या किया। 6 दिसम्बर,1992 में अयोध्या में मस्जिद टूटती है लेकिन उस समय मेवात के लोगों ने क्या किया था। अगर कहीं पर आग लगी थी तो उसकी चिंगारी तो सारे देश में ही फैली थी खाली मेवात में ही तो यह चिंगारी नहीं फैली थी। हम मानते हैं कि कुछ लोगों ने उस वक्त गलत काम किया था हम उनका समर्थन नहीं करते लेकिन भजन लाल जी जब वजीरे आला हरियाणा प्रदेश थे तब इन्होंने सिर्फ एक ही कम्युनिटी के लोगों को लाईसेंस दिए जबकि आज तक भी उनके वह लाईसेंस रिन्यू नहीं हुए हैं उस वक्त उनको हजारों लाईसेंस दे दिए गए थे क्या प्रजातंत्र इसको कहते हैं, क्या प्रजातांत्रिक प्रणाली इसको कहते हैं ऐसा इन्होंने जानबूझकर साम्प्रदायिक एतबार से किया था। लेकिन यह तो चौटाला साहब ही हैं जो 36 बिरादरी के लोगों को विश्वास में लेकर चलते हैं और सारे प्रदेश का नाम ऊंचा करते हैं । नायब सदर साहब, सत्यमेवजयते की जय । जय हिन्द। (विघ्न)

कैप्टन अजय सिंह यादव : मंत्री जी तो अपने हल्के के अपराधियों को प्रमोट करते हैं। (विघ्न)

श्री उपाध्यक्ष : कर्ण सिंह दलाल, आप बैठ जाएं। (शोर एवं व्यवधान) अब श्री धर्मवीर सिंह बोलेंगे।

श्री धर्मवीर सिंह (तोशाम) : उपाध्यक्ष महोदय, मैं इस अविश्वास प्रस्ताव के समर्थन में बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं क्योंकि हरियाणा प्रदेश की जनता का मौजूदा सरकार से विश्वास उठ चुका है। पांच साल से न केवल सदन में बल्कि लोगों के बीच में जा कर के पानी और बिजली के बारे में, विकास के बारे में सरकार के लोग प्रचार करते रहे। हर बार कहते थे कि पूरे पांच साल तक 24 घंटे बिजली दी जाएगी और हालत यह है कि प्रदेश के अंदर और खासकर किसान के पास 6 घंटे से ज्यादा बिजली नहीं है यही हालत पानी की है। पिछले दिनों हालांकि सरकार ने घोषणा कर दी कि हम बिजली पूरी तरह तो मुफ्त नहीं कर सकते हैं जैसा कि आश्वासन दिया था, लेकिन कुछ रियायत दे सकते हैं और उस रियायत में भी भेदभाव किया गया। सरकार की तरफ से जहां हमारे दक्षिणी हरियाणा में बहुत गहरा पानी है वहां पर तो किसान को 13 पैसे पर यूनिट का फायदा दिया गया। प्रदेश के बाकी कुछ इलाकों में 80 पैसे प्रति यूनिट का फायदा दिया गया। उपाध्यक्ष महोदय, पानी के लिए दक्षिणी हरियाणा का इलाका आज इंतजार करता है और जो पहले से सिस्टम चला हुआ था वह भी जब लोकसभा का चुनाव आया तो सिवानी जैसी नहर में अनऑथोराइज्ड तरीके से मोगे लगवा दिए गए जिससे बहल, सियानी, तोशाम, नियानी के इलाके में 2-2 महीने तक पीने का पानी नहीं जाता। मेरी मुख्यमंत्री जी से अपील है कि कम से कम पानी का तो समान बंटवारा किया जाए और जो इललीगल मोगे लगवाए हैं वह बंद किए जाएं। बार-बार पंजाब प्रदेश के मुख्यमंत्री ऐडवरटाइजमैंट देते हैं कि 59 लाख 60 हजार मिलियन एकड़ फिट पानी पंजाब की तीनों नदियों सतलुज, रावी और ब्यास से देते हैं। मैं पूछना चाहता हूं कि यह सारे का सारा हिस्सा पिछले कितने सालों से 2-3 जिलों में चलता है क्या दक्षिणी हरियाणा में उस पानी में से हिस्सा देना नहीं बनता। हमारा इलाका सूखे के कारण पीने के पानी के लिए तरसता है और कुछ इलाका ऐसा है जहां 15 मिनट पानी देने से एक किल्ला भर जाता है, यह भेदभाव पिछले कई सालों से चल रहा है। यह

पानी हमें कब दिया जाएगा। इसी प्रकार से बिजली के बारे में कहना चाहूंगा। उपाध्यक्ष महोदय, बिजली के सिंगल फेस के कनैक्शन के लिए हर बार दर्खास्त देते हैं थोड़ी बिजली खर्च होती है सिंगल फेस के कनैक्शन यदि दे दिए जाएं तो हमारे इलाके में इस बार बहुत अच्छी बिजाई हुई है, समय पर बारिश हुई है अगर समय पर बिजली और पानी नहीं मिला तो जितनी भी बिजाई की गई है वह फसल बेकार हो जाएगी इसलिए मेरी आपके माध्यम से प्रार्थना है कि समय रहते सारे प्रदेश को बिजली और पानी का समान वितरण करें, ताकि सिरसा, डबवाली, नरवाना जैसे इलाके और हिसार का ऊपर का इलाका है वहां पानी पहुंचे और जमीन खराब न हो और पानी हमारे इलाके को मिल सके।

श्री उपाध्यक्ष : अब आप वाईड अप करें।

श्री धर्मवीर सिंह : मैं वाइंड अप कर रहा हूं। एक हमारे सब डिवीजन तोशाम में मुख्यमंत्री जी एक साल पहले आश्वासन देकर आए थे कि एक जनवरी, 2004 से आपके सब डिवीजन के ऑफिस वहां चले जाएंगे लेकिन वहां एस०डी०एम० तो दूर की बात है आज तक क्लर्क भी नहीं गया। इसी प्रकार से डिप्टी स्पीकर सर, आज जो गेहूं का बीज,सरसों का बीज और चने का बीज चल रहा है आज हरियाणा में जो बीज भण्डार के प्राईवेट ऐजंट बैठे हैं जो डी०ए०पी० खाद बेचते हैं वे उच्च अधिकारियों से मिलकर किसानों को गुमराह करते हैं कि इस किस्म के गेहूं का बीज खरीदोगा तभी खाद मिलेगा। मेरा आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध है कि ऐसे अधिकारियों पर सख्ती करें।

श्री उपाध्यक्ष : धर्मवीर जी, वाईड अप करें।

श्री धर्मवीर सिंह : डिप्टी स्पीकर सर, हांसी, तोशाम, बहल की सड़कों का इतना बुरा हाल है कि वहां ट्रैक्टर भी नहीं जा सकता। हांसी से हाजमपुर, जमालपुर, तोशाम और बहल जायें तो वहां की सड़कें ऐसी हैं कि वहां आदमी पैदल भी नहीं जा सकता। लुहाणी से असलपुर, हेतमपुरा से दहलानगढ़, गोदपुरा के पांच गांवों में शहर के सीवरेज का पानी पीने के लिए दिया जाता है। मेरा अनुरोध है कि उस गन्दे पानी का सिंचाई के लिए प्रयोग किया जाये।

श्री उपाध्यक्ष : धर्मवीर जी, वाईड अप करें। आप बैठ जायें।

श्री धर्मवीर सिंह : उपाध्यक्ष महोदय, मैं इस अविश्वास प्रस्ताव का समर्थन करता हूं और आप लोगों से भी अनुरोध करता हूं कि आप भी हमारा साथ दें।

श्रीमती अनिता यादव (साल्हावास) : डिप्टी स्पीकर सर, आपने मुझे अविश्वास प्रस्ताव पर बोलने के लिए समय दिया उसके लिए मैं आपका धन्यवाद करती हूं और इस अविश्वास प्रस्ताव का समर्थन करती हूं। मेरे कई माननीय सदस्यों ने इस प्रस्ताव पर आपत्ति दर्ज की थी कि हमें यह अविश्वास प्रस्ताव क्यों लाना पड़ा इस अविश्वास प्रस्ताव को लाने की नौबत क्यों आई क्यों ? आज कांग्रेस पार्टी यह अविश्वास प्रस्ताव लेकर आई है। मैं आपके माध्यम से इस सदन को और जो यहां पर हरियाणा के लोग बैठे हुए हैं उनको बताना चाहती हूं कि हमें यह अविश्वास प्रस्ताव लाने के लिए कौन सी आपत्ति हुई (शोर) * * * * * * * * * *

श्री उपाध्यक्ष : यह जो * * * * * * * * * * शब्द अनिता जी ने बोले हैं ये कार्यवाही से निकाल दिए जायें।

---

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

श्रीमती अनिता यादव : * * * * * * * * * *

श्री उपाध्यक्ष : यह शब्द को ठीक करें।

श्रीमति अनिता यादव : कांग्रेस पार्टी ने अपना मैनीफैस्टो तैयार कर लिया है * * * * * * * * * *

श्री उपाध्यक्ष : अनिता जी, आपने मैनीफैस्टो कब तैयार कर लिया आपने अभी कहा कि हमने मैनीफैस्टो तैयार कर लिया है। आप यह बात हाउस में बोल रही हैं।

श्रीमती अनिता यादव : उपाध्यक्ष महोदय, जो चार्ज शीट कल दिखाई थी।

श्री उपाध्यक्ष : अनिता जी, आपने मैनीफैस्टो के बारे में कहा है। मैनीफैस्टो और चार्जशीट में बहुत अन्तर होता है। आप चौधरी भजन लाल जी से पूछ लें।

श्रीमती अनिता यादव : उपाध्यक्ष महोदय, चार्जशीट ही कहा है मैनीफैस्टो कहा है तो इसके लिए मैं सौरी कहती हूं। * * * * * * * * * *

श्री उपाध्यक्ष : आप फिर गलती करेंगी।

श्रीमती अनिता यादव : उपाध्यक्ष महोदय, * * * * * * * * * *

श्री उपाध्यक्ष : ये शब्द कार्यवाही से निकाल दें।

श्रीमती अनिता यादव : उपाध्यक्ष महोदय, जब कांग्रेस पार्टी ने इस प्रदेश का शासन छोड़ा था, उस समय प्रदेश पर आठ हजार करोड़ का कर्जा था। लेकिन आज 35 हजार करोड़ रुपये का कर्जा है। आज जो बच्चा पैदा होता है तो उस पर कितना कर्जा हुआ यह आप देख सकते हैं। माननीय मुख्यमंत्री जी बैठे हुए हैं। (शोर एवं व्यवधान) "सरकार आपके द्वार" कार्यक्रम के तहत हमारा एक सरपंच मुख्यमंत्री महोदय के पास आया और कहने लगा कि मेरे बेटे को हरियाणा पुलिस में नौकरी चाहिए तो मुख्यमंत्री जी ने कहा कि तू किस गांव का सरपंच है। उसने गांव का नाम बताया कि मैं नुंशा गांव का सरपंच हूं तो मुख्यमंत्री जी ने कहा कि गांव का सरपंच होकर तेरा बेटा पुलिस की नौकरी करके क्या करेगा, बैल्ट की नौकरी करके क्या करेगा, खा पी और मौज कर। इस प्रकार का मालिक प्रदेश का मुख्यमंत्री अगर यह कहे कि खा पी और मौज कर और बैल्ट की नौकरी करके क्या करेगा और इस तरीके से बात करेगा तो देश कहां जाएगा। देश किस गर्दिश में जा रहा है। (शोर एवं व्यवधान) किस तरह के खूंखार अपराधियों को हमारे सामने चुनाव लड़वाते हैं। मैंने कल ही पेपर में पढ़ा कि पूर्व विधायक हुक्म सिंह के भाई महासिंह को रात 11 बजे बदमाशों ने मार गिराया। इसी तरीके से मेरे सालहावास हल्के में नौगांव है वहां कंवल सिंह और उसकी पत्नी दोनों को 6 बजे बदमाशों ने गोलियों से भून दिया। (शोर एवं व्यवधान) मैं अगले दिन 11 बजे मौके पर गई। 11 बजे से 3 बजे तक मैंने प्रशासन से सारी कार्यवाही करवाई और डैड बॉडी को उठवाया। (शोर एवं व्यवधान)

श्री उपाध्यक्ष : अनिता जी, आप चेयर को एड्रैस करें। (विघ्न)

---

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

श्रीमती अनिता यादव : उपाध्यक्ष महोदय, मुझे अफसोस इस बात का है कि उन्हीं के घर के लोगों को मुजरिम बनाया जा रहा है कि तुमने उनको मारा है, गांव के लोगों का भाई चारा खत्म करवा कर गांव के लोगों को ही पकड़वाया जा रहा है, उनको मुजरिम बनाया जा रहा है, वे असली मुजरिम को क्यों नहीं पकड़ते । आसलवास गांव के 10वीं के एक स्टूडैंट संदीप, पुत्र श्री सतपाल को 29 तारीख को उठा लिया गया और वह आज तक नहीं मिला और प्रशासन आंखें बन्द करके बैठा है। (विघ्न) ये लोग यहां खिल्ली उड़ाते हैं, उसके मां बाप से पूछो कि उनका क्या हाल है। कोई पुलिस को उसके बारे में पूछता है तो पुलिस कहती है कि उसका नाम बता दो जिसने उठाया है, पुलिस उसको पकड़ लेगी। (शोर एवं व्यवधान) ये विकास कार्यों की बात करते हैं। मेरी कांस्टीच्यूएंसी में शिव कालोनी, रेलवे स्टेशन कोसली वालों ने, ग्राम पंचायत माखली, विकास नगर, नई बस्ती, भोगल बस्ती वालों ने मुझे वोट देकर क्या गुनाह किया है कि वहां नालियां तक नहीं बनाई गई और ये विकास का ढिंढ़ोरा पीटते हैं। अन्त में मैं इस अविश्वास प्रस्ताव का समर्थन करती हूं।

श्री भगवान सहाय रावत (हथीन) : आदरणीय उपाध्यक्ष महोदय, सर्वप्रथम तो मैं आपका धन्यवाद करना चाहूंगा कि आपने मुझे अपने विचार व्यक्त करने का अवसर इस अविश्वास प्रस्ताव पर दिया। मैं इसके विरोध में बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं। माननीय उपाध्यक्ष महोदय, मेरे भाई विधायक अनिल विज जी ने यह बताया था कि अविश्वास प्रस्ताव का बड़ा सीधा सा मतलब क्या है। विधायक बनने से पहले मैं एक अध्यापक रहा हूं और भाषा की दृष्टि से माननीय विपक्ष के साथियों का अविश्वास प्रस्तव के औचित्य की तरफ ध्यान आकर्षित करना चाहूंगा। अविश्वास प्रस्ताव का मतलब यही होता है कि सरकार के कार्यों में अविश्वास होना। मेरे विपक्ष के साथी यह भलीभांति जानते हैं कि ये केवल जनता की आई वाश करने के लिए, विकास को नजर अंदाज करके इन्होंने यह अविश्वास प्रस्ताव प्रस्तुत किया है इनको संख्या का, बल का पता है और यहां की स्थिति से भी ये अच्छी तरह से अवगत हैं और इस अविश्वास प्रस्ताव का क्या हश्र होने वाला है यह भी ये अच्छी तरह जानते हैं। किसी प्रकार का कोई मुद्दा इनके पास नहीं है और अनावश्यक ही सदन का समय बर्बाद करने का प्रयास इन्होंने इस अविश्वास प्रस्ताव के जरिये किया है। माननीय उपाध्यक्ष महोदय, 1947 में जब देश आज़ाद हुआ था तब से अधिकांश समय सत्ता में इन लोगों ने ही बिताये हैं लेकिन पिछले 56 सालों में इन लोगों ने देश के हित में कुछ नहीं किया। आज दुनियां के सामने देश झोली फैलाकर खड़ा है तो hey are fully responsible for these developments. शिक्षा के नाम पर सबसे कम पैसे का बजट इन लोगों की सरकार के समय में आता था और आज ये लोग शिक्षा की बात करते हैं, विकास की और कानून-व्यवस्था की बात करते हैं। सही मायने में उपाध्यक्ष महोदय, आज चौटाला साहब ने पाश्चात्य सभ्यता-संस्कृति जो विकास का प्रतीक है। उन्होंने अपने अनुभव के आधार पर भारतीय सभ्यता और संस्कृति का सम्मिश्रण करके हरियाणा को देश का प्रथम राज्य बनाने का प्रयास किया है। हमारी सरकार ने सबसे ज्यादा बजट शिक्षा पर व्यय किया है। चौधरी बंसीलाल जी यहां हाउस में उपस्थित नहीं हैं उन्होंने अपने शासनकाल की उपलब्धियां तो बताई नहीं लेकिन मैं 1972 में उनका भुगतभोगी हूं जब उन्होंने पंचायती राज संस्थाओं को अबोलिश कर दिया था। I was the member of the Zila Parisad at that time when Chaudhary Bansi Lal was the Chief Minister of the State. उस समय उन्होंने सबसे पहले अपने आदमियों के हारने के बाद जिला परिषदों को अबोलिश कर दिया था। दोबारा जब उनको विकास पार्टी के माध्यम से मुख्यमंत्री बनने का मौका मिला तो उन्होंने शराबन्दी लागू करके प्रदेश के नौजवानों को रास्ते से भटकाया। मेरे साथी कर्ण सिंह दलाल सदन से चले गये हैं मैं उनका

[श्री भगवान सहाय रावत]

पड़ोसी हूं और उनके बारे में भलीभांति जानता हूं। उस समय शराब की तस्करी में जो गाडियां पकड़ी जाती थीं वे उनके मंत्रियों की हुआ करती थी। श्री सुरेन्द्र सिंह जी और दूसरे बंसी लाल जी के चहेते लोगों ने उस समय शराबबन्दी के नाम पर प्रदेश के नौजवानों को पथभ्रष्ट करके उनको अंधकार की तरफ धकेल दिया था। माननीय ओम प्रकाश चौटाला जी ने और विशेषकर भाई अभय सिंह चौटाला जी ने खेलों को बहुत बढ़ावा दिया है। जहां 100 करोड़ की आबादी का भारतवर्ष पहले कभी ओलम्पिकस में एक भी मैडल लेकर कोई खिलाड़ी नहीं आता था आज खिलाड़ियों को हमारी सरकार ने अत्याधिक सुविधाएं दी हैं जिससे हमारे हरियाणा प्रदेश का नाम रोशन हुआ है। उपाध्यक्ष महोदय, मैं मेवात से संबंध रखता हूं। पहले मेवात डवैल्पमैंट बोर्ड बना लेकिन मेवात डवैल्पमैंट बोर्ड बनने के बाद भी शिक्षा की दृष्टि से, आर्थिक दृष्टि से और औद्योगिक दृष्टि से किसी भी तरह का विकास वहां नहीं हुआ। माननीय ओम प्रकाश चौटाला जी ने सबसे पहले 2 अक्तूबर को वहां जिला बनाने की घोषणा की और साथ में मेवात नहर बनाने की भी घोषणा की ताकि उस क्षेत्र का विकास हो सके। वहां पर एक भी पोलीटैक्निक कालेज नहीं था, वहां पोलीटैक्निक कालेज बनवाया और आज वहां चौटाला साहब माडल स्कूल की स्थापना कर रहे हैं। इस तरह से करोड़ों रुपये वहां शिक्षा पर व्यय किया है। इसके साथ ही एक ऐसी बात उपाध्यक्ष महोदय, मैं बताना चाहूंगा जो चौटाला साहब की सूझबूझ का परिचायक है। ग्राम नगर आयोजना विभाग के द्वारा पिछली सरकारों के समय में नगरों का विकास हुआ है लेकिन माननीय चौटाला जी ने पहली बार उस विवाद का शाब्दिक अर्थ पूछ करके अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी सुविधाएं नगरों के साथ-साथ गावों में भी दी जानी चाहिएं। उपाध्यक्ष महोदय, इस बात का मुझे फक्र हो रहा है कि अभी दो तीन दिन पहले मेरे हथीन गांव में चौधरी देवी लाल पार्क का उद्घाटन किया है और साथ में वहां हुडडा के सैक्टर का शुभारम्भ किया है। उपाध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार ने हर ब्लॉक में एक गांव को चुना है जिसमें शिक्षा, कम्पलैक्स आदि हर तरह की सुविधाएं दी जायेंगी। उपाध्यक्ष महोदय, चौधरी बंसी लाल जी ने विकास समितियों आदि के बारे में जिक्र किया। मैंने पहले भी कहा है कि पिछले 56 सालों से इस देश में कांग्रेस अधिकांश समय शासन में रही है। इन्होंने चारों संस्थाओं को यहां नष्ट-भ्रष्ट कर दिया था। इस सामाजिक विकास के लिए, सामाजिक व्यवस्था को मजबूत करने के लिए सबसे पहले स्त्रियों को मान सम्मान और उसकी शिक्षा की जरूरत है इन लोगों ने उसको रौंदकर रख दिया था। स्त्रियों की शिक्षा की तरफ और नकल जैसी बुराई की तरफ इन्होंने कोई ध्यान नहीं दिया। लेकिन माननीय ओम प्रकाश चौटाला जी ने इन चारों संस्थाओं को मजबूत किया है। मैं बताना चाहता हूं कि विकास समितियों का मामला इसलिए आया है कि अधिकारियों के साथ-साथ ग्राम के चहेतों, जन प्रतिनिधियों, बुजर्गों, फौजियों और महिलाओं सहित सबकी विकास में भागीदारी शामिल हो सके। जब मुख्यमंत्री जी ने यह देखा कि यहां पर ह्यूमन गिरावट आई है उसको डिस्कश करके दोबारा से सुधार किया। उपाध्यक्ष महोदय, मैं यह कहना चाहता हूं और जगमोहन जी का उदाहरण देना चाहता हूं, वे केन्द्र में मंत्री रहे हैं। उन्होंने अपने विभाग में कुछ बेसिक स्ट्रैक्चर को सुधारने का काम किया है। माननीय चौटाला साहब ने संस्थागत मजबूती करने का काम किया है। मैंने जैसे कहा नकल, बिजली चोरी, पानी चोरी, नाजायज कब्जे जैसे बुराईयों पर कोई भी वोट का आधार डिसीजन नहीं लेता है लेकिन इसके लिए मैं माननीय मुख्यमंत्री जी को बधाई देना चाहता हूं कि उन्होंने सामाजिक व्यवस्था को मजबूत करने के लिए इन बुराईयों पर पाबन्दी लगाने का काम किया है। चौटाला साहब ने बिजली की चोरी, पानी की चोरी जैसी बुराईयों पर कोई कम्प्रोमाईज नहीं

किया। पहले जहां फरीदाबाद जैसे शहर में नाथायज कब्जों पर जो झुग्गी-झोपड़ी कांग्रेस के लोग डलवाते थे फिर दोबारा कहीं और उठवा देते थे वहां पर सारा दबाकर रख दिया था आज वहां करोड़ों रुपये की आमदनी हो रही है और राज्य के विकास में अपनी भागीदारी दे रहे हैं। उपाध्यक्ष महोदय, मैं इस अविश्वास प्रस्ताव का विरोध करता हूं और आपने मुझे बोलने का समय दिया इसके लिए आपका धन्यवाद करता हूं।

राव दान सिंह (महेन्द्रगढ़) : आदरणीय उपाध्यक्ष महोदय, आपने मुझे अविश्वास प्रस्ताव के समर्थन में बोलने के लिए समय दिया उसके लिए मैं आपका आभार प्रकट करता हूं। यह सर्वविदित है कि हिन्दुस्तान की प्रजातंत्र की जड़ें कितनी गहरी हैं। पाकिस्तान जैसे तानाशाह देश के लोग भी इस बात की ईर्ष्या रखते हैं कि हमारे साथ प्रयास करने के बावजूद, उग्रवादी और आतंकवादी घटनाओं के बावजूद हम हिन्दुस्तान के लोगों से प्रजातंत्र के कटु विश्वास को नहीं हिला सके। लेकिन अफसोस इस बात का है कि इसी प्रजातंत्र के अन्दर हमारे हाउस के चुने हुए नुमाइन्दे और सरकारें आज उसकी चूलें हिला रही हैं। जिस आशा, अपेक्षा और उमंग के साथ साढ़े चार साल पहले इनेलो-भाजपा के गठबंधन की सरकार को लोगों ने मत देकर सत्ता पर आसीन किया, उस बारे में लोगों की सोच थी कि सत्ता के घोड़े बदलने से शायद प्रदेश के अन्दर तरक्की और विकास की नदियां बहें, शान्ति और चैन आये। बेरोजगारों को रोजगार मिले लेकिन मुझे कहते हुए अफसोस होता है कि इन साढ़े चार सालों के कटु अनुभव के बाद यह बात आज साबित हो चुकी है कि कोई भी वर्ग सरकार से खुश नहीं है। कर्मचारी नाराज हैं, व्यापारी नाराज हैं और किसान आंसू बहा रहा है। उनकी एक-एक आशा उनकी निराशा में बदल चुकी है। जो अपेक्षाएं थीं वह उपेक्षाओं में बदल चुकी हैं। जिस उमंग को लेकर राज का परिवर्तन किया गया आज वह गोली और लाठी की दहशत में बदल चुका है। ऐसे हालत की वजह से आज अविश्वास प्रस्ताव लाना पड़ा क्योंकि सरकार की कथनी और करनी में अन्तर रहा है। आज राजा मां के पेट से नहीं बल्कि मत की पेटी से पैदा होता है। यह मत की पेटी राजा के पास नहीं है बल्कि जनता के पास होती है। जब जनता ने इनको सत्ता पर आसीन किया तो फिर इनकी कथनी और करनी में अन्तर क्यों आया ? ये भाई रामराज और लोकलाज से राज चलाने की बात करते थे, आज वह रामराज और लोकलाज कहां पर है ? ओम प्रकाश चौटाला साइब जब से मुख्यमंत्री बने हैं, आप लोगों ने भी देखा होगा कि रोड के ऊपर गुजरते हुए पूरे हरियाणा को पाट कर रखा है प्रगति का आधार, सरकार आपके द्वार । उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से बताना चाहता हूं कि पूरे प्रदेश में कितने ही द्वार लगे हों लेकिन मेरा क्षेत्र महेन्द्रगढ़ एक ऐसा क्षेत्र है जहां पर आज तक एक भी सरकार आपके द्वार प्रोग्राम नहीं हो सका।

मुख्यमंत्री (श्री ओम प्रकाश चौटाला) : दान सिंह जी आप सम्मानित सदस्य हैं। सदन में गलत ब्यानी मत करो। आप यह मत कहो कि महेन्द्रगढ़ में सरकार आपके द्वार नहीं लगा। ऐसा गलत बोलना अच्छा नहीं लगता। आप द्वारा ऐसा कहना आप लोगों को शोभा नहीं देता। वहां पर मैं गया हूं। आपको कोई गलत ब्यानी नहीं करनी चाहिए।

श्री उपाध्यक्ष : दान सिंह जी आप वाईंडअप करें।

राव दान सिंह : जहां तक शिक्षा की बात आती है, अभी चौधरी सम्पत सिंह जी कह रहे थे कि उन्होंने 35 नए कालेजों को जिनमें इन्जीनियरिंग कालेज, डेन्टल कालेज और मैडिकल कालेज हैं, को एन०ओ०सी० दिया है। मैं आपके माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री महोदय को बताना चाहता

[राव दान सिंह]

हूं कि वह कनीना में गए थे। वहां के लोगों ने आपसे एक निवेदन किया था कि हमें किसी सरकार की सहायता की आवश्यकता नहीं है बल्कि हमने गाढ़े खून पसीने की कमाई से एक इमारत बना के खड़ी कर रखी है, मात्र आप उसे एन०ओ०सी० दे दें लेकिन इस तरफ कोई ध्यान नहीं दिया गया और इमारत आज भी एन०ओ०सी० की बाट जोह रही है । मेरा कहना है कि जब लोगों का सरकार पर विश्वास था तो उस विश्वास को सरकार को बनाकर रखना चाहिए था।

श्री उपाध्यक्ष : सम्पत सिंह जी ने जितना कहा है क्या उससे आप डिफर करते हैं।

राव दान सिंह : जब हमें नहीं मिला तो मैं तो डिफर करूंगा।

वित्त मंत्री (प्रो० सम्पत सिंह) : डिप्टी स्पीकर साहब, मैंने केवल 35 इन्जीनियरिंग कालेजों की बात कही थी इन्होंने तो सारे कालेज इन्हीं 35 में जोड़ दिए जबकि उनकी संख्या तो ज्यादा है।

राव दान सिंह : उपाध्यक्ष महोदय, जहां तक किसान की बात आती है। तो किसान को

12.00 बजे सिंचाई के लिए बिजली मात्र दो या तीन घण्टे मिलती है। अगर बिजली का ट्रांसफार्मर जल जाता है तो 4-4 दिन तक उसे बदला नहीं जाता है जिसकी वजह से बिजाई की हुई फसल नष्ट होती जा रही है। जहां तक प्रशासन का सम्बन्ध है, चारों तरफ भ्रष्टाचार फैला हुआ है। आज प्रदेश की जनता सरकार से राहत की अपेक्षा करती है लेकिन जब जनता का विश्वास सरकार में नहीं है तो सरकार को सत्ता में रहने का कोई अधिकार नहीं है। **(इस समय श्री अध्यक्ष पदासीन हुए)** अध्यक्ष महोदय, हालांकि समय ज्यादा नहीं बचा है लेकिन फिर भी मैं इस अविश्वास प्रस्ताव के समर्थन में बोलता हूं और निवेदन करता हूं कि लोक सभा चुनावों के अन्दर लोगों ने जो शीशा दिखाया था आने वाले विधान सभा चुनावों में ऐसा शीशा न दिखाएं इसलिए वक्त से पहले सम्भलने की जरूरत है। इन शब्दों के साथ मैं अपनी बात समाप्त करते हुए अपना स्थान ग्रहण करता हूं। धन्यवाद।

ग्राम एवं आयोजना मन्त्री (श्री धीरपाल सिंह) : आदरणीय अध्यक्ष जी, आज विपक्ष की तरफ से जो प्रस्ताव आया है मैं उसका विरोध करता हूं। कांग्रेस पार्टी के लोग अपनी झेंप मिटाने के लिए यह अविश्वास प्रस्ताव लेकर आए हैं। इन लोगों ने एक भी ऐसी बात नहीं कि जिससे यह अहसास हो कि कांग्रेस पार्टी विरोधी पक्ष की भूमिका निभाने में सक्षम है। कई लोग हल्कों की बात कह रहे हैं। इन लोगों को अपनी बात कहने के लिए अनेक अवसर मिले हैं लेकिन इनको जब भी समय मिला इन्होंने यही बातें कहीं। माननीय मुख्य मन्त्री जी ने "सरकार आपके द्वार" कार्यक्रम के अन्तर्गत अनेक गांवों में सम्मानित सरपंच साहेबान और दूसरे लोगों से बात की। वे यहां पर कह रहे थे कि उन्होंने उनको सुनकर उनकी समस्याओं का समाधान करने का कार्य किया है। आज जो यहां पर अविश्वास प्रस्ताव प्रस्तुत किया है वह यह दर्शाता है कि कांग्रेस पार्टी भयभीत है, विचलित है और गैर जिम्मेदाराना कार्य कर रही है। बाहर जा कर अखबारों में या किसी और माध्यम से इन्होंने जो लम्बा चौड़ा शोर शराबा पैदा किया था और माहौल को खराब करने की कोशिश की थी उसी बात को आज दर्शक दीर्घा भी दर्शाती है और लोग इस बात को सुनने और देखने के लिए आये थे। ये लोग भूल जाते हैं लोक सभा। लोक सभा के चुनाव में कांग्रेस पार्टी ने आम आदमी को किसान से लेकर मजदूर, व्यापारी, दुकानदार, कारखानेदार को इतना भयभीत कर दिया था इतना डरा दिया

था कि कोई भी किसान कहीं शहर में जाता था तो उसके कान में एक ही आवाज डाली जाती थी कि तेरा खेत गया, मजदूर के कान में यह बात डाली जाती थी कि तेरी मजदूरी गई, वैट खा गया है। लोगों को यह विश्वास दिलाया गया था कि चुनाव के बाद अगर हिन्दुस्तान में मतदाता के समर्थन से सरकार बनती है तो इस वैट को सरकार फाड़ कर फैंक देगी। कांग्रेस पार्टी की न कोई जात है न कोई जमात है और न ही इन्सानियत है। अध्यक्ष महोदय, अगर कांग्रेस पार्टी में इन्सानियत और खुद्दारी नाम की कोई चीज होती तो वैट के नाम पर लड़ने वाले कांग्रेस पार्टी के लोग लोक सभा से इस्तीफा देकर हरियाणा प्रदेश की जनता से मुआफी मांगने का काम करते। (विघ्न)

श्री मांगे राम गुप्ता: अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है । (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, चौधरी धीरपाल सिंह जी से मुझे उम्मीद नहीं थी कि वे इस तरह की भाषा का इस्तेमाल करेंगे। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : गुप्ता जी, उनकी भाषा तो ठीक थी लेकिन शायद आपको चरचरी लगी। (विघ्न)

श्री मांगे राम गुप्ता : धीरपाल जी की बात मुझे चरचरी नहीं लगी। स्पीकर सर, कांग्रेस पार्टी ने लोक सभा के चुनाव में जो बात कही थी हम आज भी उस पर मौजूद हैं।

श्री अध्यक्ष : आपने वैट का विरोध किया था या कुछ और किया था। आप बैठ जाएं मांगे राम जी बैठें! (शोर एवं व्यवधान)

श्री मांगे राम गुप्ता : अध्यक्ष महोदय, आप मुझे अपनी बात तो बोलने दें।

श्री अध्यक्ष : आपका बोलने वालों में नाम तो नहीं है।

श्री मांगे राम गुप्ता : अध्यक्ष महोदय, मैं ऑन ए प्वायंट आफ आर्डर पर बोल रहा हूं। हमने उस समय जो बात कही थी वह हम आज भी मानते हैं। हमने यह कहा था कि हरियाणा सरकार ने जो वैट लागू किया है और अगर हरियाणा में हमारी सरकार आएगी तथा उस समय सारे भारत में वैट लागू नहीं हुआ होगा तो हम हरियाणा से वैट को खत्म करेंगे। हमने यह वायदा हरियाणा की जनता से किया था।

मुख्यमंत्री (श्री ओम प्रकाश चौटाला) : अध्यक्ष महोदय, मुझे गुप्ता जी से यह उम्मीद नहीं थी कि वे भी इस तरह से अनर्गल बात कहेंगे। मैं सदन में यह बताना चाहूंगा कि कांग्रेस पार्टी का मुख्य मुद्दा वैट था। इन्होंने वोट इस बारे में ही मांगे थे कि अगर हमारी सरकार केन्द्र में बनेगी तो हम हरियाणा से वैट को जड़-मूल से समाप्त कर देंगे। अध्यक्ष महोदय, केन्द्रीय वित्तमंत्री पी० चिदम्बरम जी की अध्यक्षता में सभी राज्यों के वित्त मंत्रियों कि एक मीटिंग हुई थी और उस मीटिंग में निर्णय लिया गया था कि 1 अप्रैल, 2005 से पूरे देश में वैट प्रणाली लागू की जाएगी। इसके साथ ही उस मीटिंग में वैट लागू करने के लिए धीमे से हरियाणा सरकार की भूरी-भूरी प्रशंसा भी की गई। हरियाणा सरकार द्वारा उठाए गए कदम की सराहना की गई। वित्तमंत्री जी ने अपने बजट के अन्दर राशी से कहा था कि आप खुद हरियाणा में जाकर देखें कि वे किस तरह से इस पर अमल कर रहे हैं। कायदे के मुताबिक आपने वैट पर लोगों से वोट मांगे थे और अब आप उस पर कुछ नहीं कर पाए। धीर पाल जी ने बिल्कुल सही कहा है कि आप सभी को त्यागपत्र दे देना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, 5-6 यहां पर बैठे हुए थे और भजन लाल जी उनको बरगला दिया और वे भी इनकी बातों में आ गए और ये खुद राजा बने बैठे हैं। यही तो ये चाहते थे। (शोर एवं व्यवधान)

श्री धीर पाल सिंह : अध्यक्ष महोदय, माननीय साथी कर्ण सिंह दलाल जी ने बोलते हुए हमारे विभाग से सम्बन्धित कोई गैर-जिम्मेदाराना बात कही है। शायद इन्होंने ऐसी बात करके लोगों को प्रभावित करने की कोशिश की है। इन्होंने बताया कि मैडी सीटी की जो जमीन है उसका भाव 15 करोड़ रुपए प्रति एकड़ है। अध्यक्ष महोदय, वहां पर जमीन देने की सभी प्रक्रियाएं पूरी हो चुकी हैं। अध्यक्ष महोदय, लोगों को आधुनिक चिकित्सा देने के लिए 43 एकड़ जमीन डाक्टर त्रेहन को दी है। जैसा कि कर्ण सिंह दलाल जी ने कहा है कि उस जमीन का रेट 15 करोड़ रुपए प्रति एकड़ है तो मैं डाक्टर साहब से इस बारे में बात करूंगा और भाई कर्ण सिंह दलाल जी भी इसको लेने के लिए तैयार रहें।

श्री कर्ण सिंह दलाल : मुझे मंजूर है।

श्री अध्यक्ष : आप इतना पैसा कहां से लाएंगे।

श्री गोपी चन्द गहलोत : अध्यक्ष महोदय, आज की कार्यवाही में मेरे एक मित्र ने अग्रोहा ट्रस्ट के बारे में एक बात कही है। अध्यक्ष महोदय, उनको 275 एकड़ लैंड दी गई है और वहां पर मैडिकल कालेज और हास्पिटल बना है। मैं सदन की इन्फर्मेशन के लिए बताना चाहूंगा कि जो जमीन मैडी सिटी के लिए दी गई है वह मेरे गांव की जमीन है। 90 एकड़ जमीन में पिछली सरकारें भी प्लानिंग थी उसमें जेल बनाने की लेकिन उसको एक अच्छे ढंग से कन्वर्ट करके आज इतना बढ़िया स्पोर्टस कम्पलैक्स बनाया गया है और उसके साथ लगती 43 एकड़ जमीन ऐसे शख्स को दी गयी है जो मेरे ख्याल में देश का ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया का सबसे बढ़िया डाक्टर है और वह डाक्टर है त्रेहन। अध्यक्ष महोदय, मैं आदरणीय धीरपाल जी और दूसरे मंत्रियों से पूछना चाहता हूं कि जब अग्रोहा की जमीन एक रुपये एकड़ के हिसाब से दी जा सकती है तो गुड़गांव जो आज इतनी तेजी से बढ़ रहा है, विकसित हो रहा है और जहां पर आज चिकित्सा जैसी सुविधाओं की बहुत जरूरत है, वहां पर डाक्टर त्रेहन जैसी शख्सियत को अगर एक रुपये एकड़ के हिसाब से भी जमीन देनी पड़े तो अध्यक्ष महोदय, मैं धीरपाल जी से कहूंगा कि उनको वह जमीन दी जानी चाहिए। ये लोग तो सस्ती लोकप्रियता हासिल करने के लिए ऐसी बातें करते हैं। डा० त्रेहन को आज किस चीज की जरूरत है उनको तो मनाया गया है। मैं चौधरी साहब को बधाई दूंगा कि उन्होंने वह जमीन दुनिया के सबसे अमीर जो लोग थे, उनको नहीं दी बल्कि उन्होंने वहां की वह जमीन दुनिया के सबसे बढ़िया डाक्टर त्रेहन को दी। इसके लिए सारे गुड़गांववासी इनके आभारी हैं।

श्री अभय सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से अपने इन साथियों को बताना चाहूंगा कि जिस डाक्टर त्रेहन को मैडी सिटी की जमीन अलोट की गयी है और जिस भाव पर उनको वह जमीन अलोट की गयी है वह उसी भाव पर और रेट पर दी गयी है जिस भाव और रेट पर दूसरी अलग-अलग संस्थाओं को और जमीनें दी जाती हैं लेकिन मेरे सम्मानित साथियों को शायद इस बात का अंदाजा नहीं है कि उस डाक्टर त्रेहन को तरले निकालकर उस वक्त के हमारे देश के प्रधानमंत्री राजीव गांधी ही लेकर आये थे। उन्होंने उनसे कहा था कि आप जैसे डाक्टर की हमारे देश को सख्त जरूरत है इसलिए आप हमारे देश में चलें और हमारे देश के लोगों को चिकित्सा सुविधा दें। लेकिन ये लोग आज जिस तरह से उनके द्वारा लाए गए आदमी पर इस किस्म की ओछी टीका-टिप्पणी कर रहे हैं वह इनकी मानसिकता को दर्शाता है कि ये देश और प्रदेश के कितने शुभचिन्तक हैं।

श्री कर्ण सिंह दलाल : स्पीकर साहब, मुझे भी कुछ कहना है आप मेरी बात सुनिए।

श्री अध्यक्ष : नहीं-नहीं दलाल साहब, आप बैठिए। आपका इसमें क्या है ? आपका इसमें कुछ नहीं है। आप बैठिए।

श्री कर्ण सिंह दलाल : स्पीकर साहब, * * *

श्री अध्यक्ष : दलाल साहब, आप बैठिए। इनकी कोई बात रिकार्ड न की जाए।

नगर एवं ग्राम आयोजना मन्त्री (श्री धीरपाल सिंह) : अध्यक्ष महोदय, मैं आपको बताना चाहूंगा कि प्रदेश और देश के अखबारों में विभाग की तरफ से पहली बार 31-3-2002 को इस साईट के लिए विज्ञापित किया गया लेकिन कोई भी प्रार्थना पत्र इस बारे में नहीं आया। फिर 18-8-2002 को दूसरी बार इसी साईट को विज्ञापित किया गया लेकिन इस बार भी कोई प्रार्थना पत्र नहीं आया। तीसरी बार 1-2-2004 को फिर इस साईट के लिए विज्ञापन दिया गया और इस बार चार प्रार्थना पत्र आए। पहला प्रार्थना पत्र फोर्टीज हैल्थ केयर की तरफ से आया, दूसरा प्रार्थना पत्र अपोलो टायर की तरफ से आया, तीसरा प्रार्थना पत्र श्रीमती शांति किशोर की तरफ से आया और चौथा प्रार्थना पत्र डा० त्रेहन की तरफ से आया । इन्होंने जो यह कहा कि किस आधार पर उनको जमीन दी गयी है मैं उनको बताना चाहूंगा कि इस काम के लिए एक जांच कमेटी बनी । इस जांच कमेटी में सी०ए०, हुडडा, महानिदेशक, स्वास्थ्य सेवाएं, प्रशासक हुडडा एवं कंट्रोलर हुडडा थे। इस कमेटी के चयन के आधार पर ही डा० त्रेहन का चयन किया गया और जो रेट निर्धारित किए गए थे वह रेट था 1.5 करोड़ रुपये पर एकड़ के हिसाब से कुल जमीन 43 एकड़ दी गई। डा० त्रेहन ने एक करोड़ 57 लाख रुपये पर एकड़ जो भाव निर्धारित किया था और विश्व स्तर की स्वास्थ्य सेवाएं गुड़गांव और गुड़गांव के आसपास के इलाके में प्रदान करने के लिए और हर्ट व दूसरी बीमारियों के इलाज के लिए यह खुल रहा है।

श्री कर्ण सिंह दलाल : इसमें सरकार का हिस्सा क्यों नहीं रखा गया ?

श्री धीर पाल सिंह : अध्यक्ष महोदय, कर्ण सिंह दलाल हमेशा बेबुनियाद बात करते हैं पूरी जांच के बाद यह किया गया है पहले भी यह मुद्दा आया था और यह कहा गया था कि अंतरदेशीय स्तर पर बात होगी तो उसमें उन्होंने एक बात कही कि अगर इसमें सरकारी प्रशासन का हिस्सा डालेंगे तो कदम कदम पर रुकावटें हो सकती हैं। अभी तो ओम प्रकाश चौटाला जी मुख्यमंत्री हैं कोई बात नहीं है। बाद में जो सरकारें आयेंगी तो वह स्वार्थ की राजनीति करने वाले लोग कदम कदम पर तंग करेंगे। मैं भाई कर्ण सिंह दलाल को याद दिलाना चाहूंगा कि 1996 से पहले कर्ण सिंह दलाल पलवल की रैली में आगरा कैनाल को मुद्दा बनाकर वाहवाही लूटकर के आए थे कि सरकार बनेगी तो आगरा कैनाल का नियंत्रण अपने हाथ में ले लेंगे। ये जब मंत्री बने तो मैंने कई बार याद दिलाया कि कर्ण सिंह दलाल पलवल के आदमी आज भी आपको याद करने लग रहे हैं ये यहां लम्बी चौड़ी बातें और वायदे करके आया था और आज यहां आगरा कैनाल के आबयाने की बात करता है, कभी किसी और बात को लेकर चर्चा करता है। एक बात ला एंड ऑर्डर की चौधरी बंसी लाल जी कह गए। स्पीकर सर, होनी और अनहोनी किसी के हाथ की बात नहीं । खुद बंसी लाल जब मुख्यमंत्री थे तो इनकी बेटी और दामाद बंसी लाल जी के मुख्यमंत्रित्व काल में दुल्हेड़ी

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

[श्री धीर पाल सिंह]

के पास डकैती हुई और इनके बेटी और दामाद को लूट लिया गया। साढ़े तीन साल तक ये राज करके चले गए लेकिन एक पैसे की डकैती डकैतों से वसूली नहीं कर पाए। इसी प्रकार जब चौधरी बंसी लाल मुख्यमंत्री बने तो किसानों से सैकड़ों करोड़ रुपये का मुआवजा वापस लेने का चक्कर चलाया लेकिन उस पैसे से किसी ने मकान बना लिया, किसी ने भात में दे दिया। पुलिस वाले जाते थे और उनके दरवाजे खटखटाते थे कि या तो मुआवजा वापस दे दो नहीं तो शाम को अंदर कर देंगे। उसके बाद परिवर्तन हुआ और उस परिवर्तन के बाद उनको राहत मिली। वर्तमान सरकार ने उनको राहत दी। (विघ्न) उन आठ दस गांवों के लोगों को राहत मिली। मैं इस अविश्वास प्रस्ताव का डटकर विरोध करता हूं। ये अपनी झेंप मिटाने के लिए ही यह अविश्वास का प्रस्ताव लाए हैं।

वित्त मंत्री (प्रो० संपत सिंह) : स्पीकर सर, बड़े लंबे समय से वोट ऑफ नो कॉफीडेंस पर बहस हो रही है। कांग्रेस के जितने भी सदस्य थे सभी को आपने बोलने के लिए ठीक समय दिया है। हम सोच रहे थे कि कोई ऐसी बात ये लेकर आएंगे जिससे सरकार भी फायदा उठा सके। हम सोच रहे थे कि ये हमें कोई एडवाईस देंगे या कोई हैल्दी क्रिटीसिज्म करेंगे ताकि हमारे में भी कोई न कोई कमी हो तो उसमें सुधार कर सकें। लेकिन स्पीकर सर, जैसे आप देख रहे हैं एक मात्र सारा राजनैतिक भाषण ही हुआ है और वह राजनैतिक भाषण जो यह माननीय सदस्य आलरैडी अखबारों में रोजाना ब्यान देते रहते हैं। उन्हीं भाषणों को यहां पर रिपीट किया गया है, जैसा कि चार्ज शीट का जिक्र किया गया। स्पीकर सर, किसी एम०एल०ए० या किसी मैम्बर को ज्यूडिशियल पावर नहीं होती कि वह चार्जशीट कर सके। स्पीकर सर, पहले इन्वैस्टीगेशन होती है उसके बाद कोर्ट चार्जशीट को मन्जूर करता है कि मैं इस चार्जशीट को एडमिट करता हूं तब जाकर कहीं केस चलता है There is no chargesheet. केवल मात्र पांच साल के अखबारों की कतरने इकट्ठे करके यह कह देना कि यह चार्जशीट है It is all political. इनके पास न कुछ देने के लिए है और न कुछ कहने के लिए है। स्पीकर सर, चौधरी भजन लाल जी ने कहा कि हारी हुई फौज जाते-जाते नुकसान कर जाती है। यह शायद अपने समय को याद कर रहे होंगे। मौजूदा सरकार तो डे वन से काम कर रही है। आज कोई नई घोषणाएं थोड़ी हो रही हैं ये तो डे-वन से ही घोषणाएं हो रही हैं और डे-वन से काम हो रहे हैं और आखिर दिन तक काम करते रहेंगे। और उसके बाद चुनाव आयेंगे और यह सरकार फिर आयेगी और फिर पांच साल तक बाकायदा काम करते रहेंगे। स्पीकर सर, 24 जुलाई 1999 को चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी ने सरकार का कार्यभार संभाला था और 25 जुलाई को पहली घोषणा कर दी थी। जैसा कि जिन्दल साहब ने जिक्र किया था अग्रोहा मैडीकल कालेज का, 25 जुलाई 1999 को चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी ने अग्रोहा मैडीकल कालेज की ग्रान्ट को बहाल करके उस कालेज को रिकोग्नाईज करने का काम किया था। 25 जुलाई को घोषणा करके उसे तुरन्त लागू भी कर दिया और उसके बाद उसकी ग्रान्ट को और बढ़ाया।

चौधरी भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है। मैडीकल कालेज की शुरूआत कांग्रेस पार्टी के समय में हुई थी, जब राजीव गान्धी देश के प्रधानमंत्री थे और उस समय प्रदेश का मुख्यमंत्री भजनलाल था, इस बात का आपको ज्ञान होना चाहिए।

प्रो० सम्पत सिंह : स्पीकर सर, ज्ञान को तो शायद भूल गये मेरा ज्ञान सही नहीं शायद उस समय पण्डित जवाहर लाल नेहरू प्रधानमंत्री होंगे। उस समय हुआ होगा या फिर देश की आजादी से पहले हुआ होगा। 25 सितम्बर, 1999 को पैंशन को 100 रुपये से बढ़ाकर 200 रुपये करने

का काम किया जबकि कांग्रेस पार्टी ने 1991 से 1999 तक साढ़े आठ साल के समय में एक रुपया भी नहीं बढ़ाया जबकि चौधरी देवीलाल ने 100 रुपये मासिक के हिसाब से बुढ़ापा पैंशन देने का काम किया था। जबकि कांग्रेस पार्टी ने तो कहीं पर पांच एकड़ जमीन, नौकरी पेशा आदमी या 2500 रुपये महीने की आय का बहाना बनाकर पैंशन लेने वाले आदमियों की संख्या को घटाने का काम किया और एक तिहाई पैंशन को बन्द कर दिया जबकि इस सरकार ने तीन गुणा संख्या बढ़ाने का काम किया है और 100 रुपये से 200 रुपये से 300 रुपये बुढ़ापा पैंशन हर बुजुर्ग को देने का काम किया है जबकि कांग्रेस पार्टी ने एक रुपया भी नहीं बढ़ाया।

श्री अध्यक्ष : श्री भगेराम जी जब मंत्री थे तब कहते थे कि यह पैंशन क्यों दे रहे हो इससे तो सरकार का पतन हो जायेगा।

प्रो० सम्पत सिंह : स्पीकर सर, 10 रुपये से 11 रुपये कर देते, 50 से 51 कर देते या 100 रुपये से 101 रुपये कर देते। लेकिन क्या साढ़े आठ साल में एक रुपया भी बढ़ाया गया ? लेकिन इस सरकार ने तीन गुणा संख्या बढ़ाई है और छः गुणा बजट बढ़ाया है जोकि 50 करोड़ रुपये से बजट 350 करोड़ रुपये कर दिया है जिस कारण आज बुढ़ापा पैंशन हर बुजुर्ग को मिलती है। बुढ़ापा पैंशन को 200 रुपये से 300 रुपये करने का काम किया है। हर साल मुख्यमंत्री जी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम लगाते हैं। सरकार आपके द्वार कार्यक्रम में जाकर मुख्यमंत्री जी हर साल घोषणाएं करते हैं, सवाल केवल आज का नहीं है। इसलिए अध्यक्ष महोदय, जब भी कोई ऐतिहासिक दिन होता है, जब भी कोई राष्ट्रीय दिवस होता है यह सरकार कल्याण के लिए कार्य करती है। अभी बेरोजगारी भत्ते की बात इन्होंने की। बेरोजगारी भत्ता बढ़ाने के लिए आपको कौन रोकता है अगर आपको लगता है कि कम है बुढ़ापा पैंशन 300 रुपये की है। मैं आपको चैलेंज करता हूं कि सैन्टर में आपकी सरकार है, हरियाणा सरकार 300 रुपये मासिक बुढ़ापा पैंशन दे रही है, आप सैंटर की सरकार से 300 रुपये और दिलवा दो तो 600 रुपये बन जाएंगे। 10 और स्टेटों में कांग्रेस की सरकार है। एक नया पैसा पैंशन का नहीं मिलता। पहले आप उनमें 100 रुपये पैंशन के करवा के दिखाओ बाद में 300 रुपये का नाम लेना। आज बेरोजगारी भत्ता 100 रुपये और 200 रुपये हरियाणा सरकार दे रही है। सैन्टर में आपकी सरकार भी है मैचिंग करवा दे तो उनको 200 रुपये और 400 रुपये मिलने शुरू हो जाएंगे। लेकिन आपमें यह दम नहीं है। आपकी सरकार कभी भी जन कल्याणकारी कार्य नहीं करती है। बार-बार बिजली का जिक्र करते हैं, कभी बिलों का जिक्र करते हैं।

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, * * * * * * *

श्री अध्यक्ष : कैप्टन साहब जो कह रहे हैं, वह रिकार्ड न किया जाए।

प्रो० सम्पत सिंह : अध्यक्ष महोदय, पहले एक होर्स पावर के 104 रुपये लगते थे, अब सारे स्लैब खत्म करके उसको 35 रुपये कर दिया गया है। वरना पहले क्या था कि एक डोल पर कोई रेट और दूसरी डोल पर कोई और रेट और तीसरी डोल पर कोई और रेट होता था। बंसीलाल जी ये जंजाल छोड़ कर गए थे, उसको हल करने का काम भी हमारी सरकार ने किया है। 25 पैसे प्रति यूनिट के हिसाब से ट्यूबवैल ओपरेटर को मिलता है। तमाशा करने वाले लोगों ने तो फ्रीमाइज

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

[प्रो० सम्पत सिंह]

सिस्टम किया हुआ है वरना तो 25 पैसे प्रति यूनिट कहीं भी नहीं है। केवल मात्र हरियाणा प्रदेश ने ही 25 पैसे यूनिट किया हुआ है। यह आन गोइंग प्रोसैस है, कोई चुनाव के नजदीक का सवाल नहीं है। जन कल्याण के कार्यों के लिए ही यह सरकार है। इन्होंने एस०वाई०एल० को टच किया।मैं विशेष कर कहना चाहूंगा कि एस०वाई०एल० हमारे लिए जीवन रेखा है। सभी पोलीटिकल पार्टियां कहती हैं कि एस०वाई०एल० लाइफ लाइन है, इसमें कोई संदेह नहीं कि एस०वाई०एल० हरियाणा प्रदेश की लाइफ लाइन है। इसमें कोई दो राय नहीं है। हम खुद जानते हैं कि बरसात के वक्त और अकाल के वक्त को हमने कैसे काटा, महंगी बिजली लेकर किसानों की फसल पकाया। किस तरीके से ड्रैनों में पानी डालकर किसान की फसल को पकाया । लेकिन एस०वाई०एल० नहर बन जाती और उसका पानी आ जाता तो हरियाणा प्रदेश का रंग ही कुछ और होता। इसमें दो पोर्शन बनते हैं, एक पोर्शन बनता है पानी ही हिस्सेदारी का और दूसरा बनता है पानी की हिस्सेदारी को लेने के लिए चैनल का। इसके अन्दर 2 इशूज हैं और ये इशूज आज के नहीं हैं ये इशूज बहुत पुराने हैं। सबसे पहले भारत आजाद होते ही 1960 में इंडसवैली ट्रीटी हुई और यह ट्रीटी 19 सितम्बर को कराची में हुई। उस समय जवाहर लाल नेहरू थे, फील्ड मार्शल अयूब खां जी थे और इंटरनैशनल बैंक की तरफ से अलीफ थे। उस वक्त की जो नदियां थी, 5 नदियां, थी, 5 नदियों में जो सिन्ध नदी थी वह पाकिस्तान में चली गई। इसी तरीके से सतलुज नदी पर आलरेडी डैम बना हुआ था। उसमें ज्वांयट पंजाब के समय में हरियाणा के पोर्शन का पानी मिल रहा था। रावी ब्यास 2 नदियाँ रह गई और इसी तरीके से चिनाब नदी भी थी, चिनाब नदी का पानी पाकिस्तान में है। (विघ्न)

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, * * * * * * * *

श्री अध्यक्ष : कैप्टन साहब, आपकी पार्टी 35 मिनट की बजाय 66 मिनट बोल चुकी है। इसलिए आप बैठें। कैप्टन साहब की कोई बात रिकार्ड न की जाए।

प्रो० सम्पत सिंह : अध्यक्ष महोदय, पंजाब के लोग बार-बार कहते हैं यह पानी हमारा है एक बूंद पानी हरियाणा को नहीं मिलेगा। पंजाब के अन्दर चाहे अकाली पार्टी हो, कांग्रेस पार्टी हो या फिर कोई भी पार्टी हो वहां छोटे से छोटे और बड़े से बड़े नेता पंजाब में कहते हैं कि एक बूंद पानी नहीं मिलेगा। कभी वैस्टर्न स्टेट का सवाल उठाते हैं और कभी राइपेरियन स्टेट का सवाल उठाते हैं। ये बार बार कोई न कोई सवाल उठाते हैं इसलिए मैं क्लीयर करना चाहूंगा कि यह पानी इनकी बपौती नहीं है, यह पानी पंजाब का नहीं है बल्कि यह पानी भारत सरकार ने 1960 में एग्रीमैंट करके खरीदा था, बाकायदा पेमैंट करके खरीदा था। 6 करोड़ 20 लाख 60 हजार पौंडस स्टरलिंग भारत सरकार ने पे किया था। पंजाब की सरकार ने कोई पे नहीं किया था जो असैट्स हैं पानी के ये नैशनल असैट्स हैं। मैं पंजाब के क्लेम को कंडम करना चाहता हूं। पंजाब जो कह रहा है वह गलत कह रहा है। हरियाणा और पंजाब बनने से पहले एग्रीमैंट हुए हैं। सबसे पहले 1965 में फूड एंड डवैल्पमैंट कमेटी बनी थी उस समय पंजाब का अरिड जोन बनाया गया था और उस अरिड जोन में जो एरिया रखा गया था वह ज्यादा दक्षिणी हरियाणा का था तथा उसके लिए 4.6 मिलियन एकड़ फीट पानी निर्धारित किया गया था। स्पीकर सर, उसके बाद ज्यों-ज्यों कांग्रेस की सरकारें आती

*चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

गईं और उनके समय में पानी के बंटवारे को लेकर जो भी फैसले हुए उनमें हमारे को नुक्सान ही हुआ। उसके बाद 1971 में 4.6 मिलियन एकड़ की जगह 3.5 मिलियन एकड़ फीट कर दिया गया। उसके बाद 1981 में हुआ। (शोर एवं व्यवधान)

चौधरी भजन लाल : स्पीकर सर, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है।

श्री अध्यक्ष : चौधरी साहब, प्लीज आप बैठें। कोई प्वायंट ऑफ आर्डर नहीं। (शोर एवं व्यवधान)

चौधरी भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, सम्पत सिंह जी, यह क्या बात कर रहे हैं। इस बारे में इस सदन को और हरियाणा की जनता को सबको मालूम है। फिर ये सदन का समय क्यों वेस्ट कर रहे हैं।

प्रो० सम्पत सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं मेरी स्टेट का केस प्लीड कर रहा हूं। (शोर एवं व्यवधान)

चौधरी भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, इन्होंने हरियाणा को बर्बाद कर दिया। (शोर एवं व्यवधान)

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, ये सुप्रीम कोर्ट में गये क्या ? (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : कैप्टन साहब, प्लीज आप बैठें। (शोर एवं व्यवधान)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, चौधरी भजन लाल जी बड़े सीनियर पोल्टीशियन हैं, लम्बें समय तक सरकार में रहे हैं। सुबह से इस पर बहस चल रही है हमारी तरफ से बीच में इनको इन्ट्रप्ट नहीं किया गया अब जब जवाब दे रहे हैं। तो इनको सुनना चाहिए, तकलीफ क्या हो रही है। (विघ्न) इनको कुछ जानकारी तो है नहीं। इनको आगे यह भी बताया जायेगा कि एस०वाई०एल० नहर के मामले पर पैसे भी दे दिए गए थे, जमीन भी अधिग्रहण हो गई थी यानि तकरीबन सभी फोरमल्टीज पूरी हो गई थी और समूथली कार्य चल रहा था। चौधरी बंसी लाल जी ने यह कहा है कि 95 प्रतिशत काम इनकी सरकार के समय में पूरा हुआ लेकिन इसमें गड़बड़ी कब हुई। गड़बड़ी उस समय हुई जब कांग्रेसी साथी सस्ती सोहरत हासिल करने के लिए श्रीमती इंदिरा गांधी को बिना वजह कपूरी में ठप्पा मरवाया। चौधरी भजन लाल जी, आप बतायें आपने इंदिरा गांधी को किस लिये बुलवाया था।

चौधरी भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, हमने नहर बनवाने के लिए बुलवाया था। (शोर एवं व्यवधान)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, इनको अनर्गल और मिथ्या बात कहने में मजा आता है। सुबह भी ये इस तरह की बात कह गये थे। ऐसा कोई सैशन नहीं जाता जिसमें ये अनर्गल और मिथ्या बात न कहें। अध्यक्ष महोदय, मैं इनसे पूछना चाहता हूं कि उस समय कपूरी गांव में इनको इंदिरा गांधी से ठप्पा मरवाकर सस्ती सोहरत हासिल करने की क्या जरूरत थी कि बाद में आतंकवादियों ने इन्जीनियरों को मार दिया। अगर चौधरी भजन लाल जी ऐसा नहीं करते तो यह नहर कब की बन जाती। इसके लिए चौधरी भजन लाल जी दोषी हैं। इसके लिए इन्हें कटगरे में खड़ा किया जाता इन्होंने प्रदेश का भारी नुक्सान किया है लेकिन हमने इनको माफ इसलिए कर

[श्री ओम प्रकाश चौटाला]

दिया क्योंकि ये बेचारे चीफ मिनिस्टर थे और जिस समय फैसला हो रहा था उस समय इनको चपड़ासी की तरह बाहर खड़े रखा। (शोर एवं व्यवधान)

चौधरी भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, मुझे प्वायंट आफ आर्डर पर समय दिया जाये।* * * * * * * *

श्री अध्यक्ष : चौधरी भजन लाल जी, प्लीज आप बैठें। आपको टाईम नहीं दिया गया है और न ही आपकी कोई बात रिकार्ड की जा रही है। प्लीज आप बैठें। (शोर एवं व्यवधान)

प्रो० सम्पत सिंह : अध्यक्ष महोदय, इनको कुछ संवेदनशील होना चाहिए। ये लोग एस०वाई०एल० पर सीरियस नहीं हैं। (शोर एवं व्यवधान)

चौधरी भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, इन्होंने मेरा जिक्र किया है इसलिये मुझे जवाब देने के लिए समय दिया जाये । (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : चौधरी भजन लाल जी, प्लीज आप बैठें। इन्होंने आपको चपड़ासी ही तो कहा है। चपड़ासी भी कई दफा अच्छा होता है। जब आप चपड़ासी की तरह बैठे थे तो बैठे थे, इसमें गलत क्या कह दिया। (शोर एवं व्यवधान)

चौधरी भजन लाल : अध्यक्ष महोदय * * *। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : चौधरी भजन लाल जी, प्लीज आप बैठें। चौधरी भजन लाल जी, मेरी इजाजत के बगैर बोल रहे हैं इसलिए इनकी कोई बात रिकार्ड न की जाये । (शोर एवं व्यवधान)

प्रो० सम्पत सिंह : स्पीकर सर, मैं कह रहा था कि जब भी कांग्रेस की सरकार आई इन लोगों के पानी के मामले में हरियाणा के हितों पर कुठाराघात किया। इसके लिए इन्हें कभी माफ नहीं किया जायेगा। (शोर एवं व्यवधान)

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, * * * * (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : कैप्टन साहब, आप ऐसे ही खड़े हो जाते हैं। आप सीनियर लीडर हैं आप चेयर की परमिशन के बगैर खड़े हो यह अच्छी बात नहीं है। आपको क्या परेशानी हो रही है। मंत्री जी जवाब दे रहे हैं, प्लीज आप अपनी सीट पर बैठें।

प्रो० सम्पत सिंह : अध्यक्ष महोदय, पानी के मामले में जो एग्रीमैंट हुए हैं वे मैं पढ़कर सुना देता हूं। इसमें गलत क्या है, क्या ये दस्तावेज गलत हैं। इनको किसी बात की जानकारी तो है नहीं। मैं 1971 की बात कर रहा था कि उस समय जो एग्रीमैंट हुआ उसमें हरियाणा के हिस्से का पानी 4.6 मिलियन एकड़ फीट से कम करके 3.5 मिलियन एकड़ फीट कर दिया गया। उसके बाद 1981 में जिस समय चौधरी भजन लाल जी स्वयं मुख्यमंत्री थे उस समय हमारे हिस्से का पानी 3.5 मिलियन एकड़ फीट ही रहा और पंजाब के हिस्से का पानी बढ़कर 4.22 मिलियन एकड़ हो गया। 1971 के अन्दर हरियाणा और पंजाब का 3.5 एम०ए०एफ० पानी ईच था। बाद में 1981 के अन्दर 3.5 हमारा रह गया और पंजाब का 4.22 एम०ए०एफ० हो गया। बाद में

*चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

24 जुलाई 1985 को एक और समझौता हुआ। (विघ्न) ये भाई बार बार अकाली दल का नाम लेते हैं और कभी प्रकाश सिंह बादल का नाम लेते हैं। स्पीकर साहब, मैं बताना चाहता हूं कि देश के प्रधानमंत्री राजीव गांधी जी ने 24 जुलाई 1985 को एक समझौता किया। यह समझौता उन्होंने किसी सरकार के साथ नहीं किया, न हरियाणा और न पंजाब सरकार के साथ किया बल्कि अकाली दल के उस वक्त के जो प्रेजिडैंट थे उसके साथ समझौता किया। अगर अकाली दल का सही मायनों में किसी ने साथ दिया है तो वह कांग्रेस ने दिया है। देश के प्रधानमंत्री द्वारा ऐसा समझौता किसी विशेष दल के प्रेजिडैंट के साथ किया गया, इससे बड़ी सेमफूल बात हो नहीं सकती।

कैप्टन अजय सिंह यादव : स्पीकर साहब, * * *

श्री अध्यक्ष : कैप्टन साहब, आप बैठिये। इनकी कोई बात रिकार्ड न की जाये। आप बैठ जाएं।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : स्पीकर साहब, इनका यह क्या तरीका है। कैप्टन साहब, आप बैठ जाओ। ये बार बार बीच में बोलने के लिए खड़े हो जाते हैं। अध्यक्ष महोदय, आप इसे कन्ट्रोल करें। जैसा ये कर रहे हैं, ऐसा नहीं चल पायेगा। यह कोई अखाड़ा नहीं है। यह विधान सभा है, आप बैठ जाएं। इस तरह से काम नहीं चलेगा। स्पीकर साहब, ये बैठ नहीं रहे हैं इसलिए इनके खिलाफ एक्शन लिया जाये। इन्होंने हाउस को तमाशा बना कर रखा है जब चाहे बीच में खड़े हो जाते हैं। (शोर एवं विघ्न)

श्री अध्यक्ष : कैप्टन साहब, आप बैठ जाएं। आई वार्न यू। (शोर एवं विघ्न)

सदस्य का नाम लेना

कैप्टन अजय सिंह यादव : स्पीकर साहब, * * * * * (शोर एवं विघ्न)

श्री अध्यक्ष : कैप्टन साहब, आप बैठ जाएं। इनकी कोई बात रिकार्ड न की जाए। आप उधर मत देखिए, मेरी तरफ देखिए। आप बैठ जाएं। आप मेरी बार-बार की रिक्वैस्ट पर भी नहीं बैठ रहे। (शोर एवं विघ्न) आई नेम यू। अब आप हाऊस से बाहर जाइए। आपने सारी लिमिट पार कर दी। क्या कभी हाउस में इस तरह होता है। गवर्नमैंट जवाब दे रही है लेकिन आप सुन नहीं रहे । आप बाहर जाइए। (शोर एवं विघ्न)

वाक-आऊट

चौधरी भजन लाल : स्पीकर साहब, यदि आप हमारी बात नहीं सुनेंगे तो हमें वाक आऊट करना पड़ेगा।

श्री अध्यक्ष : आप लोगों ने तो जाना ही था । जाने की आपकी पहले से ही प्लान थी। आप बताइए कि क्या हाउस में कभी इस तरह से बिहेव करते हैं। (शोर एवं विघ्न) सारा हाउस पीसफूली और अच्छे तरीके से चल रहा था और सारी बातें ठीक हो रही थीं। सारी बातें प्रोसिडिंग्ज में आ रही थी । आप सभी लोग बैठिये। (शोर एवं विघ्न)

---

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

चौधरी भजन लाल : आप हमारी कोई बात सुनना ही नहीं चाहते तो फिर हम यहां पर बैठ कर क्या करेंगे। आप हमारी बात नहीं सुन रहे इसलिए हम वाक आऊट करते हैं।

(इस समय सदन में उपस्थित इण्डियन नैशनल कांग्रेस पार्टी के सभी उपस्थित सदस्यगण तथा रिपब्लिकन पार्टी आफ इण्डिया के सदस्य श्री कर्ण सिंह दलाल, नैशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी के सदस्य श्री जगजीत सिंह सांगवान तथा निर्दलीय सदस्यगण सर्वश्री देवराज दीवान, राजेन्द्र सिंह बिसला, जय प्रकाश गुप्ता, भीम सेन मेहता, तेजवीर सिंह तथा उदयभान सदन से वाक-आउट कर गए।)

हरियाणा मन्त्रिमण्डल के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा (पुनरारम्भ)

प्रो० सम्पत सिंह : अध्यक्ष महोदय, जब सच्चाई सामने आ रही थी तो इनको इस बात की तकलीफ हो गई। इल्जाम लगाना आसान है लेकिन उसका जवाब सुनना बड़ा मुश्किल है यह बात आपके सामने साबित हो गई है। यह लोग इस मामले में नंगे हो चुके हैं और इनका एक्सपोजर हो चुका है। एस०वाई०एल० नहर के मामले में हरियाणा प्रदेश के इन्ट्रस्ट इन लोगों ने सैक्रीफाईस किए हैं। इससे बड़ा कोई अपराध नहीं कर सकता है। अध्यक्ष महोदय, मैंने कहा था और हम इस बात को मानते है कि गवर्नमैंट टू गवर्नमैंट एग्रीमैंट होते हैं, हमेशा होते रहे हैं और बार-बार नोटिफिकेशन्ज भी होती रही हैं तथा गवर्नमैंट्स के फैसले भी आते रहे हैं। मैंने कहा है कि एक पार्टी विशेष एक दल विशेष के अध्यक्ष के साथ, अकाली दल के अध्यक्ष के साथ इन्होंने समझौता किया जिसका बार-बार जिक्र आया। हम भी सुन रहे थे और बर्दाश्त कर रहे थे। यह कहा गया कि सुखबीर बादल को ले गए फलां को ले गए। अध्यक्ष महोदय, पर्सनल रिलेशनशिप भी होती है और स्टेट इन्ट्रस्ट में भी रिलेशनशिप होती है। क्या दूसरे पड़ौसी प्रदेश और देश में आपसी रिलेशनशिप नहीं होती। पड़ौसी राज्यों के बीच आपस में शांति बनी रहे और अच्छा माहौल बने क्या उसके लिए हर पार्टी के डैलीगेशन्ज दूसरी स्टेट्स में नहीं जाते। ये लोग उनका नाम ले रहे थे। किसी छोटे मोटे आदमी ने नहीं बल्कि देश के प्रधान मंत्री ने समझौता किया था। सवाल राजीव गांधी जी का नहीं था वे देश के प्रधान मन्त्री थे और एक पार्टी विशेष के लीडर के साथ समझौता करके हरियाणा प्रदेश का बिल्कुल सत्यानाश कर दिया। जिस वक्त उन्होंने हमारा इन्ट्रस्ट बिल्कुल सैक्रीफाईस कर दिया, उस वक्त ये लोग एक शब्द नहीं बोले। अध्यक्ष महोदय, चौधरी देवी लाल जी ने उस वक्त इस समझौते का डट कर विरोध किया था। उन्होंने क्यों विरोध किया था क्योंकि उसमें आगे एक और खतरनाक क्लाज जोड़ दी थी। हमने क्लाज 7 और 9 का कहा था। क्लाज 7 टैरीटरी के बारे में थी और क्लाज 9 वाटर डिस्पयूट के बारे में थी। मैं यहां पर टैरीटरी का जिक्र नहीं करना चाहता। क्लाज 9 के अन्दर साफ लिखा हुआ था कि आज तक जो भी स्टेट जितना पानी इस्तेमाल कर रही है सारा इस्तेमाल करेगी और बचे हुए पानी का बंटवारा होगा। स्पीकर सर, हमारे पास अपनी चैनल ही नहीं थी हम पानी कहां इस्तेमाल कर रहे थे, यह पानी तो पंजाब इस्तेमाल कर रहा था और यही कारण है कि जब इराडी ट्रिब्यूनल बैठा तो वह भी क्लाज 9 से बंधा हुआ था और उसके दायरे से बाहर नहीं जा सकता था। उन्होंने जो रिपोर्ट दी थी 3.83 मिलियन एकड़ फीट हरियाणा के लिए थी और 5 मिलियन एकड़ फीट पंजाब के लिए थी। अगर यह समझौता नहीं होता तो फिर हमारा हिस्सा 5 मिलियन ऐकड़ फीट होता और पंजाब का 3.5 मिलियन एकड़ फीट होता। स्पीकर सर, इस

समझौते की वजह से हमारा पानी कम हुआ। यही कारण था कि चौधरी देवी लाल ने टुथ एण्ड नेल इस समझौते की खिलाफत की थी। आपको याद होगा कि किस तरह से उन्होंने सारे हरियाणा प्रदेश को लामबन्द कर दिया था वरना तो यह लोग हमारी टैरीटरी को भी सैक्रीफाईस कर देते । स्पीकर सर, जहां तक नहर को बनाने का सवाल है, 1976 में यह नहर बननी शुरू हुई थी। चौधरी बंसी लाल जी ने खुद नहर हैड की बजाय टेल से बनवानी शुरू की थी। क्यों की थी ? उनका इसमें क्या इन्ट्रस्ट था यह बात तो वे ही जानें। उसके बाद जब नहर बनानी शुरू कर दी तो उसको बनवाने का काम किसने किया, यह काम चौधरी देवी लाल जी ने किया क्योंकि ये तो नवम्बर, 1976 में काम शुरू करके मई, 1977 में चले गए थे। जून, 1977 में जब चौधरी देवी लाल जी आए तो उन्होंने जून, 1979 तक दो साल में नहर का कम से कम 95% काम कर दिया था। पंजाब पोर्शन के लिए भी आज ये अकाली दल का नाम लेते हैं, सरदार प्रकाश सिंह बादल का नाम लेते है चौधरी देवी लाल ने उस वक्त के मुख्य मन्त्री सरदार प्रकाश सिंह बादल को हरियाणा प्रदेश की तरफ से एक करोड़ रुपये लैण्ड ऐक्वीजीशन के लिए दिये थे। पहली बार ऐसा हुआ था। लैण्ड ऐक्वीजीशन के लिए वे मान गए थे, उद्घाटन के लिए नींव पत्थर रखने के लिए भी वे मान गए थे और नहर का काम शुरू करने के लिए भी वे मान गए थे। स्पीकर साहब, बाद में इन लोगों ने इस पर राजनीति शुरू कर दी। राजनीतिक समझौते के बारे में मैंने कहा है कि हमें हमेशा नुकसान हुआ है। इस बात को चौधरी देवी लाल बखूबी जानते थे और चौधरी देवी लाल के प्रकाश सिंह बादल के मुख्य मन्त्री होते हुए सामाजिक ताल्लुकात कुछ भी थे लेकिन उन्हें स्टेट का इन्ट्रस्ट सब से ज्यादा प्यारा था इसलिए चौधरी देवी लाल अप्रैल, 1979 में इस केस को लेकर सुप्रीम कोर्ट में गए। उस समय इसमें राजनीति आ गई थी और वे जानते थे कि कोई भी सरकार इस नहर को नहीं बनाएगी इसलिए हम सुप्रीम कोर्ट से आदेश लेना चाहते हैं कि इस नहर को बनाने के लिए दो वर्ष का समय होना चाहिए। दो साल के पीरियड के लिए चौधरी देवी लाल जी ने सुप्रीम कोर्ट से अपील की थी लेकिन जो लोग आज पूरी बात सुनना नहीं चाहते थे चौधरी भजन लाल जी की सरकार आ गई और इनकी सरकार आने के बाद इन्होंने श्रीमती इन्दिरा गांधी के पांवों को मत्था लगा कर उस केस को कोर्ट से वापिस ले लिया। स्पीकर सर, अगर वे केस वापिस नहीं लेते तो कोर्ट का फैसला कभी का आ लिया होता और वह नहर कभी की बन गई होती क्योंकि उस वक्त इसमें उग्रवाद और दूसरी बातें नहीं थी। स्पीकर सर, उन्होंने अपने राजनीतिक आकाओं को खुश करने के लिए हरियाणा प्रदेश के इन्ट्रस्ट को सैक्रीफाईस कर दिया और कोर्ट से केस वापिस ले लिया। बाद में जब चौधरी देवी लाल जी 1987 में फिर मुख्य मन्त्री बने तो चौधरी भजन लाल ने जुलाई, 1992 में जब वे स्वयं मुख्य मन्त्री थे इसी असैम्बली में बयान दिया था कि चौधरी देवी लाल के समय में नहर का काम हुआ है। स्पीकर सर, आप भी उस समय हाउस में थे। आज चौधरी भजन लाल जी तथा बंसी लाल जी दोनों इकट्ठे हैं। आज सुबह भी मैंने यह बात कही थी कि दोनों ही बार-बार यह कहते रहे हैं कि नहर का काम हमारे वक्त में हुआ जब कि असलियत यह है कि इस नहर का 95% काम चौधरी देवी लाल जी के समय में हुआ है। जब 1990 में एस०वाई०एल० नहर बन रही थी उस वक्त उग्रवादियों ने चीफ इन्जीनीयर को मार दिया था और उसके बाद नहर बनने का काम बन्द हो गया था। फिर शुरू करवाने का काम चौधरी देवी लाल जी ने फरवरी 1994 में किया, उस वक्त केन्द्र की सरकार में चन्द्रशेखर जी प्रधान मंत्री थे। यह काम बोर्डर ऑर्गेनाईजेशन को दिया गया था। स्पीकर सर, रैकी हो गई थी कि कितना काम बाकी है, कहां पर मशीन भेजनी है और कैसे काम करवाना है। लेकिन स्पीकर सर, अनफारच्यूनेटली सैन्टर में हमारी सरकार चली गई और कांग्रेस की सरकार फिर आ

[प्रो० सम्पत सिंह]

गई। कांग्रेस की सरकार के आने के बाद इन्होंने उस एस०वाई०एल० को फिर ठण्डे बस्ते में डाल दिया। स्पीकर सर, एस०वाई०एल० को उस ठण्डे बस्ते से निकालने का काम दोबारा से किया तो किस ने किया, चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी ने किया। स्पीकर सर, आपको याद होगा कि यहां पर बार बार चौधरी भजन लाल और चौधरी बंसी लाल कहते हैं कि हम भी सुप्रिम कोर्ट में गए थे। हां, आप लोग गए थे। 1995 में भजन लाल गए थे। भजन लाल कैसे गए थे, ये केवल मात्र औपचारिकता पूरी करने के लिए without ATCPC नोटिस के गए थे। स्पीकर सर, आप तो लॉयर हैं, वकील हैं और आप जानते हैं कि इस केस की क्या अहमियत है। ये तो केवल मात्र औपचारिकता निभा रहे थे। चौधरी बंसी लाल जी का साढ़े तीन साल का टाईम पूरा हो गया एक तारीख भी इनके समय में नहीं लगी, एक हियरिंग भी नहीं हुई। अब ये सदन में कैसे कह सकते हैं कि हम कोर्ट में गए थे। चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी सत्ता में आए और आते ही नैशनल लैवल के लॉयर्ज को अप्वायंट किया और डेट टू डेट हियरिंग हुई। इस वजह से हरियाणा के लिए 15 जनवरी 2002 का दिन सुनहरी दिन के रूप में आया। उस समय पंजाब के अन्दर कौन मुख्यमंत्री था, पंजाब में सरदार प्रकाश सिंह बादल मुख्यमंत्री था। पंजाब सरकार के नाक में दम करके, बादल सरकार के अगेन्स्ट केस करके चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी ने कोर्ट में केस जीता है। ये कैसे कह सकते हैं कि हम बादल के लिए हरियाणा के हितों को सैक्रिफाईस कर सकते हैं। हमें किसी से कोई मतलब नहीं है, हमें अपने स्टेट के इन्ट्रस्ट से मतलब है। मैं यह स्पष्ट करना चाहता हूं कि सवाल अकाली दल और कांग्रेस का नहीं है बल्कि हमारे हरियाणा प्रदेश के पानी का सवाल है। हम उसके लिए बड़ी से बड़ी कुर्बानी देने के लिए तैयार हैं और यह कुर्बानी चौधरी देवी लाल और चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी ने दी है। स्पीकर सर, कोर्ट का साफ फैसला आ गया है कि एक साल के अन्दर पंजाब सरकार नहर बनवाए। फरवरी में पंजाब के चुनाव आए और वहां पर कांग्रेस की सरकार बन गई। सैन्टर में एन०डी०ए० की सरकार आई तो वहां पर पहले ही दिन से जाकर धरना देने शुरू कर दिया। जब पंजाब में कांग्रेस की सरकार आई तो ये बिल्कुल नहीं बोले। लेकिन चौधरी ओम प्रकाश चौटाला को मालूम था और ये 15 जनवरी, 2003 की वेट नहीं कर सकते थे। इन्होंने सुप्रीम कोर्ट में नवम्बर, 2003 को केस डाल दिया। यह केस इसलिए डाल दिया क्योंकि जो सरकार पंजाब में आई थी वह भी इस नहर को नहीं बनवाएगी और सुप्रीम कोर्ट उनको नहर बनाने के लिए टाईम बाउन्ड आर्डर दे और हमारी नहर को बनाया जाए। उसके बाद स्पीकर सर, लम्बी लड़ाई चली। लड़ाई चलने के बाद हमारे हरियाणा के लिए या तो 1नवम्बर, 1966 हिस्टोरिकल दिन था जो कि चौधरी देवी लाल जी के वजह से आया था और 4 जून, 2002 का गोल्डन दिन चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी की वजह से आया। स्पीकर सर, इस फैसले से बढ़िया और कोई फैसला हो ही नहीं सकता है। इस फैसले में साफ लिख दिया गया है कि—

1. 30 दिन में केन्द्र सरकार सैन्ट्रल एजेंसी नियुक्त करेगी।
2. विद इन 14 डेज नहर की पोजैशन केन्द्र सरकार अपने हाथ में ले लेगी।
3. उसकी डे टू डे मोनिटरिंग की जाएगी और शाम को बताया जाएगा कि वहां कितना काम हुआ है।
4. अगर कोई काम में अड़चन डालेगा, उसमें चाहे कोई पोलिटिकल पार्टी हो, सोशल आर्गेनाईजेशन हो या कोई दूसरा भी अड़चन डालेगा तो उसमें सिक्योरिटी केन्द्र सरकार देगी। चाहे उनको

सी०आर०पी०एफ०, बी०एस०एफ० या मिल्ट्री भी क्यों न लगानी पड़े, केन्द्र सरकार वहां पर सिक्योरिटी प्रदान करेगी। लेकिन वह नहर बनेगी।

स्पीकर सर, ये चार फैसले सुप्रीम कोर्ट ने दिए हैं। सुप्रीम कोर्ट का इससे बढ़िया फैसला और कोई हो ही नहीं सकता है। स्पीकर सर, वह महीना पूरा हो गया है। सी०पी०डब्ल्यू०डी० एजैंसिया अप्वायंट हो गई। स्पीकर सर, नियत कहां पर खराब हो गई। इन लोगों की केन्द्र सरकार की नियत भी खराब, पंजाब सरकार की नियत भी खराब और हरियाणा प्रदेश की कांग्रेस की नियत भी खराब है। सारे का सारा यह त्रिकोणा आपस में मिला हुआ था। 14 दिन की बात थी। ये पहले ही दिन टेक ओवर कर लेते, इन्होंने क्यों नहीं टेक ओवर किया, क्यों नहीं पंजाब के अन्दर पोजैशन लिया, इन्होंने जानबूझकर पोजैशन नहीं लिया। 10 दिन इन्होंने बर्बाद कर दिए और 11वें दिन पंजाब की असैम्बली के अन्दर टर्मिनेशन ऑफ इन्टर स्टेट डिस्प्यूट एग्रीमैंट बिल पास कर दिया गया कि हम सारे के सारे एग्रीमैंट टरमिनेट करते हैं। स्पीकर सर उसके बाद उस बिल को पास करने में शामिल कौन थे ? उंगली काटकर शहीद बनने का प्रयास बी०जे०पी० के लोगों ने भी किया। वे भी कांग्रेस वालों के जाल में आकर इस्तीफा देकर चले गए। लेकिन पंजाब में बी०जे०पी० वालों ने उस काले बिल को असैम्बली में स्पोर्ट किया जोकि एंटी फैडरल था और एंटी कांस्टीच्यूशनल था। स्पीकर सर, वह बिल, बिल ही रह जाता लेकिन उसको कानून बनाने का काम किस ने किया। स्पीकर सर, इन कांग्रेस वालों ने किया। अब बाद में ये ब्यान देते हैं कि हमें मालूम ही नहीं था कि बिल कब आ गया। केन्द्र की सरकार को पता नहीं था कि बिल कब पास हो गया। स्पीकर सर, ये बार-बार हरियाणा प्रदेश के गवर्नर महोदय, के बारे में कह रहे थे कि आपने यह कह दिया, वह कह दिया जबकि स्पीकर सर, हम तो गवर्नर संस्थान का मान करते हैं, सम्मान करते हैं। हम कांस्टीच्यूशनल इन्स्टीच्यूट की इज्जत करते हैं। आज भी हम उनका मान करते हैं। लेकिन स्पीकर सर, उस वक्त के पंजाब के गवर्नर ने एक मिनट नहीं लगाया, उस पर साईन उसी वक्त कर दिए। न उसको पढ़ा, न लीगल राय ली और न ही कोई नोटिस दिया, उस पर उसी वक्त दस्तखत कर दिए। क्या सैंट्रल गवर्नमैंट की मर्जी के बिना वह गवर्नर दस्तखत कर सकते थे ? स्पीकर सर, तलवार लटक रही थी। जैसे यहां पर शब्द आ रहा था कि गवर्नर नोमिनेट होते हैं। स्पीकर सर, चार गवर्नर उस समय ताजा ताजा कांग्रेस सरकार ने हटाए थे इसलिए उनकी गर्दन पर भी तलवार लटक रही थी कि आप भी हटाए जाओगे। उन्होंने सोचा कि या तो इस पर दस्तखत कर दें नहीं तो वे भी हटाए जाएंगे इसलिए ही पंजाब के गवर्नर ने उसी वक्त उस पर दस्तखत कर दिए। वह दस्तखत हरियाणा प्रदेश की मौत के वारंट पर करवाए गए थे। कांग्रेस की सरकार ने, सैंट्रल गवर्नमैंट की सरकार ने उस पर दस्तखत करवाए थे और यहां पर यही लोग अब बोलते हैं। स्पीकर सर, इसके बाद भी इनके पास एक मौका था। स्पीकर सर, आप तो संविधान के ज्ञाता रहे हैं जब वह अनकांस्टीच्यूशनल था तो संविधान के अंदर इस बारे में लिखा हुआ है। संविधान की आर्टिकल 262 है इसको आप पढ़ें। इसमें साफ लिखा हुआ है—

> "262 (1) Parliament may by law provide for the adjudication of any dispute or complaint with respect to the use, distribution or control of the waters of, or in, any inter-State river or river valley."

सिर्फ पर्लियामैंट को इसका राईट है। भारत के संविधान के 7th शिडयूल की लिस्ट नं० वन जोकि यूनियन लिस्ट है, के सीरियल नं० 56 के अंदर लिखा है। उसके अंदर भी यह अनलिस्टेड है।

[प्रो० सम्पत सिंह]

स्पीकर सर, इसमें लिखा है कि—

"Regulation and development of inter-State rivers and river valleys to the extent to which such regulation and development under the control of the Union is declared by Parliament by law to be expedient in the public interest."

मेरे कहने का मतलब यह है कि यह इंटर स्टेट वाटर डिसप्यूट है इस पर अगर कानून बनाने का किसी को राईट है तो वह पार्लियामैंट को है। पंजाब की असैम्बली को इसको रद्द करने या कानून बनाने का राईट नहीं था और अगर राईट नहीं था तो क्यों नहीं केन्द्रीय सरकार ने इसको अनकांस्टीच्यूशनल डिक्लेयर किया, क्यों नहीं इस कानून को उन्होंने रद्द किया ? स्पीकर सर, ये बार-बार कहते रहे हैं कि ओम प्रकाश चौटाला जी कोर्ट में नहीं जा रहे हैं। कोर्ट में हारे हुए जाया करते हैं, जीता हुआ कभी नहीं जाता । पंजाब की सरकार ने रिव्यू पैटीशन डाली थी। बार-बार डाली लेकिन बार-बार उनको मुंह की खानी पड़ी। सुप्रीम कोर्ट ने उनकी रिव्यू पैटीशन को खारिज किया लेकिन इन लोगों की नीयत खराब थी। ये लोग भी अपनी हाई कमांड के पास गए थे और जाकर आने के बाद इनका बहुत बड़ा बयान आया था कि चौधरी ओम प्रकाश चौटाला अगर कोर्ट में तीन दिन के अंदर अंदर नहीं जाएंगे तो हम इस्तीफे दे देंगे। चौधरी ओम प्रकाश चौटाला कोर्ट में क्यों जाए ? चौटाला साहब तो कोर्ट केस जीतकर आए हुए थे। स्पीकर सर, हमें इन लोगों की मंशा का पता लग गया था। उसके बाद क्या हुआ ? तीसरे दिन भारत सरकार ने राष्ट्रपति के थ्रू रैफरैन्स भेज दिया। सुप्रीम कोर्ट को यह रैफरैन्स भेजने की जरूरत ही नहीं थी। इसको तो उनको नल एंड वाइड डिक्लेयर करना चाहिए था और नल एंड वाइड डिक्लेयर करके सैंट्रल गवर्नमैंट बाकायदा सुप्रीम कोर्ट के फैसले को मानती और उस काम तो एग्जीक्यूट करती । अगर एग्जीक्यूशन में कोई भी पंजाब में दखल देता तो इनके पास सैंट्रल सिक्योरिटी थी। सैंट्रल सिक्योरिटी को भी अगर वे एंट्री नहीं करने देते तो आर्टिकल 365 अपेलेयबल है। स्पीकर सर, आर्टिकल 365 में साफ लिखा हुआ है कि कांस्टीच्यूशनल ओबलिगेशन निभाते हुए सैंट्रल गवर्नमैंट की डायरैक्शन को अगर कोई स्टेट गवर्नमैंट नहीं मानती है तो इसका मतलब है कि वहां पर कांस्टीच्यूशनली मशीनरी फेल है। स्पीकर सर, इसका मतलब उस सरकार को डिसमिस किया जा सकता है। इसीलिए उनको पंजाब सरकार को डिसमिस करना चाहिए था और यह नहर बनानी चाहिए थी लेकिन इन्होंने आकर कह दिया कि अब हमें इस्तीफे देने की जरूरत नहीं रही है क्योंकि अब तो केस सुप्रीम कोर्ट के अंदर चला गया है। सुप्रीम कोर्ट में भेजने का मतलब क्या है ? वहां भेजने का मतलब इसको डिले करना है। अब तारीखें तो पड़ती रहेंगी और केस डिले होता रहेगा लेकिन इतना तो तय है कि एस०वाई०एल० कैनाल तो 100 परसैंट बनेगी। सुप्रीम कोर्ट का फैसला आ गया लेकिन इन्होंने तो उसको डिले कर ही दिया। स्पीकर सर, डिले करने का पापी अपराधी अगर कोई है तो यही लोग हैं। इन लोगों को चौटाला साहब और दूसरे लोगों ने कहा था कि आपके 9 मैम्बर हैं इसलिए आप इस मामले में दबाव बना सकते हैं। स्पीकर सर,कांग्रेस के लोगों को इस गलत फहमी में नहीं रहना चाहिए कि वहां पर इनका राज है। स्पीकर सर, 550 सीटों में इनकी कितनी सीटें हैं केवल 136 सीटें है और उनमें से 9 मैम्बर हरियाणा के हैं क्या 136 मैम्बर्ज के आधार पर ये राज कर सकते हैं ? इसलिए अगर ये लोग धमकी भी दे देते तो यह काम हो सकता था। स्पीकर सर, इनको इस्तीफे देने की जरूरत भी नहीं थी, इनको शहीद होने की जरूरत भी नहीं थी, चौधरी देवी लाल और चौधरी ओम प्रकाश चौटाला की तरह या उनके सेनापति सेनानियों की तरह, सिपाहियों की तरह इस्तीफे देने की जरूरत

नहीं थी ये तो केवल मात्र इतना ही कर देते, धमकी दे देते कि यदि इस फैसले को लागू नहीं किया गया तो हम इस्तीफे दे देंगे। अगर ये ऐसा कर देते तो सैंट्रल गवर्नमैंट की औकात नहीं थी कि 9 एम०पीज०, का रैजीगनेशन वह एफोर्ड कर पाती । सैंटर में कांग्रेस की सरकार गिरने के डर से वह इस नहर को जरूर बनाती। तो स्पीकर सर, इस तरह से दोषी कौन है ? दोषी ये लोग हैं। लेकिन अब ये कहते हैं कि चौधरी ओम प्रकाश चौटाला क्या करते रहे ? चौधरी ओम प्रकाश चौटाला कानूनी लड़ाई लड़ते रहे, इस नहर को बनाने की लड़ाई लड़ते रहे इसलिए यह बात तो सुनहरी अक्षरों में लिखी जाएगी कि अगर लड़ाई लड़ी है तो चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी ने लड़ी है इन लोगों ने हरियाणा प्रदेश की पीठ में छुरा घोंपने का काम किया है इसलिए उठकर गए हैं। यह बातें सुनले तो इनको खुद को भी ज्ञान होता। अपराध बोध जिसके विभाग में हो वह नहीं ठहर सकता है। हरियाणा प्रदेश की सरकार ने हरियाणा प्रदेश की सौ परसैंट सिक्योरिटी रखी है और हरियाणा की लाइफलाइन को बचाने का काम भी किया है इनको तो अविश्वास प्रस्ताव लाने की बजाय यूनानीमसली-सपोर्ट करने का काम करना चाहिए।

मुख्यमंत्री (श्री ओम प्रकाश चौटाला) : अध्यक्ष महोदय, मौजूदा सरकार के खिलाफ विपक्ष के जिन साथियों ने अविश्वास का प्रस्ताव रखा मैं उस पर चर्चा करना चाहूंगा। मैं तो निरंतर यह मानकर चलता था और बार-बार कह रहा था कि ये सुनेंगे नहीं लेकिन आपने स्वयं देखा कि सुनना तो दरकिनार ये कुछ कह भी नहीं पाए। इनका तो वह हाल है कि बहुत शोर सुनते थे पहलू में दिल का जब काटा तो कतरा ए खूं निकला। इनको यह था कि सरकार इससे अपदस्थ हो जाएगी। लोगों के बीच में प्रजातांत्रिक प्रणाली में डैमोक्रेटिक तरीके से चुनी हुई सरकार अगर ठीक ढंग से लोगों के हितार्थ अच्छे काम न करे तो विपक्ष के लोगों को यह अधिकार हासिल है कि जनता के सहयोग और समर्थन से सरकार के कार्यकलापों को सदन में प्रस्तुत करें, उनकी बेकायदगी जाहिर करें और वोट के माध्यम से सरकार को गिराने का काम करें। इंडियन नैशनल लोकदल के मुखिया स्वर्गीय चौधरी देवी लाल जी तो इससे भी बढ़कर यह कहा करते थे कि जनता के चुने हुए प्रतिनिधि ठीक ढंग से काम न करें तो ऐसा प्रावधान होना चाहिए कि उन्हें भी रिकॉल किया जा सके। हम जनतंत्र में यकीन रखते हैं इसिलिए जनता जनार्दन के हितार्थ इतने काम हमने किए हैं कि उनको यदि मैं बताने लग जाऊंगा तो कई दिन लग जाएंगे। प्रत्यक्ष को प्रणाम की आवश्यकता नहीं है और पूरा सदन, पूरा प्रदेश और पूरा देश इस बात से अवगत है कि हमने किन परिस्थितियों में सरकार संभाली थी। हमने जब सरकार संभाली तो उस वक्त इस सरकार की हालत बड़ी जर्जर थी, सड़कें टूटी हुई थीं और सड़क छोड़कर पटरी पर चलने के लिए मजबूर होना पड़ता था, बिजली थी नहीं। पीने का पानी पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध नहीं था, व्यापार चौपट हो गया था, कानून व्यवस्था समाप्त हो गई थी, उद्योग धंधे पलायन कर रहे थे। इन परिस्थितियों में हमने इस प्रदेश को उबारने का काम किया था। प्रदेश के लोगों के सहयोग और समर्थन से हमने बहुत हद तक इसमें सफलता भी प्राप्त की है। मैं ज्यादा समय नहीं लेना चाहूंगा। सिंचाई विभाग का कुछ साथियों ने जिक्र किया। आज वे साथी बैठे नहीं हैं। मैं इन नट शैल बताना चाहूंगा कि हमारी सरकार बनने के बाद इस पांच साल के अर्से में हमने 182 योजनाएं पूर्ण की हैं, 178 नयी डिस्ट्रीब्यूरी और माइनर्ज निकाली हैं, 44 ड्रेनें बनाई हैं और 45 योजनाएं आज भी पाइप लाइन में हैं, 39 सिंचाई की स्कीम्स हैं 6 ड्रेनें हैं। हम यह मानकर चलते हैं कि हमने हरियाणा प्रदेश को जो कि पूर्ण रूप से कृषि प्रधान प्रदेश है इसलिए हमने सीमित साधनों का भरसक उपयोग करने का प्रयास किया है और बहुत हद तक सफलता भी प्राप्त की है। मैं एस०वाई०एल० के मुद्दे को नहीं छेड़ना चाहूंगा क्योंकि संपत सिंह जी ने इस बारे

[श्री ओम प्रकाश चौटाला]

13.00 बजे | में विस्तार से बता दिया है। कांग्रेस के साथियों द्वारा बिगाड़े हुए काम हमने संवारे हैं और एक जगह नहीं कई जगह संवारें हैं। दादूपुर नलवी नहर चौधरी देवी लाल ने बनाई थी। चौधरी देवी लाल जी की वह योजना अगर सिरे चढ़ गई होती तो आज जो जमीन का पानी निरन्तर नीचे जा रहा है वह इतने नीचे नहीं जाना था। कांग्रेस की सरकार आई जोकि किसान विरोधी है। इनको इससे बड़ा सबूत क्या होगा कि जाने-अनजाने में पार्लियामैंट के चुनाव में लोगों से कोई भूल हो गई वह भी शायद एन०डी०ए० की सरकार के गलत कार्यक्रमों से लोग दुखी थे। कोई भी कारण हो सकता है। अगर लोगों ने कांग्रेस के पक्ष में राय दे दी। कांग्रेस ने सत्ता संभालते ही सबसे पहले कृषि प्रधान देश के किसान की कमर पर कुल्हाड़ा चलाया। गेहूं के भाव 10 रुपये प्रति क्विंटल के हिसाब से बढ़ाये और गन्ने के भाव डेढ़ रुपया प्रति क्विंटल के हिसाब से बढ़ाये शुक्र है, डेढ़ रुपये पर तो आये अतीत में जब इनकी थी तो 50 पैसे के हिसाब से गन्ने का भाव बढ़ाया जाता था और गेहूं का भाव एक रुपया प्रति क्विंटल के हिसाब से बढ़ाया जाता था। किसान अगर विरोध करते थे तो उन पर ठण्डे पानी के फव्वारे फैंके जाते थे और घोड़े दौड़ाये जाते थे। लेकिन जिन्दगी की जरूरियात की दूसरी चीजें जो कारखानों में बनती हैं जो इस देश के औद्योगिक घराने बनाते हैं चाहे वह ईंट हो, सीमेंट हो, लोहा हो, चीनी खाद, कीड़े मार दवाई, तेल कोई भी चीज हो। अब छोटा सा उदाहरण देखिए कल के समाचार-पत्रों में खबर छपी थी कि पैट्रोल के दाम में कुछ कमी की है, डीजल के में नहीं क्योंकि पैट्रोल पूंजीपतियों की कार में जलता है और डीजल से किसान के खेत की पैदावार बढ़ती है किसान को आर्थिक तौर पर कमजोर करने के पक्षधर हैं ये लोग इनकी नीयत खराब है। इसलिए अब 168 करोड़ रुपये इन्हें और लगाने पड़े दादूपुर नलवी नहर पर जबकि यही दादूपुर नलवी नहर केवल 40 करोड़ रुपये में बनकर तैयार हो जाती। इन्होंने उसको ठण्डे बस्ते में रख दिया। हमारी सरकार आने के बाद हमने नये सिरे से उस नहर का काम शुरू किया है। पानी के बटवारे की बात करते हैं। अब वे चले गये अगर सदन में बैठते तो मैं उनको बताता कि हमारी सरकार में पानी का बटवारा किसी इलाके विशेष के हिसाब से नहीं हुआ है। पिछले सेशन में जब हमने बिजली की दर 35 रुपये प्रति हार्स पावर के हिसाब से की तो इन्होंने उसका विरोध करने का प्रयास किया और जब हमने इनको घेरा तो घेरने की बात पर इनको मानना पड़ा जैसे कल पंजाबी लैंग्वेज बिल के बारे में चाहते थे तो ये उसका विरोध करते लेकिन बाद में इनकी समझ में आ गई। इनको बुद्धि तब आती है जब कोई देता है। जब भी कभी सैशन का अवसर आता है तो हमें इनको कहीं न कहीं किसी न किसी रूप में बुद्धि देनी पड़ती है और हमारी दी हुई बुद्धि का कई मर्तबा हमारे खिलाफ ही गलत इस्तेमाल ये जरूर कर जाते हैं यह तो इनमें योग्यता है। शायद स्कूल टाईम में नकलची रहे होंगे। इसलिए उनकी यह आदत है। हमने सिंचाई की बहुत सी योजनाएं बनाई हैं। पहले प्रदेश में बिजली की कमी थी।

अति विशिष्ट व्यक्तियों का स्वागत

मुख्यमंत्री (श्री ओम प्रकाश चौटाला) : अध्यक्ष महोदय, इस सदन की सूचनार्थ मैं बताना चाहूंगा कि पाकिस्तान पंजाब विधान सभा के हमारे दो विधायक साथी मलिक मोहम्मद अहमद खान और अब्दुल रशीद भट्टी आज इस सदन में मौजूद हैं मैं पूरे सदन की तरफ से और पूरे प्रदेश की तरफ से उनका खैर मुखतम करता हूं और अल्ला ताला से दुआ करूंगा कि हमारे और आपके ताल्लुकात और ज्यादा खुशगवार हों।

Haryana Vidhan Sabha Secretariat LIBRARY

हरियाणा मंत्रिमण्डल के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा (पुनरारम्भ)

मुख्यमंत्री (श्री ओम प्रकाश चौटाला) : अध्यक्ष महोदय, बिजली के मामले में हमने 111 नये सब-स्टेशन स्थापित किए हैं, 302 की क्षमता बढ़ाई है, 75 नये निर्माणाधीन हैं, 75 की क्षमता बढ़ाने का कार्य चल रहा है और 1777 किलोमीटर की लम्बी लाईन बिछाई गई है इस प्रकार पांच साल के शासन काल में बिजली पर हमने 799 करोड़ रुपये खर्च किए हैं और 138 करोड़ रुपये की बिजली की दरों में किसानों को रियायत दी गई। लेकिन आज तक ये किसानों का नुकसान जरूर करते रहे हैं लेकिन किसानों को कोई लाभ देने की बात नहीं की गई। अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार बनने के बाद 31 दिसम्बर तक आठवीं यूनिट भी चालू हो जायेगी इसके लिए महामहिम राष्ट्रपति महोदय ने इसका लोकार्पण करने के लिए हमसे वायदा भी कर लिया है। उसके बाद हरियाणा प्रदेश में हमारी सरकार बनने के बाद शायद लगभग 1400 से भी ज्यादा मैगावाट बिजली का उत्पादन हुआ यानि हम बिजली के मामले में सरप्लस हो जाएंगे। कांग्रेसी दोस्त बैठे नहीं हैं। चौ० बंसी लाल जी और चौ० भजन लाल जी बैठे नहीं हैं। चौ० बंसी लाल जी के शासन में जब हम उधर बैठते थे, ए०बी०बी० नाम की जर्मन कम्पनी को सदन के विरोध के बावजूद जबरदस्ती उन्होंने लेका दिया, ज्यादा पैसा दिया, कमीशन खाने के हिसाब से दिया। इन्होंने 110 मैगावाट की जो यूनिट थी उसको खुलाकर छोड़ दिया। उस पर साढ़े 300 करोड़ रुपया हरियाणा प्रदेश का लगा। अब तक कितना भारी बिजली का नुकसान हुआ है और हमारा केस आज भी आरबिट्रेशन में चल रहा है और वह भी विदेश में जाकर चल रहा है, कितने मंहगे वकील हमें खड़े करने पड़े होंगें। हमने उस सारी बात को छोड़कर उस छठी 210 मैगावाट की यूनिट को भी चालू किया। सातवीं यूनिट 250 मैगावाट की कम्पलीट हो चुकी है। महामहिम राष्ट्रपति महोदय ने उसका लोकार्पण कर लिया है। अध्यक्ष महोदय, जैसा कि मैंने अभी बताया है कि 31 दिसम्बर को 8वीं यूनिट का भी लोकार्पण हो जाएगा। उसके बाद हरियाणा प्रदेश में बिजली की कोई कमी नहीं रहेगी बल्कि मैं फ्लोर आफ दि हाउस पूरे प्रदेश के लोगों को आश्वस्त करना चाहूंगा कि अगर कहीं प्रकृति का प्रकोप न हो जाए, कहीं कोई फाल्ट न आ जाए तो हरियाणा प्रदेश में कहीं एक सैकेंड के लिए भी बिजली नहीं जाएगी। (इस समय मेजें थपथपाई गई) हमारी सरकार बनने के बाद हमने 47119 नए बिजली के ट्यूबवैल्ज कनैक्शन दिए हैं जो कि अपने आप में एक कीर्तिमान है। कांग्रेस दोस्तों के राज में तो 1500-1500 ट्यूबवैल्ज के कनैक्शन मिला करते थे। हमने 47119 कनैक्शन दिए हैं और हमने घोषणाएं की, ये लोग घोषणाओं के बारे में कह रहे थे कि घोषणाएं की जा रही हैं। हम केवल घोषणा करने में यकीन नहीं करते । हम जो घोषणाएं करते हैं वे घोषणाएं इम्पलीमैंट भी होती हैं और पूरी भी होती हैं। हमने हरियाणा प्रदेश के लोगों को आश्वस्त भी किया है कि एक जनवरी के बाद जिस किसी किसान की टैस्ट रिपोर्ट मुकम्मल होगी, सिक्योरिटी दाखिल होगी उसको ट्यूबवैल का कनैक्शन दिया जाएगा। हरियाणा प्रदेश में एक भी किसान ऐसा नहीं रहेगा जिसको ट्यूबवैल का कनैक्शन न मिले। क्योंकि हमारा प्रदेश कृषि प्रधान प्रदेश है। हमने न सिर्फ पानी और बिजली के मामले में काम किए हैं बल्कि जैसे कि मैंने बताया है कि सड़कों की पहले क्या हालत थी। आज मैं फख से कह सकता हूं कि हमारे प्रदेश की सड़कें दुनिया के विकसित देशों के मुकाबले में ज्यादा मजबूत और आरामदेह है। आज अगर मैं यह कहूं तो ज्यादा उपयुक्त होगा कि हरियाणा प्रदेश की सड़कों से आज हवाई जहाज उड़ाए जा सकते हैं। 31 दिसम्बर तक सब सड़कों की मरम्मत करा दी जाएगी। एक भी इंटीरियर की सड़क नहीं बचेगी। हमारी सरकार बनने के बाद हमने सड़कों के निर्माण तथा रखरखाव पर 1271 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। राष्ट्रीय उच्च मार्गों पर 482 करोड़

[श्री ओम प्रकाश चौटाला]

रुपये खर्च किए हैं। 298 किलोमीटर की सड़कों का पी०डब्ल्यू०डी० द्वारा निर्माण किया गया है। 18238 किलोमीटर लम्बी मौजूदा सड़कों का सुधार किया गया है। 1543 किलोमीटर लम्बे राष्ट्रीय राजमार्गों का सुधार किया गया है। मार्कीटिंग बोर्ड के द्वारा 4132 किलोमीटर सड़कों की मरम्मत पर विशेष रूप से 175.78 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। 6319 किलोमीटर की लम्बी सड़कों का निर्माण किया गया है जिस पर 501 करोड़ 63 लाख रुपये खर्च हुए हैं। 4823 किलोमीटर सड़कों की प्रिमिक्स और कारपेटिंग पर 380 करोड़ 66 लाख रुपये खर्च किए गए हैं। हमारी सोच केवल मात्र एक है कि हरियाणा प्रदेश के लोगों की मूलभूत जरूरीयात पूरी हों। इसके लिए हमने गांवों का बहुमुखी विकास किया है। हमने घोषणा की हुई है कि गांव में जितनी भी सरकारी सम्पति है चाहे वे स्कूल हैं, चाहे वे कालेज हैं और चाहे वे पशुओं के अस्पताल हैं या फिर आदमियों के अस्पताल हैं, चाहे को-ऑपरेटिव बैंक्स की बिल्डिंग्ज हैं, चाहे गांव के लोगों की तरफ से बनाई गई चौपाल हैं, चाहे सड़कें हैं, 31 दिसम्बर तक सरकार उनकी मरम्मत कराएगी इसलिए किसी को कुछ मांगने की आवश्यकता नहीं है। अभी विकास के नाम पर मेरे फ़ाजिल दोस्त चले गए वे यह कह रहे थे कि शमशान के रास्ते बनाए गए हैं। शमशान कितने जरूरी होते हैं। यह तो प्रकृति का नियम है कि संसार में जो आता है उसे जाना पड़ता है लेकिन कई मर्तबा अगर कोई बूढ़ा बुजर्ग स्वर्ग सिधार जाए और रास्ते चूंकि ऊंचे हों, पानी से भर जाएं और ऊपर से बारिश हो तो क्या डैड बॉडी को आंगन में दफनाया जा सकता है। आंगन में उसका दाह संस्कार किया जा सकता है ? इसलिए शमशान में जाने वाले को कोई दिक्कत या कठिनाई न हो, हमने शमशान के रास्ते पक्के किए हैं, उनमें शैड बनाए हैं। हरियाणा एक बाहद रियासत है मेरे पाकिस्तान के दोस्त बैठे हुए हैं, शायद दुनिया के किसी मुस्लिम मुल्क में भी ऐसा नहीं होगा, हम कब्रिस्तान को मुकदस स्थान मानते हैं। इसलिए हरियाणा प्रदेश के हर कब्रिस्तान की चार दीवारी बनाई गई है ताकि उसमें कोई दिक्कत न आ सके। हमारे चौ० भजन लाल जी का तो मैं जिक्र ही क्या करूं ये तो बोलना भी नहीं जानते ! ये अनाउंसमैंट की बात करते रहे। हमने जितनी अनाउंसमैंट की हैं, वे सारी की सारी पूरी की हैं। अनाउंसमैंट करने का हमें अधिकार है, जनता ने वह अधिकार हमें दिया हुआ है। ये अब उठ कर चले गए। अभी विधान सभा के चुनावों में समय बाकी है। चुनाव आचार संहिता जब तक लागू न हो, चुने हुए प्रतिनिधियों को अधिकार है कि वे अनाउंसमैंट कर सकते हैं। अभी तो कई एनाउंसमैंट और भी करनी हैं। विपक्ष के साथियों को इस बात की तकलीफ क्यों होती है। अध्यक्ष महोदय, इनको तकलीफ इस बात की है कि यदि इसी तरह से हम प्रदेश का बहुमुखी विकास करते रहेंगे तो वे लोगों के बीच में कैसे जायेंगे। हमारी सरकार जो विकास कर रही है वह उनको नहीं सुझ रहा। ये इल्जाम बहुत लगाते हैं। जब हिमाचल प्रदेश में विधान सभा चुनाव थे तब कांग्रेस के भाईयों ने श्री धूमल के खिलाफ मैमोरैंडम दिया था। इसी तरह जब पंजाब में विधान सभा चुनाव थे तब श्री बादल के खिलाफ इन्होंने मैमोरैंडम दिया था और अब हरियाणा विधान सभा के चुनाव हो रहे हैं तो इन्होंने हमारे खिलाफ मैमोरैंडम दे दिया । अध्यक्ष महोदय, जैसा कि सम्पत सिंह जी ने बताया इनको तो यह भी नहीं मालूम कि इन्होंने ये चार्जशीट दी है या मैमोरैंडम दिया है। इन्होंने हमारे ऊपर इल्जाम तो लगा दिए लेकिन इनको संविधान की जानकारी नहीं है। इस बारे में मैं विस्तार में नहीं जाना चाहूंगा लेकिन इन्होंने सारे अनर्गल और मिथ्या इल्जाम लगाये हैं और यह इनकी पुरानी आदत है। अध्यक्ष महोदय, हमने चौधरी देवीलाल के नाम से जो ट्रस्ट बनाये हैं वे जन हित में बनाये हैं लेकिन ये लोग कहते हैं कि वह हमारी मलकियत है इनको इस बारे पूरी जानकारी नहीं है। चण्डीगढ़ में चौधरी देवी लाल के

नाम से एक्सीलेंट सैंटर बनाया है और पब्लिकली हमने यह एनाउंस किया हुआ है जहां पर आई०ए०एस०, आई०एफ०एस०, आई०आर०एस० आदि की ट्रेनिंग विद्यार्थियों को मुफ्त में दी जायेगी ताकि गरीब विद्यार्थी भी शिक्षा ले सके और लोगों के 10-10, 20-20 लाख रुपये बच सकें। इस ट्रस्ट को भी इन लोगों ने हमारी सम्पत्ति बताया है। अध्यक्ष महोदय, चौधरी देवीलाल जी के नाम और भी जो ट्रस्ट हैं उनको इन लोगों ने हमारी मलकियत बताया है। अध्यक्ष महोदय, इस तरह की ट्रस्ट पण्डित जवाहर लाल नेहरू, श्रीमती इन्दिरागांधी, श्री राजीव गांधी, श्री संजय गांधी आदि के नाम से बनी हुई हैं क्या ये सभी ट्रस्ट उन लोगों की मलकियत हो गई। यह बात इन लोगों को कौन समझाये। अध्यक्ष महोदय, चौधरी चरण सिंह के नाम पर हिसार एग्रीकल्चर यूनीवर्सिटी बनी हुई है क्या वह यूनीवर्सिटी उनकी मलकियत हो गई। इसी तरह से पण्डित भगवत दयाल शर्मा के नाम पर मैडीकल कालेज बनाया गया है, राजेश जी बैठे हुए हैं क्या यह उनकी सम्पत्ति हो जायेगी। अध्यक्ष महोदय, ट्रस्ट प्रदेश के, देश के हितार्थ बनाये जाते हैं। इन लोगों ने तो चौधरी देवी लाल के स्टेच्यू को भी हमारी मलकियत बता दिया। इसके अतिरिक्त पार्टी के कोष से जो दफ्तर बने हैं उनको भी हमारी मलकियत बता दिया। लोग हमें चन्दे में जो पैसे देते हैं उससे हम अपने दफ्तर बनवाते हैं और ये लोग कहते हैं कि ये हमारी मलकियत हैं। अध्यक्ष महोदय, ये लोग जब कहीं जाते हैं और जो पैसे इन्हें मिलते हैं उनको ये पार्टी फण्ड में जमा नहीं करवाते। विपक्ष के नेता चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा ने कार पर चढ़कर पैदल यात्रा का ढोंग किया और उस यात्रा से जो 60-65 लाख रुपये उन्हें मिला था वह पैसा उन्होंने पार्टी कोष में जमा नहीं करवाया। चौधरी भजन लाल ने यह बात मानी भी है। अब चौधरी वीरेन्द्र सिंह रथ यात्रा कर रहे हैं और लोगों से पैसे ले रहे हैं । वे पैसे पार्टी कोष में जमा नहीं हो रहे, कायदे के मुताबिक इसकी इन्क्वायरी होनी चाहिए। अध्यक्ष महोदय, फिजी के पूर्व प्रधानमंत्री महेन्द्र चौधरी हमारे यहां आये थे वहां पर नये सिरे से जनतांत्रिक तरीके से सरकार का गठन हो उसके लिए हमें महेन्द्र चौधरी की आर्थिक मदद करनी चाहिए यह राय चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा ने रखी थी। हमने हुड्डा साहब की बात मानी और हरियाणा प्रदेश के लोगों से अपील की। हरियाणा प्रदेश के लोगों ने इस बारे में एक समिति का गठन किया और समिति में लोगों ने पैसे भी दिए। अध्यक्ष महोदय, वे पैसे ज्यों को त्यों समिति के नाम पर बैंक में जमा हैं । उसमें फिजी के लोग भी हैं और हरियाणा के लोग भी हैं अगर वह पैसा देश से बाहर जायेगा तो उसके लिए परमिशन भारत सरकार देगी लेकिन विपक्ष के साथी इस बारे में ऐसे ही अनर्गल और मिथ्या बातें कर रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, अभी कुछ दिन पहले मैं पाकिस्तान के लाहौर शहर में गया था। वहां पर मैं भाई कन्हैया लाल के जन्म स्थान गोधरा में गया था। वहां पर मैंने अपनी ट्रस्ट की तरफ से एक कम्यूनिटी सैंटर बनाने की घोषणा की थी। जब इस बारे में मैंने पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के वजीर परवेज इलाही से बात की तो उन्होंने कहा कि कम्यूनिटी सैंटर बनाने के लिए पैसे उनकी सरकार देगी । मैंने उनसे कहा कि इसकी घोषणा हमने की है और पैसे भी हम ही देंगे, लेकिन उसके लिए कुछ प्रक्रिया पूरी करनी पड़ेगी क्योंकि देश से बाहर पैसे ले जाने के लिए परमिशन भारत सरकार देती है। लेकिन विपक्ष के साथियों को इस बारे कुछ ज्ञान नहीं है। इस तरह क्या कोई ट्रस्ट किसी की मलकियत थोड़ी हो जाती है। भिवानी में हमारी पार्टी के जिस आफिस का इन्होंने जिक्र किया उसकी मलकियत भी इन्होंने 33 करोड़ रुपये दिखाई है। मेरे ख्याल में पूरा भिवानी 33 करोड़ में न बिक सके। बहादुर सिंह जी आप बताइए कि पूरे भिवानी के क्या दाम होंगे। मेरे खेत में मेरा एक मकान है। यह मकान मेरी तरफ से नहीं बल्कि मेरे पिता जी के समय से शुरू किया गया था। किसान कभी एक कोठड़ा बनाता है कभी दो कोठड़े बनाता है। साल में हम एक

[श्री ओम प्रकाश चौटाला]

मुश्ल लगातार कोठी नहीं बना सकते । इन्होंने मेरे उस मकान की कीमत 55 करोड़ रुपये दिखाई है। भजन लाल जी कह रहे थे कि जो मैमोरैण्डम इन्होंने दिया है वह 123 पेजों का है। इन्होंने इन 123 पेजों में से 4 पेजों में तो महामहिम राज्यपाल महोदय को सुझाव दिये हैं। सुझाव देने वाला भजन लाल और दस्तखत करने से इन्कार करता है कि मैंने नहीं किए। इन्होंने अनर्गल और मिथ्या इल्ज़ाम लगाया है। इन्होंने ट्रस्ट की सम्पत्ति को हमारी सम्पत्ति दिखाया है। मैं आपसे अनुरोध करता हूं। क्योंकि आप उनको आगाह कर सकते हैं, आप उनको बता सकते हैं, आप उनको बुला सकते हैं। आप मेरे मैसेंजर बनकर कहें वैसे आप अध्यक्ष हैं मैं आपका सम्मान करता हूं लेकिन चूंकि इस वक्त कांग्रेसी नहीं हैं इसलिए मेरी बात उन तक आप पहुंचाने का काम करें। आप उन्हें कह दें कि ट्रस्ट की सम्पत्ति तो ट्रस्ट के नाम है। बेनामी संपत्ति के लिए सर्वोच्च न्यायालय का एक फैसला है कि कोई बेनामी सम्पत्ति नहीं है जिसके नाम वह है उसका मालिक वही है। हां मेरे नाम यदि कोई सम्पत्ति ये दिखाते हैं तो मेरे अंगूठे दस्तखत करा लें। उस सम्पत्ति का 10 परसेंट ये मुझे दे दें और 90 परसेन्ट ये कांग्रेसी ले जाए। यानि एक अनर्गल और मिथ्या इल्ज़ाम लगाना उनकी एक सोच बन गयी है। मैं इनके बारे में एक एक की अलग अलग बातें बताऊंगा तो मुझे बहुत समय लग जायेगा अब बात आती है बिजली पानी फ्री देने की। हर राजनीतिक दल अपना चुनाव घोषणा पत्र जारी करता है। हमने कभी अपने चुनाव घोषणा पत्र में यह नहीं लिखा कि हम बिजली पानी मुफ्त देंगे। हम सदा एक बात कहते हैं कि हम किसानों को और हरियाणा प्रदेश के हरेक नागरिक को बिजली पानी पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध करवाएंगे और सस्ती दर पर देने का काम करेंगे। लेकिन इन द्वारा अनर्गल और मिथ्या इल्ज़ाम लगाया जाता है जो ठीक नहीं है। विकास के नाम से इन्हें बड़ी तकलीफ हो रही है। उद्योग के नाम पर ये कहते हैं कि हम विदेशों में सैर करते रहे हैं। विदेशों में आज तक का कोई मुखिया गया होगा तो शायद इलाज कराने गया होगा। अध्यक्ष महोदय, मैं हरियाणा प्रदेश का औद्योगिक विकास करने की दृष्टि से विदेशों में गया हूं और विदेशों में जा करके हमने विदेशी लोगों से कहा था कि आप हरियाणा में आकर अपनी पूंजी निवेश करें। मैं बताना चाहूंगा कि 3378 करोड़ रुपये का विदेशी निवेश हरियाणा में आया है। प्रैस के भाई प्रैस गैलरी में बैठे हैं । मैं बताना चाह रहा हूं कि 3378 करोड़ रुपये का विदेशी पूंजी निवेश हरियाणा में आया है और 4800 करोड़ रुपये का विदेशी पूंजी निवेश पाईप लाईन में है। ये कांग्रेसी कहते हैं कि हरियाणा से उद्योग पलायन कर गए । मैं इनकी जानकारी के लिए बताना चाहता हूं कि यहां से कोई उद्योग पलायन करके नहीं गया। हमारी सरकार बनने के बाद हमारे यहां पर 820 बड़े उद्योग धन्धे स्थापित हुए हैं और 5500 छोटे उद्योग धन्धे स्थापित हुए हैं। सर्वोच्च न्यायालय के फैसले के बाद दिल्ली की औद्योगिक इकाईयों को जब उठने के निर्देश दिए गए थे तो तब मैंने दिल्ली के उद्योगपतियों से निवेदन किया था कि आप आओ हमारे प्रदेश में । हम आपको जमीन देंगे और अनेक प्रकार की सुविधाएं देंगे। क्योंकि हमें इस बात का अहसास था कि उजड़े हुए बयार कैसे बसाये जा सकते हैं। हमारे पास 4200 लोगों ने दरख्वास्तें दी। हमने हरियाणा प्रदेश का औद्योगिक विकास करने के लिए काफी कुछ किया है। अध्यक्ष महोदय, जब सैशन शुरू होता है तो सबसे ज्यादा तकलीफ होती है तो वह केवल दो व्यक्तियों को होती है। एक स्पीकर को तकलीफ होती है और दूसरी सरकारी पक्ष के मुख्यमंत्री को होती है। सरकारी पक्ष के लोग डरते हैं कि पता नहीं विपक्ष के लोग क्या कर देंगे लेकिन आप सुनकर हैरान होंगे कि कल विधान सभा का अधिवेशन था। मैं दिल्ली से चला और सबसे बड़ी एक्सप्रेस हाईवे जो 1500 करोड़ रुपये की लागत से बनेगी उसका शिलान्यास किया।

यह 135 किलोमीटर लम्बी हाइवे होगी। यह हाईवे पलवल से लेकर कुण्डली तक बननी है। मैंने उसकी आधारशिला रखी है। और जिस दिन यह सड़क बन कर तैयार हो जाएगी पूरा का पूरा प्रदेश जर्मनी और जापान को भी पीछे छोड़ देगा। सारा का सारा देश औद्योगिक इकाई में तबदील हो जायेगा। वहां से चल करके बाद में मैंने चौधरी देवी लाल के नाम पर 4 एकड़ में स्थापित आपके सोनीपत जिले के उस पार्क का उद्घाटन किया। वहां से चल कर मैंने 10 करोड़ रुपये की लागत से गन्नौर में बनने वाले रेलवे ओवर ब्रिज की आधारशिला रखी। स्पीकर साहब, वहां से चल कर पानीपत में आपके गांव सिवाह के सामने 62 एकड़ में 18 करोड़ रुपये की लागत से बनी हुई पुलिस लाईन का उद्घाटन किया। अध्यक्ष महोदय, मुझे इस बात की खुशी है कि सिवाह गांव के सामने पुलिस लाईन बनी है इसके बाद मैंने वहां पर बनी जेल का उद्घाटन किया। दुर्भाग्य से सिवाह गांव में अपराधी ज्यादा हैं, स्पीकर साहब, मैं आपकी बात नहीं कर रहा हूं (विघ्न) मैंने वहां पर पुलिस लाईन का उद्घाटन किया तो मुझे लोगों ने बताया कि पानीपत की जेल में सबसे ज्यादा अपराधी अगर कहीं के हैं तो वह सिवाह गांव के हैं इसलिए वहां पर पुलिस लाईन बननी भी जरूरी हो गई थी।

श्री अध्यक्ष : चौधरी साहब, सिवाह युद्ध का मैदान रहा है और पानीपत की तीनों लड़ाइयां सिवाह में ही लड़ी गई थीं।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, वहां से चल कर मैं करनाल से हवाई जहाज पकड़ कर हरियाणा प्रदेश के उन बच्चों को जिन्हें चौधरी बंसी लाल ने रास्ते से भटका कर शराब की तस्करी में लगा दिया था, जिन बच्चों के बस्ते में किताबें होनी चाहिएं थीं उनके बस्तों में चौधरी बंसी लाल जी के राज में शराबबन्दी की आड़ में उनके बस्तों में शराब के पाउचिज हुआ करते थे शराब बन्दी तो लिफ्ट हो गई अब वे बेचारे कहीं गलत रास्ते पर न भटक जाएं हमने उन बच्चों के लिए नई खेल नीति बनाई। हिन्दुस्तान में सबसे बड़ा ओलम्पिक भवन 3 एकड़ जमीन में 7 करोड़ रुपये की लागत से आपके पंचकूला में बनाया गया है, मैंने उसका उद्घाटन किया और साढ़े पांच करोड़ रुपये नकद इनाम दिये। अध्यक्ष महोदय, वहां से चल कर आपकी अध्यक्षता में बिजनैस ऐडवाईजरी कमेटी में भी मैंने शमूलियत अख्तियार की। अभी वे दोस्त यह कह कर चले गये कि पब्लिक सर्विस कमीशन के मैम्बर बना रहे हैं, यह होगा वह होगा, हम पब्लिक सर्विस कमीशन में अपने लोग लगाएंगे। अध्यक्ष महोदय, ना नौ मन तेल होगा ना राधा नाचेगी, यह तो इनका ख्वाब है और ख्वाब तो मिट्टी में मिल जाया करते हैं, ख्वाब तो चकनाचूर हो जाया करते हैं। अध्यक्ष महोदय, मेरे कहने का भाव यह है कि उसके बाद लैजिस्लेचर पार्टी की मीटिंग थी। यानि सैशन वाले दिन भी हमने 8 ऐसे कार्यक्रम अटैंड किए हैं जिनके साथ जनता के हित जुड़े हुए हैं। मैं चौबीस घण्टों में बीस घण्टे काम करता हूं और मैं फख्र के साथ कह सकता हूं कि मेरे इन साथियों के सहयोग का ही यह परिणाम है कि हरियाणा प्रदेश आज दुनिया के विकसित प्रदेशों में पहले नम्बर पर है। (इस समय मेजें थपथपाई गई) अभी मेरे वे दोस्त चले गए। कुछ लोग 35 हजार करोड़ रुपये के कर्जे के बारे में कह रहे थे। 35 हजार करोड़ रुपये का कर्जा बताने वाले तनाव में थे इसलिए मैं उनका जिक्र नहीं करना चाहूंगा लेकिन हाउस की जानकारी के लिए इतना जरूर कहना चाहूंगा कि हरियाणा प्रदेश एक मिनट के लिए भी कभी ओवर ड्राफ्ट नहीं हुआ है इसके लिए हमारे वित्त मन्त्री बधाई के पात्र हैं। इनकी सूझ-बूझ का ही यह नतीजा है कि हरियाणा प्रदेश ने इतने विकास के काम किए और इतना पैसा खर्च किया है। अब यह कहते हैं कि हाई पावर परचेज कमेटी की चेयरमैनशिप मुख्य मन्त्री करते हैं। अध्यक्ष महोदय, हम स्टेट का पैसा बचाते हैं मैं उस के बारे में

[श्री ओम प्रकाश चौटाला]

लम्बा चौड़ा कुछ नहीं बताउंगा मैं आपके सामने एक ही इन्स्टांस रख रहा हूं। दीनबन्धु छोटू राम के नाम पर स्थापित जो थर्मल पावर प्लांट है जिसे हमारी सरकार के वक्त में एन०टी०पी०सी० को दिया गया था। इस काम के लिए दो ही पार्टियां थीं अगर ज्यादा पार्टियां होती तो उसमें और भी रियायत हो सकती थी। रिलायन्स और भारत हैवी इलैक्ट्रिकल लिमिटेड दो बड़ी कम्पनियां थीं उन दोनों से नैगोसियेशन करके हमने हरियाणा प्रदेश के 150 करोड़ रुपये बचाए हैं। तीन करोड़ रुपये पर मैगावाट की दर से हमने उनको ठेका दिया जो हिन्दुस्तान में सबसे सस्ता है। आजकल कोई भी थर्मल पावर प्लांट इस रेट पर नहीं दिया गया है। इस हर वक्त स्टेट के पैसे की बचत करते हैं। अध्यक्ष महोदय, अगर मैं हाई पावर परचेज कमेटी में 12 या 14 घण्टे बैठता हूं तो उसकी वजह से मैंने हरियाणा प्रदेश के हजारों करोड़ रुपये बचाए हैं। पहले कांग्रेसी मिली-भगत से पैसा खा जाया करते थे, मुझे इस बात का ज्ञान था इसलिए मैं स्वयं और चौधरी सम्पत सिंह जी दोनों इन मीटिंगों में बैठते हैं ताकि उसमें कोई बेईमानी न हो जाए या कोई हेरा-फेरी न हो जाए। अध्यक्ष महोदय, अभी वे लोग चले गए वरना मैं आपकी मौजूदगी में उनसे हां भरवाता। चौधरी बंसी लाल ने पिछले सैशन में हां भरी थी कि उसके भाई को पांच हजार रुपये में माईन मिली थी उस माईन से हमने 50 करोड़ रुपया वसूल किया। कहां पांच हजार और कहां 50 करोड़ यानि इस तरह की लूट मची हुई थी। परमिट दिए जाते थे। हमने उन माईन्ज को ओपनली नीलाम किया है जिसकी वजह से हर साल प्रदेश के खजाने में सैंकड़ों करोड़ रुपये का राजस्व बढ़ा है। अगर मैं एक-एक आईटम का उल्लेख करूंगा तो बहुत समय लग जाएगा। ये हालत उनकी रही है। भजन लाल जी, कपास की बात करके गए थे। इनको इस बात का ज्ञान ही नहीं है। चौधरी देवी लाल जी जब मुख्य मंत्री थे उस वक्त किसानों को कपास के अच्छे दाम मिले थे। जब चौधरी देवी लाल जी उप-प्रधान मंत्री बने थे, उस वक्त कपास को विदेशों में भेजने का निर्णय लिया गया था । उसका नतीजा यह निकला कि हरियाणा प्रदेश के किसान का ही नहीं बल्कि पूरे हिन्दुस्तान के किसानों के कपास के दाम बढ़े थे। आज की केन्द्र की सरकार की यह हालत है कि सीमेन्ट और लोहे के दाम आसमान को छू रहे हैं। यह सारे का सारा माल चाईना में जा रहा है। हरियाणा सरकार तो एक प्रदेश से दूसरे प्रदेश में माल भेजने पर पाबन्दी लगा सकती है लेकिन एक देश से दूसरे देश में माल भेजने पर पाबन्दी नहीं लगा सकती है। आज पाकिस्तान में गेहूं मंहगा है चीनी मंहगी है वहां पर तो ये नहीं भेज रहे हैं। अगर केन्द्र की सरकार ऐसा करेगी तो पाकिस्तान के हमारे मित्रों को गेहूं और चीनी सस्ते दामों पर मिल सकेगी। हमारे यहां पर गोदामों में गेहूं और चीनी खाद्यानों में सड़ रहा है। लेकिन पाकिस्तान में नहीं भेज रहे हैं। हमारी केन्द्र की सरकार ने हमारे देश के उद्योगपतियों को छूट दी हुई है। कि वे चाईना में सीमेंट और लोहा बेचते रहें जबकि यहां हमारे देश में सीमेंट और लोहे के दामों को आग लग रही हैं। इसकी वजह से हमारे लोगों को कितना भारी नुक्सान हो रहा है। स्पीकर सर, कैप्टन अजय सिंह को एक बात की तकलीफ थी कि मैं पाकिस्तान गया और वहां से दीन बन्धु सर छोटू राम जी का सामान लेकर आया । वह तो जाते जाते यह भी कह गया कि पता नहीं वह सामान असली है कि नकली है। स्पीकर सर, मैं जिस कोठी से सामान लेकर आया, मैं उस कोठी वालों का मशकूर हूं, कृतज्ञ हूं कि उन्होंने स्वयं आकर के पब्लिकली यह कहा है कि उन्होंने उस सामान को सम्भाल कर रखा है और हमें उस सामान को दिया है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन की जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि भूपेन्द्र सिंह हुड्डा भी वहां पर गए थे और उसी कोठी में जाकर ठहरे थे और हम भी उसी कोठी में ठहरे थे। अब उनमें अकल नहीं थी, उनकी समझ में नहीं

आई और मेरी समझ में आ गई तथा मैंने वहां से सामान मंगवा लिया। वे वहां पर ठहरे लेकिन सामान नहीं मंगवा पाए। अब उनको ऐसी अक्ल कौन देता । स्पीकर सर, अब इनको इस बात की भी तकलीफ है। इन्होंने यह राव कोई राजनीतिक फायदा उठाने के लिए नहीं किया है। अब सदन में सिख साहेबान बैठे हुए हैं, अगर गुरुओं के 400-600 साल पुराने घोड़े आ सकते हैं तो क्या दीन बन्धु सर छोटू राम जी का सामान नहीं आ सकता है। इसमें क्या बुरी बात है। गोधरा से भाई कन्हैया की कुई का पानी ला सकते हैं तो क्या हम दीन बन्धु सर छोटू राम जी जो किसानों के मसीहा थे उनकी कोठी का सामान क्या हम नहीं ला सकते हैं। मैं मशकूर हूं,कृतज्ञ हूं उन लोगों का जिन्होंने उस सामान को सम्भाल कर रखा और हमें दिया। हम उस सामान को संग्रहालय में इसलिए रखने जा रहे हैं क्योंकि वह नई पीढ़ी का प्रेरणा स्रोत है। अगर नई पीढ़ी उस समान को देखेगी और पूछेगी कि यह क्या सामान है और जब उन्हें बताया जाएगा कि दीन बन्धु सर छोटू राम जी सामान है और फिर जब वे पूछेंगे कि दीन बन्धु सर छोटू राम जी कौन थे तो उनको बताया जाएगा कि दीन बन्धु सर छोटू राम जी वे थे जिन्होंने देश के किसानों को राहत प्रदान की थी। अध्यक्ष महोदय, चौधरी देवीलाल जी ने एक बिल पास करवाया था कि किसानों को कर्ज से दोगुना बैंक का कर्ज नहीं देना पड़ेगा, ऐसा करके किसानों को चक्रवृद्धि ब्याज से छुटकारा दिलाया गया था। इस बारे में अध्यक्ष महोदय, दीन बन्धु सर छोटू राम जी का वारिस बनने वाले बीरेन्द्र सिंह ने क्या किया था वह मैं बताता हूं। उस वक्त हमारी सरकार चली गई और कांग्रेस की सरकार आई थी और उस वक्त बीरेन्द्र सिंह ऐसेम्बू मंत्री थे, उसने नए सिरे से चक्रवृद्धि ब्याज किसानों से वसूल किये जाने की बात कही। ऐसा एक अन्तर है उनमें और हमारे में और इस अन्तर को लोग समझ सकें यही प्रयास हमने किया है। अभी यहां पर वे फंगस फूड की बात करके चले गए। उनको इस बात की जानकारी नहीं कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले के मुताबिक हम मिड डे मील बच्चों को दे रहे हैं। हमारे बच्चे मिड-डे मील नहीं खाते हैं। हमारे बच्चों के लिए घर से टिफन आता है। इन्होंने सदन में कह दिया कि कैथल में बच्चों को मिड डे मील दिया जाता है। वह फंगस लगा हुआ होता है। अध्यक्ष महोदय, वहां पर बच्चों ने मिड-डे मील लेने से इन्कार कर दिया कि हम यह नहीं खाएंगे। इसमें गलती वहां के कर्मचारियों से यह हो गई कि उन्होंने उसको उठाकर कहीं पर फैंक दिया। उसमें फंगस लग गई होगी। इन्होंने उसको उठा लिया। हमारे बच्चे मिड-डे मील नहीं खा रहे हैं तो हम उसमें क्या कर सकते हैं। अध्यक्ष महोदय, चूंकि इस बारे में सुप्रीमकोर्ट का फैसला है, हमें तो उसको मानना पड़ेगा और मिड-डे मील पर पैसा खर्च करना पड़ेगा। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन से यह कहना चाहूंगा कि अगर फिर भी ऐसी कोई शिकायत कहीं पर होगी तो हम उसकी इन्क्वायरी करने के लिए तैयार हैं। इसके बाद चौधरी धर्मवीर सिंह जी सब-डिवीजन की बात करके गए थे कि मुख्यमंत्री घोषणा करके आए हैं। अब उनकी पार्टी में नए-नए चौधरी बंसीलाल जी शामिल हुए हैं उनसे तो यह नहीं कहा कि तैने यह सब-डिविजन तोड़ दिया था। बंसीलाल ने जिस सब-डिविजन को तोड़ा था उस बारे में मैंने पब्लिकली दोबारा से उसको सब-डिविजन बनाने की घोषणा की थी। इसके अलावा ये यह भी कहते हैं कि हम डि-लिमिटेशन करने जा रहे हैं। अरे मैं यह क्यों करूंगा, मैंने तो डी-लिमिटेशन कमेटी का सैन्टर में जाकर विरोध किया था। आज ये डी-लिमिटेशन की आड़ लेकर हम पर आरोप लागते हैं। और तो और अध्यक्ष महोदय, इन्होंने मेरे हल्के में जाकर लोगों को बरगलाने की कोशिश करी कि ओम प्रकाश चौटाला ने नरवाना को रिजर्व कर दिया है। अरे कम्बख्तों अगर मैं ऐसा करता हूं तो मैं तो मारा गया क्योंकि मेरा तो एक ही हल्का है। ये तो मुख्यमंत्री के उम्मीदवार हैं कहीं से भी लड़ सकते हैं। अध्यक्ष महोदय, ये तो 13-13 उम्मीदवार हैं लेकिन मेरे पास तो केवल एक हल्का

[श्री ओम प्रकाश चौटाला]

है अगर यही हल्का रिजर्व हो जाएगा तो मैं मारा जाऊंगा। अध्यक्ष महोदय, इसीलिए मैं तो डी-लिमिटेशन के पहले दिन से ही खिलाफ था। अखबार के लोग इस बात के गवाह हैं क्योंकि इस बारे में सबसे पहले मैंने ही बयान दिया था। मैंने तो पार्लियामैंट के मैम्बर्ज को भी कहा था, मिनिस्टर्ज को भी कहा था कि डि-लिमिटेशन कमेटी जो बनायी गयी है वह गलत है इसको नये सिरे से ठीक किया जाए। अध्यक्ष महोदय, हमारे इन साथियों ने अखबारों की कटिंग के आधार पर इसका सबसे ज्यादा विरोध किया था लेकिन आज ये ही रोहतक हल्के को तो तोड़ने की बात करते हैं। ऐसा करके ये लोगों की भावनाओं को भड़काने का प्रयास करते हैं। अध्यक्ष महोदय, रोहतक हरियाणा का दिल है क्या कोई अपने दिल को भी तोड़ देगा ? हम हरियाणा प्रदेश के हर नागरिक को पूरा सम्मान देने के पक्षधर हैं लेकिन इनकी तो अनर्गल और मिथ्या प्रचार करने की आदत है। अध्यक्ष महोदय, सब डिवीजन तो चौधरी बंसीलाल जी की सरकार ने तोड़ी थी हमारी सरकार ने तो उसको बनवाया है और विधान सभा के चुनाव से पहले इस सब डिवीजन को बनाने की सारी प्रक्रिया पूरी कर दी जाएगी। कर्ण सिंह दलाल का मैं क्या जिक्र करूं वह तो रोज अखबारों की सुर्खियों में छाया रहता है। वह निरंतर अनर्गल बातें करता रहता है। आज भी उसने डा० त्रेहन की बात कर दी। अध्यक्ष महोदय, डा० त्रेहन आज वर्ल्ड की एक अथोरिटी है। मैंने मिन्नत खुशामद करके उसको इस बात के लिए मनाया था। चार सालों से वह जगह खाली पड़ी थी। ढूंढाढेड़ा की जगह जोकि कांग्रेसी चाहते थे लेकिन हमने इसी सदन में लड़कर 70 एकड़ और जमीन निकलवायी थी। वह जमीन दस सालों से पड़ी है। मैडी सिटी वाली जमीन भी खाली पड़ी थी। अध्यक्ष महोदय, हमने तो बड़ी मुश्किल से डा० त्रेहन को मनाया था। हमारे ये दोस्त जब चले गए हैं लेकिन फिर भी मैं सदन की जानकारी के लिए बताना चाहता हूं कि अब हम डा० त्रेहन को ही नहीं बल्कि फोर्टिस को भी वहां पर एक जमीन देने जा रहे हैं। हो सकता है कि कल को हमारे खिलाफ इस बारे में और इल्जाम लगे कि हमने फोर्टिस को भी यहां पर जमीन दे दी। अध्यक्ष महोदय, हम तो चाहते हैं कि विश्व के स्तर पर हरियाणा का नाम ऊंचा हो। अध्यक्ष महोदय, मैं दुनियां के 60-65 मुल्कों में गया हूं और कई मर्तबा मुझे आपके साथ भी बाहर जाने का अवसर मिला है। हमने देखा है कि जो विकसित देश हैं उनमें भी कहीं कहीं ही कोई एक बड़ा अस्पताल है। आज हिन्दुस्तान में भी कोई बड़ा अस्पताल नहीं है इसलिए अगर गुड़गांव में इस तरह के बढ़िया अस्पताल होंगे तो इससे न सिर्फ इस देश के लोगों को चिकित्सा सुविधाएं मिलेंगी बल्कि इससे विश्व के स्तर पर देश का सम्मान भी बढ़ेगा इसलिए हम चाहते हैं कि इस प्रकार की योजनाएं बनें। ये लोग खाद की कमी की भी बात करके चले गए। खाद की कमी के मामले में इनका जैसा आचरण था उसको मैंने पहले ही बता दिया है लेकिन फिर से मैं आपकी जानकारी के लिए और सदन की जानकारी के लिए बता दूं कि हरियाणा प्रदेश में खाद की कोई कमी नहीं है। कल के अखबार में ही इस बारे में एक खबर छपी है कि केन्द्र ने हरियाणा सरकार की इस मामले को लेकर प्रशंसा की है। अखबार में कहा गया है कि—

> "केन्द्र सरकार हरियाणा सरकार की इस बात के लिए प्रशंसा करती है कि उसने डी०ए०पी० रसायनिक खाद की अन्तर्राष्ट्रीय बाजारों में कम उपलब्धियों और उसके दामों में अभूतपूर्व वृद्धि के बावजूद भी निम्न व उच्च स्तर पर इसका प्रबन्ध करके वर्तमान रबी की फसल के लिए समय पर इसका वितरण किया है। हैफेड के प्रवक्ता के अनुसार केन्द्र सरकार अपनी क्षेत्रीय बैठक में अन्य राज्यों को भी

हरियाणा सरकार द्वारा किये गये उपायों पर सलाह देने पर विचार कर रही है। केन्द्र सरकार इस बात के लिए हरियाणा सरकार की सराहना करती है।"

अध्यक्ष महोदय, केन्द्र सरकार के डिप्टी सैक्रेटरी का भी इस बारे में मेरे पास एक लैटर है। यह लैटर मैं आपको भी दिखाना चाहूंगा। आप इसको उनको भी पढ़कर बता देना । इस लैटर में उन्होंने कहा है कि हमारी सरकार इस बारे में बहुत ही अच्छा काम कर रही है। इसी तरह से कर्ण सिंह दलाल एक और अनर्गल बात कहकर चला गया कि मौजूदा सरकार के वक्त मे हरिजन और बैकवर्ड क्लासिज के लोगों को पुलिस में भर्ती नहीं किया है। मैं उनको बताना चाहूंगा कि जब से हमारी सरकार बनी है तब से लेकर अब तक पहले का भी जितना बैकलॉग था वह हमने सारे का सारा पूरा किया है। इनकी सरकार के वक्त में जो बैकलॉग छोड़ दिया गया था उसको भी इनने भर्ती में नये सिरे से पूरा करके एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। अध्यक्ष महोदय, इस तरह से हमने तो यह बैकलॉग पूरा ही किया है। अध्यक्ष महोदय, मैं इनको क्या कहूं ? अगर मैं इनके सारे किस्सों को बताने लग जाऊंगा तो बहुत लम्बा समय लग जाएगा। इनके पास तो कुछ कहने को था ही नहीं लेकिन फिर भी मैं तो इनका इस बात के लिए मशकूर हूं, कृतज्ञ हूं कि उन्होंने मुझे इस नो-कांफीडैन्स मोशन के माध्यम से हरियाणा प्रदेश के लोगों के लिए हरियाणा सरकार द्वारा किये गये कार्यों एवं उपलब्धियों और कांग्रेसियों के कुकर्मों का लेखा जोखा देने का अवसर दे दिया इसलिए मैं पूरे सदन को यह कहना चाहूंगा कि इस वोट आन नो-कांफीडैंस मोशन जोकि एक झूठ के पुलिन्दा के अलावा कुछ भी नहीं है, इसमें कोई तथ्य नहीं है। यह तथ्यहीन, आधारहीन किस्सा प्रस्तुत किया गया है और गलत इल्जाम लगाए गए हैं और लोगों को बरगलाने के लिए वोट ऑफ नो-कांफीडैंस रखा गया है मैं चाहूंगा कि उसका सर्वसम्मति से विरोध किया जाए। आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया इसके लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

Mr. Speaker : Now, I put the motion to the vote of House.

Question is—

"That this House expresses its want of Confidence in the Haryana Ministry headed by Shri Om Parkash Chautala, Chief Minister."

The motion was lost.

विधान कार्य (पुनरारम्भ)

दि हरियाणा स्टाफ सिलैक्शन कमीशन बिल, 2004

Mr. Speaker : Now, a Minister will introduce the Haryana Staff Selection Commission Bill, 2004 and also move the motion for its consideration.

Finance Minister (Prof. Sampat Singh) : Sir, I beg to introduce the Haryana Staff Selection Commission Bill, 2004.

Sir, I also beg to move—

That the Haryana Staff Selection Commission Bill, be taken into consideration at once.

Mr. Speaker : Motion moved—

That the Haryana Staff Selection Commission Bill, be taken into consideration at once.

Mr. Speaker : Question is—

That the Haryana Staff Selection Commission Bill, be taken into consideration at once.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now the House will consider the Bill Clause by Clause.

Sub-Clause (2) of Clause 1

Mr. Speaker : Question is—

That Sub-Clause (2) of Clause 1 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clauses 2 to 13

Mr. Speaker : Question is—

That Clauses 2 to 13 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Sub-Clause (1) of Clause 1

Mr. Speaker : Question is—

That Sub-Clause (1) of Clause 1 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Enacting Formula

Mr. Speaker : Question is—

That Enacting Formula be the Enacting formula of the Bill.

The motion was carried.

Title

Mr. Speaker : Question is—

That Title be the Title of the Bill.

The motion was carried.

Mr. Speaker : Now, a Minister will move that the Bill be passed.

Finance Minister (Prof. Sampat Singh) : Sir, I beg to move—

That the Bill be passed.

Mr. Speaker : Motion moved—

That the Bill be passed.

Mr. Speaker : Question is—

That the Bill be passed.

The motion was carried.

Mr. Speaker : Hon'ble Members, now the House stands adjourned *sine-die*.

*13.38 hrs. (The Sabha then *adjourned *sine die*)

39419—H.V.S.—H.G.P., Chd.